रांची, शुक्रवार | 14 मार्च 2025 | वर्ष-26, अंक- 43, पृष्ठ-12 | फाल्गुन शुक्ल पक्ष 15, संवत 2081 | रांची एवं डालटनगंज (मेदिनीनगर) से एक साथ प्रकाशित | रजिस्ट्रेशन नं: BIHHIN/1999/155 | www.rastriyanaveenmail.com

ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

₹3.00

हर पक्ष की खबर | हर पक्ष पर नजर

रंगों से सजे रिश्ते और दिल से मिले **आशीर्वाद...**

होली लाए हर किसी के जीवन में **आह्लाद...**

होली की शुभकामनाएं

सीएम मंईयां सम्मान योजना में बहनों के खाते में पहुंची 7500 रुपए की राशि

अपने वादों को पूरा कर रही अबुआ सरकार : सीएम हेमंत सोरेन

नवीन मेल डेस्क

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि झारखंड की अबुआ सरकार अपने वादों को पूरा कर रही है। होली से पहले मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के तहत तीन महीने की सम्मान राशि 7,500 रुपए एक साथ लाभार्थियों के बैंक खातों में भेजी जा रही है। यह सम्मान राशि सिर्फ आर्थिक सहयोग नहीं, बल्कि झारखंड की हर बहन और बेटी के सशक्तिकरण और सम्मान का प्रतीक है।

रांची जिला में इस योजना के तहत 3,08,280 लाभुकों के खाते में 7,500 रुपए की सम्मान राशि स्थानांतरित की गई है। डीबीटी के माध्यम से 3,08,280 लाभार्थियों के खाते में कुल 231 करोड़ 18 लाख 72 हजार 500 रुपए सीधे उनके बैंक खाते में ट्रांसफर किए गए हैं। रांची जिले के सभी लाभार्थियों के बैंक खाते में जनवरी, फरवरी और मार्च महीने की सम्मान राशि एक साथ स्थानांतरित की गई है। इनमें कुछ लाभुक ऐसे भी हैं, जिनके आवेदन फरवरी माह में स्वीकृत हुए थे।

बोले सीएम

सिर्फ आर्थिक सहयोग नहीं है यह सम्मान राशि

हर बहन-बेटी के सशक्तिकरण का प्रतीक है

चैंपियन राष्ट्रीय महिला हॉकी टीम का हॉकी प्रेमियों ने किया भव्य स्वागत

- **खिलाड़ियों का होली बाद सीएम करेंगे स्वागत**
- **नेशनल फाइनल में हरियाणा को हराया**

नवीन मेल संवाददाता

रांची। एक से 12 मार्च 2025 तक पंचकुला हरियाणा में आयोजित 15 बी हॉकी इंडिया सीनियर राष्ट्रीय महिला हॉकी चैंपियनशिप 2025 में हॉकी झारखंड की टीम फाइनल मैच में मेजबान हरियाणा को उसी की धरती में पराजित कर, झारखंड बिहार के इतिहास में पहली बार सीनियर नेशनल में विजेता बनकर एक नई कीर्तिमान स्थापित की। विजेता बनने के बाद गुरुवार को झारखंड टीम ट्रॉफी लेकर हवाई मार्ग से रांची पहुंची। रांची पहुंचने के बाद एयर पोर्ट में सभी चैंपियन बेटियो का हॉकी झारखंड और हॉकी प्रेमियों ने स्वागत किया। एयरपोर्ट से बाहर निकलते ही हॉकी झारखंड के अध्यक्ष भोलानाथ सिंह एवं अन्य पदाधिकारियों टीम के सभी खिलाड़ियों और कोच मैनेजर को माला पहनकर और मिठाई खिलाकर स्वागत किया और शानदार जीत के लिए बधाई दी गईं।

शेष पेज 11 पर

सीएम हेमंत सोरेन ने बेटियों को दी बधाई

15वीं हॉकी इंडिया सीनियर राष्ट्रीय महिला हॉकी चैंपियनशिप 2025 के फाइनल में हरियाणा को हराकर जीत दर्ज करने के लिए झारखंड की बेटियों को बहुत-बहुत बधाई और जोहार। चैंपियनशिप में अपने उम्दा खेल का प्रदर्शन करने वाली अन्य सभी टीमों को भी हार्दिक बधाई। सीएम ने एक्स पर बधाई दी।

सीबीएसई ने दी 12वीं के परीक्षार्थियों को राहत

नई दिल्ली (आईएएनएस)

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने कक्षा 12वीं के छात्रों के लिए एक राहत भरी खबर दी है। गुरुवार को बोर्ड ने घोषणा की है कि जिन छात्रों को होली के कारण 15 मार्च को होने वाली हिंदी की बोर्ड परीक्षा में शामिल होने में कठिनाई होगी, उन्हें परीक्षा देने का दूसरा अवसर प्रदान किया जाएगा। दरअसल, सीबीएसई ने बोर्ड परीक्षाओं की तारीखों की घोषणा तीन महीने पहले कर दी थी। इस कदम का उद्देश्य छात्रों को अपनी पढ़ाई की योजना बनाने और समय का बेहतर प्रबंधन करने में मदद करना था। इसके तहत, कक्षा 12वीं के लिए हिंदी कोर (302) और हिंदी ऐच्छिक (002) की परीक्षा

- **15 मार्च को परीक्षा में शामिल नहीं होने वाले 12वीं के छात्रों को मिलेगा दूसरा मौका**

15 मार्च को निर्धारित की गई है। बोर्ड को जानकारी मिली है कि देश के अधिकांश हिस्सों में होली का त्योहार 14 मार्च को मनाया जाएगा, लेकिन कुछ क्षेत्रों में यह उत्सव 15 मार्च को होगा या 14 मार्च की गतिविधियों का विस्तार 15 मार्च तक हो सकता है। इसी को देखते हुए, सीबीएसई ने ऐसे छात्रों के लिए विशेष व्यवस्था की है

शेष पेज 11 पर

शुभकामनाएं

'राष्ट्रीय नवीन मेल' के सभी पाठकों, विज्ञापनदाताओं, अभिकर्ताओं, हॉकरों एवं शुभचिंतकों को 'होली' की हार्दिक शुभकामनाएं।

-संपादक

आवकाश की सूचना

'होली' के अवसर पर '**राष्ट्रीय नवीन मेल**' कार्यालय 14 व 15 मार्च (शुक्रवार एवं शनिवार) को बंद रहेगा। अतः अखबार का अगला अंक 17 मार्च (सोमवार) को पाठकों के हाथ होगा।

-प्रबंधक

रांची का तापमान

	कांके	रांची
अधिक.	32.2°	34.2°
न्यून.	18.5°	19.2°

माह-ए-रमजान

इफ्तार	सेहरी
6:00	4:39
14 मार्च	15 मार्च

व्हाट्सएप से सीधे जुड़ें

सुझाव, शिकायत और समाचारों का स्वागत समाचार पत्र में प्रकाशित करने के लिए सप्रमाण समाचारों का स्वागत है। आप सुझाव या शिकायत भी भेज सकते हैं।
संपर्क/व्हाट्सएप
82925 53444 विज्ञापन देने या अखबार प्राप्त करने के लिए संपर्क
+91 82923 73444
कार्यकारी संपादक।

शिक्षा मंत्री के छोटे भाई राम सोरेन का निधन

रांची। राज्य के शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन के छोटे भाई राम सोरेन का गुरुवार को निधन हो गया। वे रिम्स में इलाजरत थे। रामदास सोरेन के भाई के निधन पर विधानसभा अध्यक्ष रवींद्र नाथ महतो और सीएम हेमंत सोरेन ने शोक व्यक्त किया है।

इसरो को एक और बड़ी उपलब्धि

अंतरिक्ष में स्पैडेक्स की अनडॉकिंग हुई सफल

नई दिल्ली (हि.स.)

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। इसरो ने स्पैडेक्स मिशन में अनडॉकिंग को सफलतापूर्वक पूरा किया है। गुरुवार को इसरो ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर तस्वीरें जारी करते हुए यह जानकारी दी है। उल्लेखनीय है कि मिशन की लांचिंग के बाद दो अलग-अलग सैटेलाइट को अंतरिक्ष में आपस मे जोड़कर इसरो ने इतिहास लिखा था। आपस में जुड़े इन दो उपग्रहों को आज फिर से सफलतापूर्वक अलग कर दिया गया। स्पेस में दो अलग-अलग सैटेलाइट को जोड़ने और अलग करने के ऐसे प्रयोग और भी होंगे। आज की ये सफलता भविष्य के डीप स्पेस मिशन और स्वदेशी अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने इस उपलब्धि पर इसरो की टीम को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि हर भारतीय के लिए खुशी की बात है। स्पैडेक्स सैटेलाइट्स ने अविश्वसनीय डी-डॉकिंग को पूरा किया। इससे भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन, चंद्रयान 4 और गगनयान सहित भविष्य के महत्वाकांक्षी मिशनों के सुचारू संचालन का मार्ग प्रशस्त हुआ है।

- **डीप स्पेस मिशन और स्वदेशी अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम**

तमिलनाडु सरकार ने बजट दस्तावेज से हटाया ₹ का सिंबल

चेन्नई। परिसीमन और राष्ट्रीय शिक्षा नीति जैसे मुद्दों पर विवाद के बीच तमिलनाडु की डीएमके सरकार ने राज्य के प्रस्तावित बजट 2025-26 के दस्तावेज में से रुपए के प्रतीक चिह्न को तमिल भाषा के एक अक्षर से बदल दिया है। यह तमिल लिपि का अक्षर 'रु' है। डीएमके सरकार विधानसभा में शुक्रवार को राज्य का बजट पेश करेगी। तमिलनाडु सरकार के इस बदलाव को भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने मूर्खतापूर्ण बताया है। उन्होंने एक्स पोस्ट में कहा कि रुपए के प्रतीक चिह्न को तमिलनाडु के रहने वाले थिरु उदय कुमार ने डिजाइन किया था। वे डीएमके के पूर्व विधायक के बेटे हैं। तमिल द्वारा डिजाइन किए गए रुपये के प्रतीक चिह्न को पूरे भारत ने अपनाया, लेकिन डीएमके सरकार ने राज्य बजट के दस्तावेज में से इसे हटा दिया है। दरअसल, मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने गुरुवार को एक्स पर एक वीडियो शेयर किया था।

महंगाई और सोशल मीडिया से आभासी होती होली और नकली रंग

इंडिया

सुनील बादल
कार्यकारी संपादक

शहर से लेकर कस्बों तक खुलते अंग्रेजी माध्यम के स्कूल, आधुनिकता की दौड़ में लगे युवा, वीरान होते गांव और चमकते महानगरों के बीच सनातनियों के लाख प्रयास के बाद भी धीरे-धीरे बसंतोत्सव होली रंगों का त्यौहार न होकर आभासी होती जा रही है और नौकरी या व्यवसाय के लिए घर छोड़ चुके लोग और आधुनिकता के नाम पर युवा पीढ़ी होली से विमुख हो रही है या होली के मैसेज तक सीमित हो गई है। कुछ दशकों पूर्व होली भारत का सबसे रंगारंग त्योहार था जिसमें कीचड़, रंग और हुड़दंग से सड़कें सूनी हो जाती थीं पर आज नशे में झूमते आधुनिक युवाओं की टोली भले बिहार, झारखंड, यूपी में राह रोक पर अब वो बात नहीं जो महीनों तक उत्सव का माहौल होता था और हर कोई विध्यार्थी से लेकर नौकरीपेशा अपने गांव या कस्बे तक पहुंचने के लिए बेचैन रहता था। अब दो दिनों की छुट्टियां या तो सो कर बिताई जा रही या बड़े शहरों के युवा से लेकर बड़े तक घूमने तक निकल जाते हैं। अब वो बेचैनी या उत्सुकता नहीं रही जिसमें अपने गांव कस्बे या शहरों में पुराने साथियों संबंधियों से मिलने और पुरानी यादों को ताजा करने की गर्मजोशी हुआ करती थी। इसका एक बड़ा कारण महंगाई भी है। ऑटो से लेकर हवाई जहाज तक कोरोना के बाद जो किराया बढ़ा वो कम नहीं हुआ। बहुत लोगों ने यह भ्रम भी फैलाया कि होली में पानी की बहुत बर्बादी होती है और सभी रंग या गुलाल त्वचा के लिए बहुत

हानिकारक हैं। यह बात भी सही है कि शिक्षा और जागरूकता से लोग सजग हुए हैं और होली के नाम पर हुड़दंग या अश्लीलता से बहुत से लोग इससे दूर हो गए हैं पर सवाल यह भी उठता है कि जिस समाज ने मर्यादा का उल्लंघन किया है क्या वही समाज इसे कम नहीं कर पा रहा। होली असल में ऋतुराज बसंत का त्योहार है जिसके पीछे धार्मिक कारणों से अधिक वैज्ञानिक कारण भी हैं। फाल्गुन की पूर्णिमा को होली का त्यौहार लगभग हर प्रांत में में स्थानीय रिवाजों का चलन है। होली का त्यौहार उस समय मनाया जाता है जब जाड़े का मौसम समाप्त होने के बाद गर्मी की शुरुआत होती है ठंड के बाद मौसम की गर्माहट की वजह से शरीर में सुस्ती आना एक प्राकृतिक प्रक्रिया है। ऐसे समय में होली का आना, शरीर की सुस्ती को दूर करने का एक अच्छा माध्यम भी है। रंगों की मस्ती और ढोल-नगाड़े के बीच जब लोग जोर से गाते हैं या बोलते हैं, ये सभी बातें शरीर को नई ऊर्जा प्रदान करती हैं। इसके अलावा जब प्राकृतिक शुद्ध रंग और अबीर शरीर पर डाला जाता है, तो इसका उस पर अनोखा प्रभाव होता है। पहले जब आज की तरह दवाएं या एंटीबायटिक की खोज नहीं हुई थी तब ये धोने के क्रम में शरीर को स्वच्छ कर देते थे। पहले प्राकृतिक रंगों और पलाश जैसे फूलों से तैयार रंगों में पानी और गुलाबजल मिलकर रंग और विशुद्ध अबीर और गुलाल तैयार किया करते थे, जिसका शरीर पर शांति देने वाला प्रभाव पड़ता था। आज होली में केमिकल रंगों का इस्तेमाल होने लगा है, जिसे स्वास्थ्य की दृष्टि से बिल्कुल भी सही नहीं कहा जा सकता। होली में बड़ों को पैरों पर अन्य को गालों या ललाट पर रंग और गुलाल लगाकर प्रेम और मित्रता का वातावरण उत्पन्न किया जाता है, जिससे सामाजिक सौहार्द्र बढ़ता है। सामाजिक सौहार्द्र के साथ-साथ रंगों का सेहत पर भी सकारात्मक असर पड़ता है। भारत का पड़ोसी देश नेपाल हिंदू संस्कृति से भी गहराई से जुड़ा हुआ है यहां होली को फागु पूर्णिमा के नाम से जाना जाता है और ये देशभर में धूमधाम से मनाई जाती है। काठमांडू और पोखरा जैसे बड़े शहरों में होली के दिन सड़कों पर रंगों की बौछार, संगीत और नृत्य का माहौल रहता है। लोग रंग, पानी के गुब्बारे और गुलाल से एक-दूसरे को रंगते हैं। मॉरीशस में बड़ी संख्या में भारतीय समुदाय और भारतीय मूल के लोगों की होली उत्तर प्रदेश और बिहार की होली से मिलती-जुलती होती है। भजन-कीर्तन, होलिका दहन और रंग खेलने की परंपरा यहां भी देखने को मिलती है। मॉरीशस सरकार भी इस त्योहार को मान्यता देती है और इसे नेशनल हॉलीडे के रूप में मनाया जाता है। फिजी में भी उत्तर प्रदेश और बिहार मूल के लोगों की संख्या बहुत है उनकी भी होली वैसी ही पारंपरिक ढंग की होती है जो स्थानीय लोगों के साथ मिलकर मल्टी कलर फेस्ट के रूप में मनाते हैं। भारत के विभाजन के बाद भी पाकिस्तान में रह रहे हिंदू सिंध प्रांत, कराची, लाहौर और कुछ अन्य भागों में होली को पूरे जोश और श्रद्धा के साथ मंदिर और समुदायिक केंद्र में बृहद रूप में एक-दूसरे को गुलाल और रंग लगाकर मनाते हैं। बांग्लादेश में भी हिंदू होली ढाका, चटगांव और सिलहट जैसे इलाकों में होली को दोल पूर्णिमा या बसंत उत्सव के रूप में भी जाना जाता है।

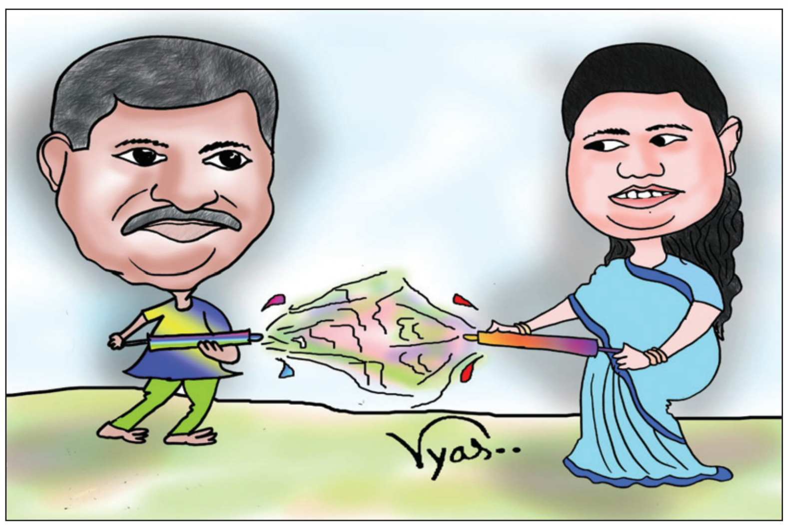

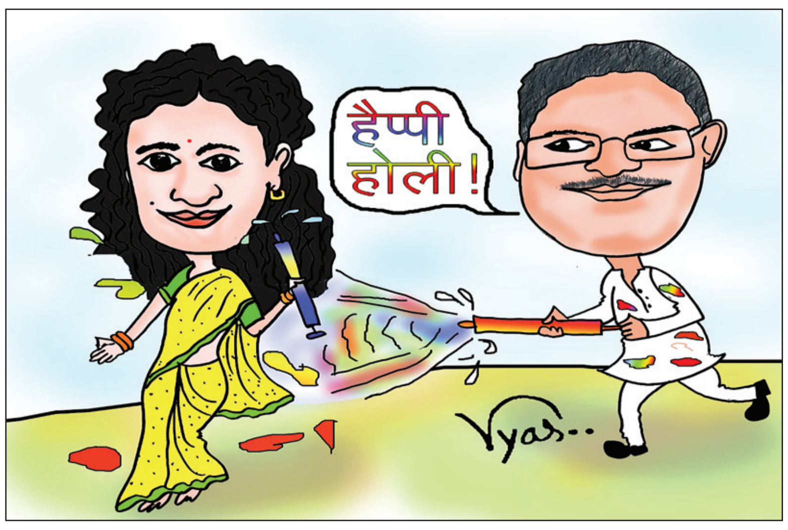

चैंबर भवन में होली मिलन समारोह

होली हमें देश की संस्कृति का संदेश देता है : किशोर मंत्री

नवीन मेल संवाददाता

रांची। फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के फिल्म, कला संस्कृति उप समिति के द्वारा चैंबर भवन में होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उप समिति के सदस्यों द्वारा एक से बढ़कर एक संगीतमय प्रस्तुति से उपस्थित चैंबर सदस्यों का मनोरंजन किया गया।

मौके पर चैंबर के पूर्व अध्यक्ष विनय अग्रवाल और किशोर मंत्री ने होली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि होली का त्योहार हमें देश की सभ्यता, संस्कृति और एकता का संदेश देता है। हम सभी को रंगों की तरह ही आपस में मिलजुल कर रहना चाहिए।

कार्यक्रम में रांची के सदर अनुमंडल पदाधिकारी उत्कर्ष कुमार ने शामिल होकर चैंबर सदस्यों को होली की बधाई दी। चैंबर अध्यक्ष परेश गट्टानी ने होली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि रंगों का यह त्योहार सभी प्रदेशवासियों के लिए खुशी लेकर आए, यह कामना करता हू। महासचिव आदित्य मल्होत्रा ने प्रदेश के सभी व्यापारियों, उद्यमियों और प्रोफेशनल्स को होली की शुभकामनाएं देते हुए सौहार्दपूर्ण वातावरण में होली मनाने की अपील की।

मौके पर चैंबर के सह सचिव विकास विजयवर्गीय, नवजोत अलग, कार्यकारिणी सदस्य डॉ0 अभिषेक रामाधीन, फिल्म कला संस्कृति उप समिति के चेयरमेन आनंद जालान, निरंजन शर्मा, राजीव चौधरी, किशन अग्रवाल, प्रेमशंकर मिश्रा, एनके पाटोदिया, कुणाल विजयवर्गीय, रमेश साहू, विजय शंकर, मुकेश पांडे, तेजविंदर सिंह, राजकिशोर यादव, प्रमोद सारस्वत, एसपी सिंह, आनंदेश्वर, पूनम आनंद, रामचंद्र कुमार, अंकिता वर्मा, एस.सी जैन, श्रवण राजगढ़िया, दीपक टांटिया के अलावा कई लोग शामिल थे।

होलिका दहन के सुबह डांडा रोपण व ठंडी होली की पूजा व रात को हुई विशेष पूजा

नवीन मेल संवाददाता

रांची। रांची जिला मारवाड़ी सम्मेलन के संयुक्त महामंत्री सह प्रवक्ता संजय सर्राफ ने कहा कि मारवाड़ी समाज में होली का पर्व अत्यंत हर्षोल्लास और धूमधाम से मनाया जाता है। यह त्योहार रंगों और उमंगों का प्रतीक होता है, जिसमें लोग एक-दूसरे से मिलकर खुशियाँ बांटते हैं और पुराने गिले-शिकवे भूलकर नए संबंधों की शुरूआत करते हैं। होली का पर्व खासतौर पर सामाजिक मेलजोल का अवसर होता है, जब परिवार, मित्र और रिश्तेदार एकत्रित होते हैं।मारवाड़ी समाज में होली की तैयारियाँ एक सप्ताह पहले ही शुरू हो जाती हैं। होलिका दहन की रात को विशेष पूजा और अग्नि की परिक्रमा की जाती है। प्रत्येक घर में महिलाएं द्वारा गोबर से बना बड़कुला तैयार की जाती है। जिसे पूरे धार्मिक रीति रिवाज के साथ समाज की कुरीतियां को दूर करने के संकल्प के साथ दहन किया जाता है। होलिका दहन के सुबह राजस्थानी महिलाओं द्वारा डांडा-रोपण किया जाता है व ठंडी होली की पूजा विधिवत पूरे विधि विधान से की गई। होली का पर्व बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक होता है। अगले दिन रंगों की होली खेली जाती है, जिसमें गुलाल और पानी के रंगों से लोग एक-दूसरे को रंगते हैं। खासतौर पर इस दिन नृत्य और संगीत के साथ भव्य आयोजन होते हैं, जिनमें ढोल-नगाड़े और लोक संगीत की धुनों पर लोग झूमते हैं।

होली मिलन समारोह का आयोजन किया जाता है। पकवानों की बात करें तो मारवाड़ी समाज में होली के दौरान विशेष पकवान बनाए जाते हैं। 'गुझिया' एक प्रमुख मिठाई है, जो आटे, सूजी, मावा, और ड्राई फ्रूट्स से भरकर तली जाती है। इसके अलावा 'ठंडाई' भी होली का पारंपरिक पेय है, जो दूध, बादाम, खसखस, गुलाब और मसालों के मिश्रण से बनता है। इसके साथ ही मठरी, मूंग भात, सुहाली, निमकी, हलुआ, पापड़ी, दही बड़ा, जैसे नमकीन पकवान भी बड़े चाव से खाए जाते हैं। इस प्रकार, मारवाड़ी समाज में होली न केवल एक धार्मिक पर्व है, बल्कि यह एक सामाजिक और सांस्कृतिक उत्सव भी है, जिसमें रंगों के साथ-साथ स्वादिष्ट पकवानों और परिवार के साथ मिलकर जीवन के अच्छे पलों का आनंद लिया जाता है।

सूरज मंडल ने की कोल इंडिया अध्यक्ष से मुलाकात

नवीन मेल संवाददाता

रांची। पूर्व सांसद और झारखंड मजदूर मोर्चा के अध्यक्ष और भाजपा नेता डॉ सूरज मंडल ने गुरुवार को कोल इंडिया के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक पीएम प्रसाद से मुलाकात की। इस दौरान डॉ मंडल ने कोल इंडिया के अध्यक्ष से झारखंड में अवैध कोयला खनन और ढुलाई पर रोक लगाने के लिये प्रभावी कदम उठाने के साथ ही कोयला खनन क्षेत्रों के समन्वित और संतुलित विकास के लिये कोल इंडिया के प्रयासों को बढ़ाने के लिये कहा। मौके पर डॉ मंडल ने कहा कि कोल इंडिया को अपने सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत अपनी भूमिका का और भी अधिक विस्तार करना चाहिये, क्योंकि कोयला क्षेत्रों में इसकी बेहद जरूरत है। वरिष्ठ भाजपा नेता के अनुसार प्रसाद ने उन्हें बताया कि श्रमिक और श्रमिक संगठनों के सहयोग से कोल इंडिया और इसकी सभी आनुशंगिक इकाइयां अपने उत्पादन को बढ़ाने के प्रति संकल्पित हैं। साथ ही न केवल कोयला मजदूरों और अधिकारी बल्कि कोयला खनन क्षेत्र में रहने वाले सभी लोगों को कोल इंडिया अपने परिवार के स्वरूप में ही देखती है जिनका कल्याण उसकी प्राथमिकता है।

होली आपसी भाईचारे और सौहार्द बढ़ाने वाला पर्व : आनंद जलान

नवीन मेल संवाददाता

रांची। एफजेसीसीआई के फिल्म आर्ट कल्चर विभाग के चेयरमैन आनंद जलान ने होली पर सबको बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। उन्होंने कहा कि होली आपसी भाईचारे और सौहार्द को बढ़ाने वाला पर्व है। आपसी दुश्मनी भुलाकर सब मिलजुल कर होली मनाएं।

आनंद जलान | पीके भट्टाचार्य | परेश गट्टानी | डॉ अभिषेक कु. | आदित्य मल्होत्रा

नशे में वाहन न चलाएं युवा : पीके भट्टाचार्य

एफजेसीसीआई के उपसचिव पीके भट्टाचार्य ने होली पर सभी को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा है कि होली भाईचारे का पर्व है, जिसे पसंद नहीं उसे रंग न लगाएं। युवा नशे में वाहन न चलाएं।

होलिका दहन कर भेदभाव को जलाएं : परेश गट्टानी

एफजेसीसीआई के अध्यक्ष परेश गट्टानी ने होली पर सभी को बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। उन्होंने कहा है कि होलिका दहन के दिन भेद-भाव भूला देनी चाहिए। प्रेम भाईचारे के साथ होली त्योहार मनाना चाहिए।

खूब होली खेलें लेकिन प्राकृतिक रंगों से : डॉ अभिषेक कुमार

एफजेसीसीआई के कार्यकारिणी अध्यक्ष सह इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के उपाध्यक्ष डॉ अभिषेक कुमार ने होली पर सभी को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि होली दुनिया के सभी त्योहारों में अनोखा है। खूब होली खेलें लेकिन प्राकृतिक रंगो से।

सबके जीवन में रंगबिरंगी खुशहाली आए : आदित्य

एफजेसीसीआई के महासचिव आदित्य मल्होत्रा ने होली पर सभी को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि भेद-भाव, उंच-नीच भुलाकर सभी को गले लगाते हुए होली पर्व मनाएं।

होली में अनेक रंग होते हैं उसी तरह सबके जीवन में भी रंगबिरंगी खुशहाली आए।

मॉर्निंग कोर्ट समाप्त करने की व्यवस्था अगले आदेश तक स्थगित

रांची। राज्य की निचली अदालतों में चली आ रही मॉर्निंग कोर्ट की व्यवस्था फिलहाल बरकरार रहने की उम्मीद है। मॉर्निंग कोर्ट की व्यवस्था को समाप्त करने की अधिसूचना को 13 मार्च को अगले निर्देश तक स्थगित रखने को कहा गया है। इस संबंध में हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल मनोज प्रसाद ने रांची के न्यायायुक्त समेत राज्य के सभी प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश को सूचित किया है। जिसमें कहा गया है कि 12 मार्च के आदेश के अनुक्रम में मॉर्निंग कोर्ट की व्यवस्था समाप्त करने के मामले को न्यायालय के अगले निर्देश तक स्थगित रखा जाए। बता दें कि 12 मार्च को झारखंड की निचली अदालतों में चली आ रही मानिंग कोर्ट की व्यवस्था को समाप्त करने की अधिसूचना जारी की थी। वर्तमान में इसको स्थगित रखा गया है। मानिंग कोर्ट की व्यवस्था अप्रैल के पहले सोमवार से शुरू होकर जून की आखिरी शनिवार तक रहती है।

होली की जश्न में सभी के भावनाओं का सम्मान जरूरी : प्राचार्य आईएचएम

नवीन मेल संवाददाता

रांची। आईएचएम रांची के प्राचार्य डॉ भूपेश कुमार ने होली पर सबको बधाई दी और कहा कि होली रंगों, खुशियों और एकता का त्योहार है। हम इसे पूरे जोश और उत्साह के साथ अपने परिवार, सहयोगियों और विद्यार्थियों के साथ मनाएंगे। रेन डांस, चटख रंग और उमंग से भरा माहौल इस अवसर को और खास बनाएगा। लेकिन, जश्न मनाते समय हमें सभी की आस्थाओं और भावनाओं का सम्मान करना भी जरूरी है। इस वर्ष होली रमजान के दौरान ही होली मनाया जा रहा है। हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हमारी खुशियां उपवास और इबादत करने वालों के लिए किसी तरह की असुविधा न बनें। यह त्योहार सभी के जीवन में प्रेम, सद्भावना और सम्मान का रंग भरे।

सीयूजे की आठ छात्राओं को मिला कैंपस प्लेसमेंट

रांची। केंद्रीय विश्वविद्यालय, झारखंड (सीयूजे) के बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन विभाग की आठ छात्राओं का एक्सिस बैंक लिमिटेड में कैंपस प्लेसमेंट हुआ है। जिन छात्राओं का चयन हुआ उनमें फातिमा खातून, अंजलि कुमारी, ईशा जयराज, चेतना कुमारी, निकिता राज, अनुराधा शाही, शिवानी और रुशाली कुमारी शामिल हैं। इन छात्राओं को कस्टमर रिलेशनशिप ऑफिसर के पद पर लगभग 4.50 लाख प्रति वर्ष का पैकेज मिला है। कुलपति प्रो क्षिति भूषण दास ने सभी छात्राओं को बधाई दी।

सड़क सुरक्षा के मानकों का करें पालन : डीटीओ

नवीन मेल संवाददाता

रांची। जिला परिवहन पदाधिकारी अखिलेश कुमार ने होली पर सभी को बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। उन्होंने कहा है कि होली रंगो का उत्साह का त्योहार है, सभी के जीवन में रंग -बिरंगी खुशियां आए। इस उमंग में अपने एवं दूसरे के सुरक्षा का भी ध्यान रखना है। सड़क सुरक्षा के मानकों का पालन करें, ओवर स्पीड से बचें, नशे में वाहन न चलाएं और हेलमेट का उपयोग करें।

राष्ट्र सेवा फाउंडेशन का होली मिलन समारोह, लोगों ने कहा

होली आपसी प्रेम, सौहार्द व भाईचारे का प्रतीक है

नवीन मेल संवाददाता

रांची। विद्यानगर स्थित अबाकस कोचिंग सेंटर में राष्ट्र सेवा फाउंडेशन के तत्वाधान में आरएसएफ महिला प्रदेश अध्यक्ष सह कोचिंग सेंटर की निदेशक सोनी सिंह द्वारा आयोजित होली मिलन समारोह काआयोजन किया गया। इस समारोह में संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी श्री सीताराम शरण जी महाराज बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरूआत राष्ट्रीय अध्यक्ष के द्वारा भक्ति भजन के साथ की गई। समारोह में उपस्थित सभी राष्ट्रप्रेमियों ने एक दूसरे को अबीर गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दी।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी श्री सीताराम शरण जी महाराज एवं बतौर विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुनील कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से उपस्थित सभी लोगों को होली की शुभकामनाएं दी। वहीं कहा कि होली का त्योहार आपसी प्रेम सौहार्द और भाईचारे का प्रतीक है। हमें इस पर्व को हर्षोल्लास और सौहार्द के साथ मनाना चाहिए, ताकि समाज में एकता प्रेम के साथ भाईचारा बना रहे। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म का सबसे बड़ा पर्व होली मिलन समारोह एकता और अखंडता की मिसाल कायम करता है। यह एक ऐसा पर्व है जो भाईचारे का संदेश विश्व भर में देता है। समारोह में मुख्य रूप से देव सिंह, डॉक्टर अभिषेक कुमार सिन्हा, निर्भय कुमार, सुरजीत दीवान, संजय इंद्रजीत, आलोक कुमार तिवारी, मुकेश सिंह, कंचन जोशी, रेनू दुबे, पिंकी पांडेय, रीना सिंह, गरीमा सिंह, अंशु मंडल, समीक्षा कुमारी सहित कई शामिल थे।

राज्यभर में अलर्ट

होली पर रैप, रैफ से लेकर होमगार्ड तक की तैनाती

नवीन मेल संवाददाता

रांची। राज्यभर में होली के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर अलर्ट जारी किया गया है। वहीं, होली के दौरान असमाजिक तत्व माहौल खराब न करें, साथ ही विधि व्यवस्था की समस्या न हो, इसके लिए राज्यभर में सीआरपीएफ की रैफ की बटालियन के साथ-साथ राज्य पुलिस की रैप, टीयर गैस यूनिट की तैनाती भी संवेदनशील स्थानों पर की गई है। राज्यभर में तकरीबन पांच हजार होमगार्ड व उतनी ही संख्या में लाठीधारी पुलिस व महिला बलों की तैनाती भी की गई है। किस डीआईजी के अधीन कितने बलों की तैनाती किसी भी जिले में आपात स्थिति से निपटने के लिए आईजी व डीआईजी रैंक के अधिकारियों के साथ भी विशेष दस्ता तैनात किया गया है। हजारीबाग, पलामू डीआईजी के सार्वधिक 40-40, जबकि रांची, चाईबासा डीआईजी के अधीन 30, बोकारो व दुमका डीआईजी के अधीन 35 जवानों की तैनाती रहेगी। राजधानी रांची में रैप की तीन कंपनियों की तैनाती की गई है। वहीं संवेदनशील चिन्हित जगह पर दो टीयर गैस व 500 से अधिक होमगार्ड, 1500 के करीब लाठीधारी महिला पुलिस जवानों की तैनाती की गई है। जमशेदपुर, हजारीबाग, पलामू, लोहरदगा, दुमका में भी सीआरपीएफ के बलों की तैनाती की गई है।

गुमला पुलिस को मिली बड़ी कामयाबी

पीएलएफआई उग्रवादी दुर्गा सिंह गिरफ्तार

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। गुमला पुलिस ने नक्सल और उग्रवाद विरोधी अभियान में एक बड़ी सफलता हासिल की है। कामडारा थाना क्षेत्र के मुरकुमटोला टेटर टोली में पुलिस और सुरक्षा बलों ने गुरुवार को प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन पीएलएफआई के कुख्यात उग्रवादी और शीर्ष कमांडर दुर्गा सिंह उर्फ जयराम को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से भारी मात्रा में हथियार और अन्य आपत्तिजनक सामग्रियां बरामद की हैं। मिली जानकारी के अनुसार, पीएलएफआई के दो और उग्रवादियों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें कलेश्वर हजाम और रामकुमार सिंह शामिल हैं। गुमला एसपी शंभु कुमार सिंह ने गुरुवार को एक प्रेस वार्ता के दौरान बताया कि यह कार्रवाई कामडारा थाना क्षेत्र में पुलिस की क्यूआरटी टीम और एसएसबी 32 बटालियन द्वारा संयुक्त रूप से की गई। उन्होंने बताया कि गुमला पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि पीएलएफआई का सक्रिय सदस्य और संगठन में नेतृत्वकारी भूमिका निभाने वाला दुर्गा सिंह मुरकुमटोला टेटर टोली इलाके में मौजूद है। सूचना मिलते ही बसिया के एसडीपीओ नाजिर अख्तर के नेतृत्व में पुलिस टीम ने इलाके की घेराबंदी की और दबिश देकर दुर्गा सिंह को गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से एक डबल बैरल राइफल, एक देशी पिस्तौल, 8 जिंदा कारतूस, पीएलएफआई संगठन के पर्चे, एक मोबाइल और एक मोटरसाइकिल बरामद की गई है।

हथियारों का जखीरा बरामद, दिनेश गोप के जेल जाने के बाद संचालित कर रहा था संगठन

एक वर्ष में बरामद हुए 43 आईईडी बम : एसपी शंभु सिंह ने बताया कि गुमला पुलिस ने पिछले एक वर्ष में नक्सल विरोधी अभियान में उल्लेखनीय सफलताएं प्राप्त की हैं। अब तक 19 लाख रुपए के इनामी नक्सलियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। इसके अलावा 43 आईईडी, बड़ी संख्या में हथियार और भारी मात्रा में कारतूस बरामद किए गए हैं।

एसपी ने की आम जनता से सहयोग की अपील : गुमला पुलिस अधीक्षक शंभु कुमार सिंह ने क्षेत्र के लोगों से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी वे तुरंत पुलिस को दें।

होली के रंगों के संग सौहार्द और वित्तीय सजगता जरूरी : प्रेम रंजन

नवीन मेल संवाददाता

रांची। भारतीय रिजर्व बैंक के क्षेत्रीय निदेशक प्रेम रंजन प्रसाद सिंह ने होली पर लोगों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि होली का पर्व हमारी सांस्कृतिक विविधता और एकता का प्रतीक है। यह त्योहार न केवल रंग, उमंग, सुवास और उल्लास का संगम है, बल्कि आपसी भाईचारे, सौहार्द और प्रेम का पैगाम भी सब तक पहुंचाता है।

उन्होंने कहा कि होली का महापर्व हमें यह सिखाता है कि मन से किसी भी प्रकार की कटुता, ईर्ष्या और द्वेष को मिटा कर प्रेम और सहभागिता का मार्ग अपनाना चाहिए । साथ ही उन्होंने पर्यावरण के प्रति संवेदनशील बने रहने का संदेश दिया और रासायनिक रंगों के स्थान पर प्राकृतिक रंगों के उपयोग करने की बात कही। उन्होंने सबसे वित्तीय जागरूकता व ज़िम्मेदारी को अपनी जीवनशैली का हिस्सा बनाने की सलाह दी ।

उल्लास का उत्सव है होली

होली मन के उल्लास का उत्सव है। हंसी-खुशी का पर्व है। जीवन को नई गति देने का त्यौहार है। यह पर्व बुराई पर अच्छाई की जीत का भी पर्व है। यह भारतीय संस्कृति में रचा-बसा है। प्राचीन काल से ही यह एक पारिवारिक और सामाजिक उत्सव था। होली सर्दियों से वसंत की ओर जाने, यानी मुश्किल और रुकावट से प्रगति और आनंद का प्रतीक है। इतिहासकारों का मानना है कि आर्यों में भी इस पर्व का प्रचलन था। प्राचीनकाल में होली को 'होलका' के नाम से जाना जाता था। इस दिन आर्य नवात्रैष्टि यज्ञ करते थे। इस पर्व में 'होलका' नामक अन्न से हवन करने के बाद उसका प्रसाद लेने की परंपरा रही है। 'होलका' अर्थात खेत में पड़ा हुआ वह अन्न, जो आधा कच्चा और आधा पका हुआ होता है। होली वसंत ऋतु में मनाया जाने वाला एक महत्वपूर्ण भारतीय पर्व है। नेपाल के लोग भी होली का त्यौहार मनाते हैं। यह पर्व भारतीय पंचांग के अनुसार चैत्र कृष्ण पक्ष प्रतिपदा को मनाया जाता है।

दो दिवसीय इस पर्व में फाल्गुन मास की पूर्णिमा को होलिका दहन होता है और चैत्र कृष्ण पक्ष प्रतिपदा को होली मनाई जाती है, जिसे धुलेंडी व धुरड्डी, धुरखेल या धूलिवंदन भी कहा जाता है। इसमें लोग एक-दूसरे पर रंग, अबीर-गुलाल आदि फेंकते हैं। ढोल-मांदर बजा कर होली के गीत गाते हैं। घर-घर जा कर एक-दूसरे को रंग-गुलाल लगाते हैं। होली पर्व का वर्णन अनेक प्राचीन धार्मिक पुस्तकों में मिलता है। इनमें प्रमुख हैं, जैमिनी के पूर्व मीमांसा सूत्र और कथा गार्ह्य-सूत्र। नारद पुराण और भविष्य पुराण जैसे पुराणों की प्राचीन हस्तलिपियों और ग्रंथों में भी इस त्यौहार का उल्लेख मिलता है। मुस्लिम पर्यटक अलबरूनी ने भी अपने ऐतिहासिक यात्रा संस्मरण में होलिकोत्सव का वर्णन किया है। प्राचीन चित्रों, भित्तिचित्रों और मंदिरों की दीवारों पर भी होली उत्सव के चित्र मिलते हैं। विजयनगर की राजधानी हंपी के 16वीं शताब्दी के एक चित्रफलक पर होली का उल्लासपूर्ण चित्र बनाया गया है। इस चित्र में राजकुमारों और राजकुमारियों को दासियों सहित रंग और पिचकारी के साथ राज दंपती को होली के रंग में रंगते हुए दिखाया गया है। मध्यकालीन भारतीय मंदिरों के भित्तिचित्रों और आकृतियों में होली के सजीव चित्र देखने को मिलते हैं। इसमें 17वीं शताब्दी की मेवाड़ की एक कलाकृति में महाराणा को अपने दरबारियों के साथ चित्रित किया गया है। शासक कुछ लोगों को उपहार दे रहे हैं, नृत्यांगना नृत्य कर रही हैं और इस सबके मध्य रंग का एक कुंड रखा हुआ है। बूंदी से प्राप्त एक लघुचित्र में राजा को हाथीदांत के सिंहासन पर बैठा दिखाया गया है, जिसके गालों पर महिलाएं गुलाल लगा रही हैं।

प्राचीन काल में परिवार की सुख-समृद्धि के लिए महिलाएं मनाती थीं 'होलका' पर्व

कहा जाता है कि प्राचीन काल में होली या 'होलका' पर्व विवाहित महिलाओं द्वारा परिवार की सुख-समृद्धि के लिए मनाया जाता था। इसमें पूर्ण चंद्र की पूजा करने की परंपरा थी। वैदिक काल में इस पर्व को 'नवात्रैष्टि यज्ञ' कहा जाता था। भारत में प्राचीन काल से ही नई फसल का कुछ भाग पहले देवताओं को अर्पित किया जाता रहा है। इससे यह पता चलता है कि यह पर्व वैदिक काल से ही मनाया जाता रहा है। सिंधु घाटी की सभ्यता के अवशेषों में भी होली के सबूत मिलते हैं।

मन-मस्तिष्क में रच-बस जाता है झारखंडी फगुआ का उल्लास

झारखंड का जनजातीय समाज रंगों से फगुआ (होली) तो खेलता ही है, इसमें संगीत और नृत्य का भी समावेश होता है, जिससे होली का उल्लास मन-मस्तिष्क में रच-बस जाता है। प्रकृति पूजक जनजातीय समाज गीत-संगीत और नृत्य में डूब कर प्रकृति की इस सुंदरता का उत्सव मनाता है। यहां के सदान (गैर-आदिवासी) भी इसमें तन-मन से सम्मिलित होते हैं। फागुन के महीने में ही आम्र की मंजरी, अमलतास, पलाश और कचनार के फूल खिलकर झारखंड में प्रकृति के वैभव का दिलफरेब रंग बिखरते हैं। इस समय बसंत छाने लगता है। नागपुरी भाषाभाषी फगुआ राग बसंत पंचमी से गाना शुरू कर देते हैं, जो फगुआ चैत 15 तक, यानी रामनवमी तक गाया जाता है। झारखंड में फगुआ के जो 6 राग आज भी गाए जाते हैं, उनमें ठेठ फगुआ, छंद दोहा फगुआ, पंच रंगिया फगुआ, पुछारी फगुआ, बारहमासा फगुआ, निर्गुण फगुआ, सरगुन फगुआ, शामिल हैं। फागुन पूर्णिमा के दिन अखरा में संवत काटा जाता है। इसमें सेमल की डाली और लकड़ियों का अलाव जलाकर उसके चारों ओर सुबह तक स्त्री-पुरुष नाचते-गाते हैं। सुबह अलाव की राख को एक-दूसरे के गालों व माथे पर लगाते हैं और फगुआ का उमंग साझा करते हैं। गांवों में छोटे-छोटे नृत्य दलों को फगुआ राग और नृत्य पर थिरकते देखा जा सकता है।

फगुआ एक महीने तक गाया जाने वाला राग है। इसमें 21 तरह की राग-रागिनियां होती हैं। लेकिन, अब छह राग ही बचे हैं। नागपुरी फगुआ लोक नृत्य गीत भी है, जिसमें झूमर में महिला या पुरुष दोनों वृत्ताकार दाहिने से बाएं घूमते हुए नाचते हैं। यह फागुन के मौसम का नृत्य है। फगुआ नृत्य में पुरुष पगड़ी, सफेद कुर्ता, गंजी, धोती और रंगीन गमछा कमर में बांधे रहते हैं। लोग रात-रात भर नाचने, गाने, बजाने में मस्त रहते हैं। ज्ञात हो कि फगुआ के गीत धीरे-धीरे विलुप्त होते जा रहे थे। डीजे ने फगुआ के गीतों को कमजोर कर दिया था। लेकिन, अब फिर से लोग फगुआ के गीतों का आनंद लेने लगे हैं।

फगुआ के गीतों की विशेष बातें

- बसंत पंचमी के बाद से ही गांवों में फगुआ के गीत सुनाई देने लगते हैं
- गांवों में चौपाल लगाकर फगुआ के गीतों को गाया जाता है
- फगुआ के गीतों को गाते समय झाल, मजीरा, और ढोलक बजाया जाता है
- ढोल, नगड़ा और मांदर की धुन पर फगुआ नृत्य होता है

अच्छाई की जीत हुई थी
हार गई थी आज ही बुराई
देखो होलिका दहन आज
कितनी शुभ घड़ी आई है

होली पर इन बातों का रखें ख्याल

1. केमिकल वाले रंगों से होली नहीं खेलें। पर्यावरण अनुकूल हर्बल रंगों का प्रयोग करें। घर पर बने हर्बल रंगों का प्रयोग और भी अच्छा है।
2. होली खेलने के नाम पर पानी की बर्बादी नहीं करें। होली है, तो पानी का प्रयोग होगा ही, लेकिन इसकी बर्बादी नहीं करें।
3. होली खेलने से पहले त्वचा और बालों पर नारियल तेल लगा लें। इससे त्वचा और बाल सुरक्षित रहेंगे।
4. होली खेलने के दौरान ध्यान रखें कि मुंह और आंख में रंग नहीं जाए। दूसरों के साथ पर रंग खेलने के दौरान ध्यान रखें कि उनकी आखों और मुंह में रंग नहीं जाए।
5. रंग और पानी भरे बैलून के साथ होली खेलने में सावधानी रखें। छोटे बच्चों पर विशेष ध्यान रखें कि वे मुंह के पास बैलून नहीं ले जाएं।

होली की पौराणिक कथाएं

होली के संबंध में तीन महत्वपूर्ण पौराणिक कथाएं हैं। इसमें भक्त प्रह्लाद की कथा सबसे ज्यादा प्रचलित है।

1. **पहली कथा भक्त प्रह्लाद से संबंधित है :** यह कथा बुराई पर अच्छाई की जीत और शक्ति पर भक्ति की विजय को बताती है। भक्त प्रह्लाद भगवान विष्णु के अनन्य भक्त थे। उनके पिता हिरण्यकश्यप को यह पसंद नहीं था। एक बार हिरण्यकश्यप ने अपनी बहन होलिका के साथ प्रह्लाद को मारने की साजिश रची। होलिका को ऐसा वस्त्र वरदान में मिला हुआ था, जिसे पहन कर अगर वह आग में बैठती, तो भी नहीं जलती। यही वस्त्र पहनकर होलिका प्रह्लाद को लेकर आग में बैठ गई। भगवान विष्णु के आशीर्वाद से भक्त प्रह्लाद को कुछ नहीं हुआ और होलिका आग में जल गई। इसके बाद बुराई पर अच्छाई की जीत के रूप में होली पर्व मनाया जाने लगा।
2. **दूसरी कथा भगवान शिव से जुड़ी हुई है :** धार्मिक मान्यता के अनुसार, मां पार्वती महादेव से विवाह के लिए कठिन तप कर रही थी। दूसरी ओर, भगवान शिव भी अपनी तपस्या में लीन थे। धार्मिक कथा के अनुसार, राक्षस ताड़कासुर का वध शिवजी और मां गौरी के पुत्र के ही हाथों होना था। ऐसे में भगवान शंकर और मां गौरा का विवाह होना बहुत ही जरूरी था। तब इंद्र और अन्य देवताओं ने मिलकर कामदेव को शिवजी की तपस्या भंग करने के लिए भेजा। कामदेव ने शिवशंकर की तपस्या भंग करने के लिए उनपर 'पुष्प' वाण छोड़ा दिया। इससे शिवजी जी की समाधि भंग हो गई और उन्होंने क्रोध में आकर अपना तीसरा नेत्र खोलकर कामदेव को भस्म कर दिया। पर, इससे शिवजी की तपस्या भंग हो गई। तब देवताओं ने उन्हें मां पार्वती से विवाह करने के लिए राजी कर लिया। वहीं, कामदेव की पत्नी रति ने अपने पति को दोबारा जीवित करने की प्रार्थना की। तब रति को अपने पति के पुनर्जीवन का वरदान मिला। भगवान शिव और मां पार्वती की विवाह की खुशी में देवताओं ने इस दिन को उत्सव की तरह मनाया। और, तब से होली मनाई जानी लगी।
3. **तीसरी कथा भगवान श्रीकृष्ण और मां राधा से जुड़ी हुई है :** धार्मिक मान्यता के अनसार, भगवान कृष्ण का रंग सांवला था और राधा रानी गोरी थीं। इस बात को लेकर अक्सर कन्हैया अपनी मइया यशोदा से शिकायत करते थे कि वह क्यों नहीं गोरे हैं। एक दिन मां यशोदा ने भगवान कृष्ण को कहा कि जो तुम्हारा रंग है, उसी रंग को राधा के चेहरे पर भी लगा दो। फिर तुम दोनों का रंग एक जैसा हो जाएगा। इसके बाद कन्हैया अपनी मित्र मंडली के साथ राधा रानी को रंगने के लिए उनके पास पहुंच गए। कृष्ण ने अपने मित्रों के साथ मिलकर राधा और उनकी सखियों को जमकर रंग लगाया। कहा जाता है कि इसके बाद से ही रंग वाली होली की परंपरा की शुरुआत हुई।

तो समझ लेना होली है...

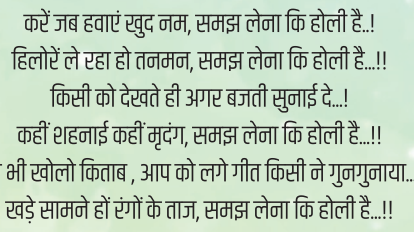

सुनील बादल

करें जब हवाएं खुद नम, समझ लेना कि होली है..!
हिलोरें ले रहा हो तनमन, समझ लेना कि होली है...!!
किसी को देखते ही अगर बजती सुनाई दे...!
कहीं शहनाई कहीं मृदंग, समझ लेना कि होली है...!!
जब भी खोलो किताब , आप को लगे गीत किसी ने गुनगुनाया...!
खड़े सामने हों रंगों के ताज, समझ लेना कि होली है...!!
तरसते जिन पलों को आप...!
खुद चलकर आएं आपके पास, समझ लेना कि होली है...!!
मंगरू की जिंदगी यूं तो है कांटो भरी...!
अगर लगने लगे मीठा तन औ मन, समझ लेना कि होली है...!!
गूंजे टोले मुहल्ले ढोलक की ताल पर ...!
जिसे गाना न आए सुनाए सरगम, समझ लेना कि होली है...!!
अगर लगता हो तुमको, लेकर भी 'कुछ' अंग्रेजी न गाकर गाए फागुन..!
हवाओं में घुला गुलाल रंग, समझ लेना कि होली है...!!

ऐसे मनाएं यादगार होली

होली वर्ष 2025 में इस तरह मनाएं कि यह आपके परिवार, रिश्तेदारों और मित्रों-सहेलियों के लिए यादगार बन जाए। वर्षों तक इस होली को लोग याद करें। जब भी लोगों को वर्ष 2025 की होली की याद आए, मन खुशियों और उमंगों से भर जाए। परिवार, रिश्तेदार और मित्र-सहेली सभी याद करें वर्ष 2025 की रांची वाली होली।

ऐसे मनाएं दिल का छू लेने वाली होली

1. घर में छोटे बच्चे और बुजुर्ग हैं, तो फूलों की होली खेलें। खूशबूदार फूलों की होली। फूलों की होली बच्चों और बुजुर्गों के लिए सुरक्षित हाती है।
2. ढोल-मांदर की थाप पर थिरकते हुए होली खेलने का मजा लें। होली के गीतों और फिल्मी गानों की सूची बनाएं। दोस्तों-रिश्तेदारों के साथ 'रंग बरसे ...', 'होली खेले रघुवीरा...' आदि गीतों पर झूमते, नाचते, गाते हुए होली खेलें।
3. थीम बेस्ड होली पार्टी का आयोजन भी कर सकते हैं। कुर्ता-पाजामा, सलवार-कुर्ती जैसे कोई स्पेशल ड्रेस कोड भी अपना सकते हैं।
4. होली के दिन होली से जुड़े गेम्स और प्रतियोगिता का भी आयोजन कर सकते हैं। इसमें गुब्बारा प्रतियोगिता, रंगोली प्रतियोगिता, बच्चों के लिए चित्रकारी प्रतियोगिता आदि का आयोजन किया जा सकता है।
5. होली पर पारंपरिक व्यंजन बनाएं, जिसमें स्पेशल झारखंडी व्यंजन भी शामिल हो।

एक नजर

विवाहित की संदिग्ध मौत मामले में एक गिरफ्तार

सिल्ली। सिल्ली थाना के खेदाडीह गांव निवासी सुनीता कुमारी की संदिग्ध मौत के मामले में मृतका के पति अतुल कुमार महतो को सिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। साथ ही मृतका के ससुर सनातन महतो एवं सास संध्या देवी पर भी मामला दर्ज किया गया। सुनीता कुमारी का शव मवेशी रखने वाले कमरे में फांसी के फंदे में लटका हुआ मिला। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए रांची रिम्स भेज दिया। थाना प्रभारी दिनेश ठाकुर ने बताया की हत्या या आत्महत्या है इसकी जानकारी पोस्टमार्टम के बाद ही मिल पाएगा। मामले को लेकर छानबीन किया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक सुनीता कुमारी का विवाह 5 वर्ष पूर्व अतुल के साथ हुआ था।

बुढ़मू में सड़क दुर्घटना, चार घायल

बुढ़मू । बुढ़मू में गुरुवार को तीन अलग-अलग सड़क दुर्घटना में चार लोग घायल हो गए। दुर्घटना में एक बाइक सवार राहुल नायक मुरूपीरी सड़क पर गिर गया, जिसकी स्थिति गंभीर होने के कारण उसे रिम्स भेजा गया है। इसके अलावा, मक्का पुल के पास बाइक सवार 2 युवक करण कुमार गंझू और बहादूर गंझू अनियंत्रित होकर गिर गए, जो मक्का से बुढ़मू जा रहे थे। रांजीटोला में भी एक बाइक सवार युवक सुशील कुमार उरांव को तेज रफ्तार बाइक के चपेट में आने से घायल हो गया, जिसमें एक बच्ची भी शामिल है। तेज रफ्तार बाइक चलाने वाला युवक मौके से भाग निकला। सभी घायलों का इलाज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बुढ़मू में चल रहा है।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष पर संगठन कमजोर करने का आरोप

खूंटी। खूंटी जिला कांग्रेस में व्याप्त अंतर्कलह खुलकर सतह पर आ गया है। जिला कांग्रेस के कई नेताओं ने गुरुवार को प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश से मुलाकात कर खूंटी में कांग्रेस की स्थिति से उन्हें अवगत कराया और जिला अध्यक्ष रवि मिश्रा पर संगठन को कमजोर करने का आरोप लगाया। कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष और सेवा दल अध्यक्ष नरेश तिर्की, जिला महासचिव सयूम अंसारी, जिला उपाध्यक्ष सुशील संगा, युवा कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष कुणाल कमल कच्छप, पूर्व महासचिव इमरान खान, अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष अख्तर अहमद, प्रदेश महासचिव कैसर खान, जिला उपाध्यक्ष मोहम्मद मोहसिन खान, प्रखंड का अध्यक्ष पौलुस पूर्ति सहित कई नेताओं ने प्रदेश अध्यक्ष को ज्ञापन सौंपकर कहा कि खूंटी जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से कार्यकताओं को अपमानित किया जा रहा है। संगठन को मजबूत करने के बजाय जिला अध्यक्ष इसे कमजोर कर रहे है।

चितरंजन महतो के शोकाकुल परिवारों से मिले संजय सेठ, बंधाया ढांढस

चितरंजन महतो का जाना पार्टी और समाज के लिए अपूरणीय क्षति

नवीन मेल संवाददाता। सिल्ली
भाजपा राहे मंडल अध्यक्ष चितरंजन महतो के असामायिक निधन पर गमगीन परिजनों से मिलने का सिलसिला जारी है। इसी क्रम में गुरुवार को केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री सह स्थानीय सांसद संजय सेठ उनके पैतृक गांव डोकाद पहुंचे। मंत्री ने अपनी शोक-संवेदना व्यक्त किया। शोकाकुल परिवार को ढांढस बंधाते हुए कहा कि चित्तरंजन महतो का जाना पार्टी और समाज के लिए अपूरणीय क्षति है। संजय सेठ ने कहा कि बहुत ही कर्मठ और निष्ठावान कार्यकर्ता थे। पार्टी संगठन को मजबूत करने के लिए हमेशा तत्पर रहते थे। परिजनों को आर्थिक सहायता प्रदान करते हुए सांसद ने आश्वश्त किया कि दुःख की इस घड़ी में हम पूरी मजबूती से परिवार के साथ खड़े हैं। इन्हें हरसंभव सहायता प्रदान की जाएगी। मौके पर ग्रामीण जिला अध्यक्ष विनय महतो धीरज, सिल्ली मंडल अध्यक्ष अम्बुज रजक, खगेश महतो, मेघनाथ महतो, युधिष्ठिर महतो, फलीन्द्र हजाम, कृष्ण चरण महतो, मनोज कुमार महतो भी मौजूद रहे।

बेड़ो बाजार से बाइक की चोरी

बेड़ो। पूर्व कांग्रेसी नेता दिवंगत लाल आनंद नाथ शाहदेव के बेटे लाल सत्येंद्र नाथ शाहदेव की बाइक किसी अज्ञात चोरों ने उस समय चोरी कर ली जब इटा कटहर टोली इटाचिल्दरी निवासी लाल सत्येंद्र नाथ शाहदेव बेडो. बाजार टांड़ के पास बाहर बाइक खड़ी कर सब्जी खरीदने बाजार के अंदर गए थे। घटना बेडो. थाना क्षेत्र के बेड़ो बाजार टांड़ की है। लाल सत्येंद्र नाथ शाहदेव अपने गांव इटाचिल्दरी से अपनी होंडा कंपनी की लाल रंग की बाइक होंडा सीडी 125 नंबर जेएच 01 डी एफ 2514 में सवार होकर बेड़ो बाजार आए थे। बाजार के बाहर लगभग 4:25 बजे बाइक खड़ी कर लाल सत्येंद्र नाथ शाहदेव सब्जी खरीदने गए थे सब्जी खरीद कर वापस लौट के बाद उन्होंने देखा कि उनकी बाइक गायब है। इस संदर्भ में उन्होंने बेड़ो थाना में लिखित आवेदन देकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

मुरगु पुल में सड़क हादसा, महिला की मौत

मांडर । मुरगु पुल में ट्रक के चपेट में आने से महिला की मौत हो गई। महिला चान्हो थाना अंतर्गत मसमानो की रहने वाली थी। घटना गुरुवार की रात 7:30 बजे की बताई जा रही है। महिला रातु हुरहुरी से अपना घर मसमानो लौट रही थी। तभी विपरीत दिशा से आ रहे ट्रक में अपने चपेट में ले लिया।

शादी का झांसा देकर यौन शोषण करने का आरोप, मामला दर्ज

कोडरमा। कोडरमा थाना अंतर्गत जलवाबाद की युवती ने गुरुवार को थाना में आवेदन देकर अरविन्द कुमार (26)पर शादी का झांसा देकर यौन शोषण करने का आरोप लगाया है। आवेदन में युवती ने कहा गया है कि हमदोनों कोडरमा जिला अन्तर्गत झुमरी तिलैया सामन्तों पेट्रोल पम्प के निकट संचालित मॉल वन इंडिया मार्ट में वर्ष 2021 से काम करते थे। इसी क्रम में अरविन्द कुमार राय ने मुझसे शादी करने का प्रलोभन देकर मेरे साथ दुधीमाटी स्थित किराये के मकान में अनेको बार शारीरिक संबंध बनाया। जुलाई 2024 में जब उससे शादी करने को कही तो वो मेरे साथ छल किया और मुझे चाराडीह के राधाकृष्ण मंदिर में ले जाकर मेरी मांग में सिन्दूर भर दिया।

पदक विजेता पुलिस खिलाड़ियों का डीजीपी ने बढ़ाया हौसला

लॉन बॉल महिला एकल में सरिता तिर्की लॉन बॉल पुरुष ट्रिपल में आलोक लकड़ा ने रजत पदक जीता था

नवीन मेल संवाददाता। रांची
झारखंड राज्य के झारखंड पुलिस में कार्यरत अंतरराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय पदक विजेता लॉन बॉल्स खिलाड़ियों ने डीजीपी अनुराग गुप्ता से शिष्टाचार मुलाकात की। अनुराग गुप्ता ने पुलिस में कार्यरत खिलाड़ियों का हौसला अफजाई किया एवं राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के झारखंड पुलिस में कार्यरत खिलाड़ियों को प्रशिक्षण कैंप, राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में भागेदारी के लिए विशेष अनुमति करने की बात कही। ज्ञात हो 28 से 14 फरवरी 2025 तक उत्तराखंड में आयोजित 38वीं राष्ट्रीय खेल में लॉन बॉल महिला फोर्स में झारखंड पुलिस की लवली चौबे, कविता कुमारी, लॉन बॉल्स डबल्स में दिनेश कुमार, सुनील बहादुर, लॉन बॉल पुरुष फोर्स में आलोक लकड़ा, दिनेश कुमार लॉन बॉल पुरुष सिंगल में सुनील बहादुर ने स्वर्ण पदक जीता था। वहीं लॉन बॉल महिला एकल में सरिता तिर्की लॉन बॉल पुरुष ट्रिपल में आलोक लकड़ा ने रजत पदक जीता था। इसके साथ साथ लॉन बॉल महिला डबल में लवली चौबे, लॉन बॉल महिला ट्रिपल में सरिता तिर्की, कविता कुमारी ने कांस्य पदक जीता था। डॉ मधुकांत पाठक ने झारखंड पुलिस मे कार्यरत सभी विधाओं के खिलाड़ियों के राज्य प्रतियोगिता मे भागीदारी, प्रशिक्षण के लिए अनुमति पर चर्चा की ताकि ये खिलाड़ी राज्य के लिए पदक जीत सकें। उन्होंने राज्य पुलिस में कार्यरत प्रशिक्षकों के बेहतर प्रदर्शन के लिए उनके स्कील मे सुधार के लिए विशेष आयोजनों और अवसरों के ऊपर भी चर्चा की। श्री गुप्ता ने इस पर अपनी सहमति व्यक्त करते हुए कहा कि जो भी योग्य खिलाड़ी राज्य प्रतियोगिता मे भाग लेकर खेलना चाहेंगे उनके लिए इसका अवसर प्रदान किया जाएगा।

भागवत कथा ने लोगों के दिलो दिमाग में अमिट छाप छोड़ी : सौमित्र शर्मा

वृंदावन से आयीं कथा वाचिका देवी रश्मि किशोरी ने अपने कथा का रसपान कराकर लोगों के हृदय में काफी परिवर्तन ला दिया है

नवीन मेल संवाददाता। बेड़ो
दशभुजी महादानी मां दुर्गा मंदिर समिति के पदाधिकारियों ने बेड़ो प्रखंड में एक मार्च से आयोजित 11 दिवसीय मां दशभुजी देवी दुर्गा मंदिर प्राण प्रतिष्ठा सह शतचंडी महायज्ञ एवं श्रीमद देवी भागवत कथा के सफल आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले सभी लोगों के प्रति आभार जताया है। इस संदर्भ में दशभुजी महादानी मां दुर्गा मंदिर समिति के पदाधिकारियों ने कहा कि 11 दिनों तक चलने वाली धार्मिक अनुष्ठान और श्रीमद देवी भागवत कथा ने लोगों के दिलों दिमाग में अमिट छाप छोड़ी है। समिति के अध्यक्ष सौमित्र शर्मा ने कहा कि वृंदावन से आयीं कथा वाचिका देवी रश्मि किशोरी ने अपने कथा का रसपान कराकर लोगों के हृदय में काफी परिवर्तन ला दिया है। यहां आयोजित आध्यात्मिक अनुष्ठान एवं प्रवचन तथा वेद मंत्रोचच्चार ने ईश्वर के प्रति लोगों में भक्ति, निष्ठा और समर्पण अद्भुत संचार किया है। उन्होंने कहा कि 11 दिनों तक चली कार्यक्रम किसी कुंभ से कम नहीं था। वहीं समिति के उपाध्यक्ष साधन कुमार रॉय एवं उमेश महतो ने कहा कि सभी युवाओं, महिलाओं एवं बुजुर्गों ने कार्यक्रम के सफल आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। लोगों ने बढ़-चढ़कर कार्यक्रम में हिस्सा लिया। सचिव परना महतो ने कहा कि मां भगवती की कृपा से कार्यक्रम बेहद सफल रहा। इसकी इतनी सफलता की हमने परिकल्पना भी नहीं की थी। लेकिन मां की कृपा कार्यक्रम में देखी गई। वहीं कोषाध्यक्ष मुकेश कुमार रॉय ने कहा कि मंदिर निर्माण के शुरूआती मुश्किलों के बाद धीरे-धीरे सहयोग के माध्यम से मंदिर का निर्माण आगे बढ़ता गया। सभी दानदाताओं ने अपने दान के माध्यम से मंदिर निर्माण को भव्य और विशाल बना दिया। मुकेश कुमार रॉय ने कहा कि 11 दिनों के यज्ञ से संपूर्ण बेड़ो ही नहीं बल्कि आसपास के इलाकों में धर्म के प्रति लोगों में जागरण बढी. और लोगों में जागरूकता भी देखी गई।

31 तक बेड़वारी ग्रिड से जुड़ जाएगा बचरा विद्युत सब स्टेशन

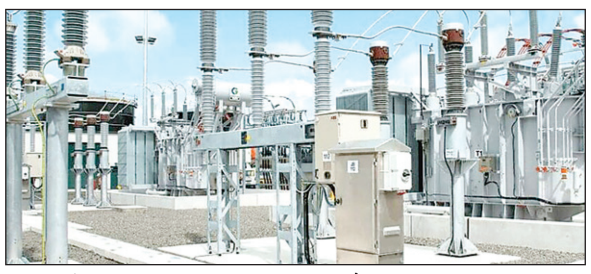

नवीन मेल संवाददाता। खलारी
खलारी के लोगों के लिए निर्बाध बिजली पाने की दिशा में एक खुशखबरी है। खलारी को बिजली आपूर्ति करने वाले जेबीवीएनएल के बचरा विद्युत सब स्टेशन को आगामी 31 मार्च तक बेड़वारी (बुड़मू) ग्रिड से जोड़ दिया जाएगा। उक्त जानकारी विद्युत आपूर्ति अवर प्रमंडल, मांडर के सहायक विद्युत अभियंता प्रेम दास ने दी है। बुड़मू प्रखंड क्षेत्र के बेड़वारी में नया पावर ग्रिड बनाया गया है। वहां से बचरा सब स्टेशन तक 33 हजार वोल्ट ट्रांस्मीशन लाइन का कार्य अंतिम चरण में है। सहायक विद्युत अभियंता ने बताया कि पोल लगाने संबंधी जमीन को लेकर थोड़ी बाधा है, परंतु इसे सुलझा लिया जाएगा। करीब छह दशक पुराने बचरा सब स्टेशन से खलारी, हेंदेगीर, राय सहित 50 हजार से अधिक आबादी को बिजली आपूर्ति की जाती है। मालूम हो कि वर्तमान में बचरा सब स्टेशन को करीब 35 किमी दूर पतरातू से 33 हजार वोल्ट की बिजली आपूर्ति की जाती है। बेड़वारी ग्रिड से जुड़ जाने से बचरा को निर्बाध बिजली मिलने लगेगी।

घर-घर तक 24 घंटे बिजली आपूर्ति की है तैयारी

बचरा विद्युत सब स्टेशन से बिजली पाने वाले खलारी, राय, हेंदेगीर आदि जगहों के घर-घर तक 24 घंटे लगातार बिजली आपूर्ति की तैयारी की जा रही है। इसके लिए हाल ही में बचरा सब स्टेशन में व्यापक पैमाने पर मरम्मती कार्य किया गया है। सब स्टेशन के स्विचगियर से लेकर कंट्रोल पैनल तक को दुरूस्त किया गया है। सभी खराब उपकरणों को बदलकर नया लगाया गया है। हाल ही में बचरा से खलारी के बीच 11 हजार ट्रांस्मीशन लाइन के अगल बगल के पेड़ की टहनियों को काटा गया है, ताकि ट्रांस्मीशन लाइन के कारण बाधा न हो।

नशा कारोबार के खिलाफ रांची पुलिस की कार्रवाई

महिला समेत चार तस्कर गिरफ्तार

नवीन मेल संवाददाता। रांची
नशा कारोबार के खिलाफ रांची पुलिस ने कार्रवाई करते हुए महिला समेत चार तस्कर को गिरफ्तार किया है। डीआईजी सह एसएसपी चंदन सिन्हा को मिली गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस की टीम ने तुपुदाना इलाके कार्रवाई करते हुए खूंटी से रांची आ रही अफीम की चार किलो अफीम बरामद किया। जिसका अनुमानित कीमत 10 लाख रुपए आंकी गई है। इस अफीम के साथ महिला समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों में सोमा पूर्ति और सलोमी टोप्पो आपस में भाई बहन तो वहीं इनके साथ अजय मुर्मू और अनिल मरांडी को भी गिरफ्तार किया गया है। गुरुवार को मामले की जानकारी देते हुए रांची एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने बताया कि आरोपियों के पास से 10 लाख की अच्छी क्वालिटी की अफीम बरामद की गई है। फिलहाल इनसे पूछताछ में कई अहम सुराग मिलने की बात भी उन्होंने कही।

न्यूज बॉक्स

चान्हो पुलिस को मिली कामयाबी

चान्हो। 9 एमएम का 20 गोली के साथ चान्हो पुलिस ने दो अपराधी रोहित खलखो और सागर उरांव निवासी इरगुटोली, थाना सुखदेवनगर पकड़ा है। जिसे गुरुवार को जेल भेज दिया गया।

होली में शांति, समृद्धि और खुशहाली लोगों को मिले : जयनाथ साहु

लापुंग। बेड़ो और लापुंग प्रखंड में रंगों का त्यौहार होली को लेकर गांव से लेकर कस्बों तक खूब चहल-पहल देखी जा रही है। लोगों ने बेडो. बाजार में गुरुवार को होली को लेकर रंगों, गुलाल, पिचकारी, मुखौटों सहित दर्जनों प्रकार के सामानों की खरीदारी की। वहीं होली को लेकर घरों में अपने कुल देवता के साथ साथ पारंपरिक रूप से आयोजित की जाने वाली पूजा अर्चना तथा होली में बनने वाले पकवानों की तैयारी के लिए खूब खरीदारी की। गुरुवार की देर रात लापुंग प्रखंड के मालगो, डाडी, अकमरोमा, पोकटा, ककरिया, लापुंग, सापुकेरा, दानेकेरा, लालगंज, बड़काकुरा, महुगांव फतेहपुर, हुलसू सहित अन्य गांवों में होली की व्यापक तैयारियां की गई है। गुरुवार की रात फगुआ कटने के बाद शुक्रवार और शनिवार दोनों दिन अलग-अलग जगह पर होली खेली जाएगी। नियमानुसार आचार्य राजकुमार पाठक के अनुसार होली 15 मार्च को ही खेली जाएगी। उन्होंने कहा कि बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक होलिका दहन के बाद शांतिपूर्ण तरीके से होली मनाए जाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि मिलजुल कर होली मनाएं ताकि समाज में शांति समृद्धि और खुशहाली का संदेश लोगों को मिल सके।

लापुंग में 26 को निकलेगी सरहुल शोभायात्रा

लापुंग। लापुंग प्रखंड में प्रखंड स्तरीय सरहुल मिलन समारोह 2025 के सफल आयोजन को लेकर सापुकेरा बाजार टांड़ के पास सामाजिक अगुआ पवन बरला की अगुवाई में बैठक हुई। बैठक का संचालन समाजसेवी व पूर्व मुखिया सह कांग्रेस के प्रखंड अध्यक्ष जयंत बरला ने किया। बैठक के दौरान सामाजिक कार्यकर्ताओं के साथ साथ पाहन, पुजार, महतो ने भी हिस्सा लिया। बैठक के दौरान सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि आगामी 26 मार्च दिन बुधवार को गाजा बाजा ढोल नगाड़ों के साथ पाहन पुजार की अगुवाई में सरहुल मिलन सह शोभायात्रा का आयोजन किया जाएगा। बैठक के दौरान जयंत बरला ने कहा कि प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी पाहन पुजार महतो तथा ग्राम प्रधानों के साथ साथ अन्य लोगों की उपस्थिति में भव्य सरहुल शोभायात्रा निकाली जाएगी। पाहन इस दौरान सुप में सरई फूल लेकर शोभायात्रा की अगुवाई करेंगे। बैठक के दौरान ग्राम प्रधान बिखनू मुंडा, लखन मुंडा, ऑस्कर होरो, सिंघा मुंडा, प्रसनजीत बरला, विजय बरला, बसंत बरला, रूपुस भेंगरा सहित अन्य लोगों ने भी बैठक के दौरान हिस्सा लिया।

प्रधान जिला जज ने किया ओल्ड एज होम का औचक निरीक्षण

खूंटी। 90 दिवसीय आउटरिच अभियान के तहत गुरुवार को प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह डालसा अध्यक्ष रसिकेश कुमार ने ओल्ड एज होम खूंटी का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान प्रधान जिला जज ने ओल्ड एज होम में रह रहे आवासित वृद्धों से उनके रहन-सहन, खान-पान एवं चिकित्सा सुविधा के बारे में जानकारी ली। पीडीजे ने आश्रम के रसोई का भी निरीक्षण किया और उनके मेन्यू के बारे में पूछताछ की। इस दौरान प्रधान जिला जज ने प्रत्येक महिला पुरुष वृद्ध से उनके रहन-सहन और इलाज के बारे में जानकारी ली। साथ ही उनके शयन कक्ष का भी निरीक्षण किया। मौके पर प्रधान जिला जज ने ओल्ड एज होम के प्रभारी अश्विनी कुमार मिश्र से बातचीत के दौरान कहा कि आश्रम में रह रहे लोगों के लिए किसी भी तरह की कोई समस्या हो, तो डालसा को सूचित करें। इस दौरान उन्होंने आश्रम में रह रहे सभी लोगों को रंगों के त्यौहार होली की शुभकामनाएं भी दी। मौके पर डालसा से अंजू कच्छप, नेली कोनगाड़ी, आश्रम के सहकर्मी एवं आश्रम के सभी आवासित बुजुर्ग उपस्थित थे। यह जानकारी डालसा सचिव राजश्री अपर्णा कुजूर ने दी।

खलारी में कल मनेगी होली रंग पिचकारी से पटा बाजार

नवीन मेल संवाददाता। खलारी
खलारी में शनिवार को होली मनाया जाएगा। खलारी पहाड़ी मंदिर के पुजारी बृजराज दुबे ने बताया कि 14 मार्च को पूर्णिमा होने के कारण उदय तिथि को देखते हुए 15 मार्च को होली का त्योहार होगा। गुरूवार रात खलारी के श्री जानकीरमन मंदिर के सामने सहित अन्य जगहों पर होलिका दहन किया गया। इधर होली को लेकर घर-घर तैयारी की जा रही है। बाजार में काफी चहल पहल है। खलारी के प्रमुख बाजार केडी सहित डकरा मेन रोड, धमधमिया, राय, खलारी बाजारटांड़ आदि के दुकान व फुटपाथ होली के रंग, गुलाल, पिचकारी, मुखौटों से पटे रहे। राशन दुकान, मिठाई, दूध की दुकानों पर भीड़ लगी रही। घरों में पकवान बनाए जा रहे हैं। अनेक लोगों ने नए कपड़े खरीदे हैं। होली का उत्साह बड़ों से ज्यादा बच्चों में देखा जा रहा है। बच्चे पिचकारी खरीदने में काफी व्यवस्था नजर आ रहे हैं। शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में होली का उत्साह देखने को बन रहा है।

सड़क दुर्घटना में दो लोगों की मौत

खूंटी। खूंटी के मेन रोड पर गुरुवार को दो अलग-अलग क्षेत्रों में हुई सड़क दुर्घटनाओं में दो लोगों की मौत हो गई। पहली दुर्घटना खूंटी-रांची रोड पर छोटानागपुर लाइन होटल के समीप हुई जब एक तेज रफ्तार टैंकर ने पीछे से एक बाइक को टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में बाइक सवार व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान रांची के रातू थानांतर्गत शिव नगर कमड़े निवासी भोला प्रसाद (44) के रूप में हुई है। वहीं दूसरी दुर्घटना शहर के गायत्री नगर मोड़ के समीप हुई। यहां स्कूटी से खूंटी बाजार की ओर जा रहे सेवानिवृत्त कर्मी अशोक प्रसाद (65) को रांची की ओर तेज रफ्तार में जा रहे एक चेचिस ने सामने से जोरदार टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में हेलमेट पहने रहने के बावजूद अशोक प्रसाद के सिर सहित शरीर के अन्य हिस्सों पर गंभीर चोट लगी। दुर्घटना के बाद उन्हें इलाज के लिए खूंटी के एक निजी अस्पताल में ले जाया गया।

पुरुलिया के किसानों ने लिया बहुआयामी कृषि प्रशिक्षण

सुशीला फाउंडेशन और सरकार ने किया सहयोग

नवीन मेल संवाददाता। लापुंग
पश्चिम बंगाल सरकार के कृषि विभाग की पहल पर पुरुलिया जिले के 50 किसानों को लापुंग प्रखंड में आधुनिक और बहुआयामी कृषि तकनीकों का प्रशिक्षण दिया गया। यह प्रशिक्षण सुशीला फाउंडेशन के तत्वावधान में संचालित दो दिवसीय पाठशाला आयोजित किया गया, जहां किसानों को मधुमक्खी पालन, बकरी पालन, सुअर पालन, मुर्गी पालन, मत्स्य पालन और एवीएन समिति से जुड़े कृषि-संबंधी नवीनतम तौर-तरीकों की विस्तृत जानकारी दी गई । कृषि विभाग के अधिकारियों के अनुसार, इस प्रशिक्षण का मुख्य लक्ष्य किसानों को पारंपरिक खेती के साथ-साथ पशुपालन और मत्स्य पालन जैसे वैकल्पिक आय के स्रोतों से जोड़ना है। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलने और किसानों की आय बढ़ाने में मदद मिलेगी। पाठशाला में विषय विशेषज्ञ मंटुन कुमार और फार्म प्रभारी अनिल जांगड़े ने किसानों को प्रायोगिक ज्ञान से अवगत कराया। सुशीला फाउंडेशन के सचिव जितेंद्र सिंह ने बताया, यह प्रशिक्षण किसानों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। हमने उन्हें बाजार से जुड़ाव, उत्पादन बढ़ाने के तरीके और सहकारी समितियों के गठन पर भी प्रशिक्षित किया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में कृषि सलाहकार डॉ. शिव प्रकाश कुशवाहा, परियोजना समन्वयक अभिषेक सर और बिरसा ग्राम समन्वयक सोमरा और टेट्रा के प्रयासों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। डॉ. कुशवाहा ने कहा, ₹किसानों को प्रौद्योगिकी और परंपरा का समन्वय सिखाना हमारी प्राथमिकता थी। पुरुलिया के किसानों ने इसे गंभीरता से अपनाया।?प्रशिक्षण में शामिल किसानों ने इसे जीवन बदलने वाला अनुभव बताया। एक किसान ने कहा, मधुमक्खी पालन और मछली पालन की बारीकियां सीखकर अब हम अपनी आय बढ़ा सकेंगे। पश्चिम बंगाल सरकार और सुशीला फाउंडेशन का यह संयुक्त प्रयास कृषि क्षेत्र में नवाचार और समृद्धि की नई इबारत लिखने की दिशा में एक सार्थक पहल साबित हो रहा है। इस मौके पर कई प्रतिभागी किसान मौके पर मौजूद थे।

11वीं के छात्रों को दिया गया मार्गदर्शन

सिल्ली। सिल्ली स्थित डीएवी महात्मा आनंद स्वामी पब्लिक स्कूल में कक्षा 11वीं के छात्रों के लिए करियर काउंसलिंग क्लास का आयोजन किया गया। मौके पर मनोज कुमार सिंह ने उपस्थित छात्र-छात्राओं के बीच अपना अनुभव साझा किया। साथ हीं उन्होंने इंजीनियरिंग की तैयारी और इस क्षेत्र में भविष्य की संभावनाओं को बताया। उन्होंने विद्यार्थियों को आईआईटी की तैयारी में उपयोग होने वाले विषयों के पुस्तकों तथा विभिन्न प्रश्नों को हल करने का सटीक और आसान तरीका भी बताया। इस बीच बच्चों ने उनसे कई तरह के सवाल भी किए जिसका जवाब उन्होंने उदाहरण के माध्यम से दिया। इस कार्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य सिल्ली मुरी में रह रहे छात्र - छात्राएं जो आईआईटी तथा नीट के कोचिंग लिए दूसरे शहर में जाते हैं। उन्हें आईआईटी की तैयारी मनोज कुमार सिंह के माध्यम से मुरी में करवाई जाएगी। यहां रह रहे छात्र एवं छात्राओं को आईआईटी के कोचिंग के लिए बाहर जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी साथ ही साथ विद्यालय में साइंस तथा कॉमर्स का नामांकन (2025 - 26)के लिए शुरू कर दिया गया है । बहुत जल्द आवश्यकता पड़ने पर आर्ट्स कक्षा भी शुरू की जाएगी। इस करियर काउंसिल क्लास में विद्यालय की प्रधानाध्यापिका बुबुन शरण तथा उच्चतर कक्षाओं के शिक्षक शिक्षिकाएं भी मौजूद रहीं।

एक नजर

शहीद सुभाष सौरभ बारला को उनके शहादत दिवस पर किया याद

हजारीबाग। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी सीआरपीएफ के शहीद जवान सिपाही /जीडी सुभाष सौरव बरला के शहादत दिवस पर 203 कोबरा बटालियन के कमांडेंट पवन कुमार सिंह के निर्देशन पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित की गई। सहायक कमांडेंट शिव कुमार ने कहा कि शहीद सुभाष सौरव बरला एक महान जांबाज सिपाही थे। कार्यक्रम में आदमकद स्मारक पर 203 कोबरा बटालियन के सहायक कमांडेंट शिव कुमार, उप निरीक्षक /जीडी किशोर आदि मौजूद थे।

सांसद और जनता के बीच बनूंगा मजबूत सेतु : अनमोल सिंह

रामगढ़। रांची रोड गोपी नगर शिव मंदिर परिसर में सम्मान समारोह का आयोजन हुआ। इस दौरान मंदिर समिति सदस्यों ने रामगढ़ कैंट सांसद प्रतिनिधि अनमोल सिंह का शॉल ओढ़ाकर और बुके देकर स्वागत किया। सभी ने भरोसा जताया कि वे रामगढ़ कैंट क्षेत्र की समस्याओं को मजबूती से उठाएंगे। साथ ही प्रदूषण के खिलाफ लड़ाई में भी सहयोग के लिए सराहना किया। स्वागत समारोह के लिए अनमोल सिंह ने सभी का आभार जताया। कहा कि छावनी परिषद रामगढ़ उपाध्यक्ष के रुप में लंबे समय तक शहर की जनता का सेवा करने का मौका मिला था। वहां की समस्याओं से भलिभांति वाकिफ हूं। इसे देखते हुए सांसद ने मुझे अपना प्रतिनिधि चुना है। उनकी आकांक्षाओं पर खरा उतरने की कोशिश करुंगा। सांसद और जनता के बीच मजबूत सेतू के रुप में कार्य करने की बात कही। स्वागत समारोह में रानी मिश्रा, रिंकी शर्मा, सोनी, अरुणा जोशी, उषा मुखर्जी, रुक्मिणी, मंजू साव, पिंकी जयसवाल, बिंदा यादव, सोनी मिश्रा,रुमा चटर्जी आदि मौजूद थी।

स्कूल परिवार ने खेली कृष्णमय होली, इस्कॉन सदस्यों संग किया संकीर्तन

कृष्णमय होली हर व्यक्ति में भागवत का कराता है दर्शन : प्राचार्य डॉ आशुतोष

हर एक व्यक्ति लोगों को कान्हा और राधा का रूप में देखें, तो यह संसार ही अलग रूप में होगा

नवीन मेल संवाददाता। बरही होली छुट्टी के पूर्व डीएवी स्कूल की ओर से विद्यालय परिसर में कृष्णमय होली का आयोजन किया गया। इस अवसर पर इस्कॉन सदस्यों की अगुवाई में भजन संकीर्तन का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य इस्कॉन सदस्यों ने राधा रानी के होली गीत व भागवत भजन प्रस्तुत कर पूरे परिसर को कृष्णमय बना दिया। कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ आशुतोष कुमार मैढ़ भी विद्यालय के सभी शिक्षक व शिक्षकेतर कर्मियों संग संकीर्तन में हिस्सा लिया। एक दूसरे को गुलाल लगाए और होली की ढेरों शुभकामनाएं दी। प्राचार्य ने कहा कि कृष्णमय होली हर व्यक्ति में भागवत का दर्शन कराता है। यह बच्चों में कान्हा का दर्शन कराते हुए इसी भाव में जीवन जीना सिखाता है। उन्होंने कहा कि यदि हर एक व्यक्ति लोगों को कान्हा और राधा का रूप में देखें, तो यह संसार ही अलग रूप में होगा। तब हर दिन होली और हर रात दिवाली होगी। तभी जाकर हमारी शिक्षा का उद्देश्य पूर्ण होगा। इस तरह विद्यालय से निकलने वाला हर छात्र कृष्ण और छात्रा राधा के रूप में एक सफल व्यक्तित्व बनकर समाज को नई राह दिखाने में सक्षम हो पाएगा। अंत में उन्होंने सबों को होली की शुभकामनाएं देते हुए शांति और सौहार्द के साथ होली मनाने की अपील किया।

वार्ड नंबर 22 में मना धूमधाम से होली समारोह

नशा मुक्त होली मनाने को लेकर लें संकल्प : वार्ड पार्षद

पूर्व मुखिया चंदन केशेरा ने कहा कि होली आपसी प्रेम सद्भाव का संदेश देता है और इस हर लोगों तक पहुंचाएं

नवीन मेल संवाददाता। हजारीबाग हजारीबाग ओकनी दक्षिणी शिवपुरी के वार्ड नंबर 22 में वार्ड पार्षद रेसीका लाल एवं पति पूर्व मुखिया चंदन कसेरा के द्वारा होली मिलन समारोह का भव्य आयोजन किया गया। इस आयोजन में शहर के गणमान्य लोग एवं वार्ड के बहुत सारे महिला पुरुष युवाओं की भागीदारी रही होली के परंपरागीतो के साथ जमकर उत्सव मनाया होली के दिन दिल से दिल मिल जाते हैं गीतों पर लोग खूब ठुमके लगाएं, साथ साथ बरी, ठुसका, मालपुआ, एवं बहुत तरह के व्यंजन का लोगों ने लुफ्त उठाया। इस अवसर पर 22 वार्ड के वार्ड पार्षद रेसीका लाल ने कहा आपसी सौहार्द और भाईचारा के साथ होली का त्यौहार मनाएं एवं नशा मुक्ति होली का लोगों को संकल्प लेना चाहिए। पूर्व मुखिया चंदन केशेरा ने कहा कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया है जिसमें लोगों को आपसी प्रेम सद्भाव का भावना का संदेश इस तरह के कार्यक्रम से लोगों को देता हूं। कार्यक्रम में श्रीधर सिंह मुकेश सिंह संतोष प्रसाद कसेरा बबलू कसेरा अंकुश कसेरा प्रवीण सोनी पप्पू सिंह मोहन राम अनीता देवी अर्पणा कुमारी रिया गुप्ता निधि कुमारी आयुषी कुमारी प्रमिला देवी बसंती देवी जैकी कसेरा चंद्र मोहन पटेल ललन साहू विनोद सिंह सुरेंद्र वर्मा मनोज मोदी, सोनी तिवारी के साथ-साथ वार्ड एवं शहर के बहुत सारे लोग होली मिलन समारोह के कार्यक्रम में उपस्थित थे।

न्यूज | बॉक्स

रांची से डोभी जा रही बाइक सवार दुर्घटनाग्रस्त, सवार हजारीबाग रेफर

बरही । रांची से बिहार के डोभी बजौड़ा जा रहे बाईक सवार युवक-युवती एनएच स्थित करसो पुल के समीप दुर्घटनाग्रस्त होकर बुरी तरह घायल हो गए. घायलों को स्थानीय युवा सचिन कुमार, विशाल कुमार आदि ग्रामीणों की मदद से अनुमंडलीय अस्पताल लाया गया. जहां प्राथमिक इलाज के बाद बेहतर इलाज के लिए हजारीबाग रेफर कर दिया गया. घायलों में 21 वर्षीय युवक विशाल कुमार पिता बबलू सिंह और 16 वर्षीय युवती सपना कुमारी पिता पप्पू सिंह शामिल है. रिश्ते में दोनो भाई बहन बताए गए है. गुरुवार की सुबह रांची से डोभी के लिए बाइक से चले थे. इसी क्रम में करसो के समीप अज्ञात वाहन की चपेट में आने से दुर्घटनाग्रस्त हो गए. जिसमे युवक को सर और पांव और युवती को पैर में गहरे चोट लगे हैं.

सरहुल पर्व को लेकर सूरजकुंड धाम में मंत्रियों को किया गया आमंत्रित

बरकट्ठा। प्रखंड क्षेत्र के ऐतिहासिक धार्मिक पर्यटन स्थल सूरजकुंड धाम में आगामी 30 मार्च को आयोजित होनी वाली बहा पर्व व सरहुल पर्व मनाने को लेकर स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी कल्याण मंत्री चमरा लिंडा, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग हफीजुल हसन, नगर विकास एवं आवास विभाग मंत्री सुदीप कुमार सोनू नगर के अलावे अन्य मंत्रियों को आमंत्रित किया गया है। इस बार इन महा पर्वों को विशाल रूप से मनाया जाया जाएगा। इस पर्व में झारखंड के अनेक मंत्रिगण भी आमंत्रित रहेंगे। इस दौरान भारत जकात मांझी परगना महल बरकट्ठा के अध्यक्ष राम जी बेसरा, सचिव मनोज मुर्मू, सुनील मुर्मू के अलावा अन्य सदस्य उपस्थित रहे। वही राम जी बेसरा ने कहा कि 30 मार्च को दिन में सरहुल पर्व मनाने के साथ साथ रात में सांस्कृतिक प्रोग्राम किया जाएगा।

मुखिया और पंसस के प्रयास से होली मिलन समारोह आयोजित

लोगों ने एक दूसरे को अबीर व गुलाल लगाकर होली की दी बधाई

नवीन मेल संवाददाता। बरकट्ठा प्रखंड क्षेत्र के चेचकपी स्थित लाल मैदान में मुखिया रीता देवी और पंचायत समिति सदस्य सूरजमुनि देवी द्वारा होली मिलन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में संगीतकारों के द्वारा एक से बढ़कर एक पारम्परिक भजन कीर्तन और होली का गीत प्रस्तुत किया गया। वहीं लोगों ने एक दूसरे को अबीर गुलाल लगाकर होली की बधाई दी। मुखिया प्रतिनिधि डेगलाल साव ने कहा प्रत्येक वर्ष यहां लाल मैदान में होली मिलन समारोह कार्यक्रम आयोजित किया जाता है और हम सब आपस में एक दूसरे से गिले शिकवे भूलकर हर्षोल्लास के साथ होली मनाते हैं। यह रंगों का त्यौहार लोगों को एक दूसरे से मिलने जुलने का अच्छा अवसर देता है। वहीं मुखिया के द्वारा एक से बढ़कर एक व्यंजन और पकवान का भी व्यवस्था किया गया था मौके पर काफी संख्या में लोग उपस्थित थे।

भाजपा जिला कार्यालय में मनाया होली मिलन समारोह

हर जाति और धर्म के लिए सौहार्द का प्रतीक है होली : प्रवीण मेहता

नवीन मेल संवाददाता। रामगढ़ भाजपा जिला कार्यालय में गुरुवार को होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। समारोह की अध्यक्षता भाजपा जिला अध्यक्ष प्रवीण मेहता व संचालन पूर्व प्रदेश कार्यसमिति सदस्य प्रो संजय सिंह एवं जिला के महामंत्री राजू चतुर्वेदी द्वारा किया गया। जिलाध्यक्ष ने कहा कि होली देश के हर जाति और धर्म के लिए शांति और सौहार्द का प्रतीक है। हम सभी को मिलजुल कर होली उत्सव का आनंद लेना चाहिए। इसमें किसी प्रकार का भेदभाव नहीं है। समारोह में जिले के सम्मानित पदाधिकारियों को महा मूर्खाधिराज की टोपी पहनाकर स्वागत किया गया। तत्पश्चात बड़े ही सादगी पूर्ण वातारण में लोगों ने

अबीर गुलाल लगाकर तथा गले मिलकर एक दूसरे को होली की बधाई दी। समारोह को लेकर होली गायन कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया था। मौके पर अमरेंद्र गुप्ता, चंद्रशेखर चौधरी, रंजीत पांडेय, विजय जायसवाल, प्रो खिरोधर साहू, राजीव जायसवाल, राजेंद्र कुशवाहा, दिलीप सिंह,मनोज गिरी, रतन प्रसाद, अनमोल सिंह, योगेश दांगी, अरुण कुमार कुशवाहा, विनोद राम, सूर्यवंश श्रीवास्तव, राजीव पामदत्त, प्रवीण कुमार सोनू, अर्जुन यादव, तोकेश सिंह, अशोक कुमार, बबलू साव, सतीश मोहन मिश्रा, रूपा कुमारी, भीम सेन चौहान, विनोद ठाकुर, विजय लक्ष्मी शर्मा, नीतू पाठक सहित कई लोग मौजूद थे ।

गोला में अखंड हरि संकीर्तन को लेकर कमेटी गठित

गोला। गोला के पुरबडीह बगीचा स्थित श्री श्री राधा कृष्ण हरि मंदिर परिसर में गुरुवार ग्रामीणों की बैठक सतेंद्र उपाध्याय की अध्यक्षता में हुई। जिसमें हर वर्ष की तरह मंदिर में 8 से 12 अप्रैल तक पांच दिवसीय अखंड हरि संकीर्तन का आयोजन करने का निर्णय लिया गया। कार्यक्रम की सफलता को लेकर एक कमेटी का गठन किया गया। जिसमें राधा बिनोद प्रजापति अध्यक्ष, नीलकमल महतो कोषाध्यक्ष, पर्वत राम रविदास व पंकज महतो सचिव, आशीत करमाली उप सचिव, श्रीकांत महतो व तीरथनाथ महतो कोषाध्यक्ष, संजीत महतो व विक्की कुमार उप कोषाध्यक्ष, अशोक उपाध्याय मुख्य संरक्षक सहित पूर्व मुखिया कामेश्वर महतो, शुकुरु महतो, विशाल महतो, पंकज महतो, सखीचंद महतो, बद्री रविदास, शंकर रविदास व अन्य कई सदस्य बनाए गए।

गुरुकुल शिशु विद्या मंदिर में धूमधाम से मनाया गया होली मिलन समारोह

रंगोत्सव का पर्व होली भाईचारे व अमन से जीने का पाठ सिखाता है : पूजा सिंह

नवीन मेल संवाददाता। बरकट्ठा प्रखंड क्षेत्र के गोरहर पंचायत स्थित गुरुकुल शिशु विद्या मंदिर पब्लिक स्कूल में होली मिलन समारोह का भव्य आयोजन किया गया । इस अवसर पर बच्चे और शिक्षकों ने एक दूसरे को अबीर गुलाल लगाकर होली पर्व की बधाई दी ।वहीं बच्चे रंग बिरंगे कपड़े पहन और गुलाब उड़ाते हुए मस्ती में मग्न हो गए। शिक्षकों और छात्रों के बीच के हर्षोल्लास ने इस कार्यक्रम को यादगार बना दिया। इस अवसर पर स्कूल के निदेशक कार्तिक करण देव सिंह ने बच्चों को होली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि होली त्योहार हमें सिखाता है कि रंगों की तरह हमारी जिंदगी भी खुशियों से भरी होनी चाहिए । त्यौहार की मस्ती

में हमें आपसी भाईचारे और सौहार्द बनाए रखना चाहिए। इस बार होली और जुम्मा एक साथ पड़े हैं जो सांप्रदायिक एकता की मिसाल पेश करता है। वहीं प्राचार्य पूजा सिंह ने कहा कि होली का पर्व हमें अमन चैन और सौहार्द के साथ जीने का पाठ सिखाता है। होली एक ऐसा पर्व है जो एक-दूसरे को अबीर और गुलाल लगाकर सभी शिकवे गिले को भूलाकर काफी करीब लाता है और लोग आपस में गले मिलकर एकता की मिसाल देते हैं। मौके पर काफी संख्या में बच्चे उपस्थित थे।

कुरमी महासभा ने होली मिलन समारोह का किया आयोजन

गिद्दी। झारखंड कुरमी महासभा ने विगत बुधवार को सेनेगढ़ा में प्रखंड स्तरीय होली मिलन समारोह आयोजन किया गया। समारोह की अध्यक्षता बिहारी महतो और संचालन दिनेश्वर महतो ने की। जबकि समारोह में बतौर मुख्य अतिथि झारखंड कुरमी महासभा के प्रदेश अध्यक्ष कुमेश्वर महतो और विशिष्ट अतिथि जिला अध्यक्ष देवकी महतो, सोनोका देवी, रीमा कुमारी, लालधन महतो उपस्थित थे। समारोह को प्रदेश अध्यक्ष कुमेश्वर महतो ने संबोधित किया। इसके बाद समारोह उपस्थित लोगों ने एक दूसरे का अबीर गुलाल लगाकर होली होली की शुभकामनाएं दिया। समारोह में मंगलदेव महतो, सुदर्शन महतो, गुलचंद महतो, दशरथ प्रसाद महतो, जगदीश महतो, भुनेश्वर महतो, किरण देवी, उदयनाथ महतो, बबीता देवी, सुनिता देवी, रीता देवी सहित काफी संख्या में उपस्थित थे।

मनीष जायसवाल ने संसद में बुलंद की विस्थापितों की आवाज,कहा

पुनर्वास नीतियों को अधिक प्रभावी और समावेशी बनाएं

- प्रभावित परिवारों को बाजार मूल्य के अनुरूप 20 लाख से बढ़ाकर 40 लाख प्रति एकड़ का मिलें मुआवजा

नवीन मेल संवाददाता। हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल ने बुधवार के लोकसभा के बजट सत्र के दौरान देश के सर्वोच्च सदन लोकसभा के पटल पर हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के विस्थापितों की आवाज पुरजोर तरीके से बुलंद की। सांसद मनीष जायसवाल ने संसद भवन में अपनी बात रखते हुए कहा कि हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र में वर्षों से जारी कोयला एवं ऊर्जा परियोजनाओं के कारण हजारों परिवार विस्थापित हो चुके हैं। लेकिन आज भी ये परिवार अपने अधिकारों और न्याय के लिए संघर्ष कर रहे हैं। विस्थापन की इस गंभीर समस्या को संसद में रखते हुए विस्थापितों के हित में सरकार से मांग करता हूं कि हजारीबाग में सीसीएल और एनटीपीसी, दोनों सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियां कार्यरत हैं। सीसीएल के प्रभावित परिवारों को रोजगार देने की नीति लागू है, लेकिन एनटीपीसी में अब तक ऐसा नहीं हुआ। विस्थापितों को सीसीएल के तर्ज पर ही स्थायी रोजगार मिलना चाहिए। वर्षों पहले अधिग्रहित भूमि का मुआवजा आज भी पुराने दर पर दिया जा रहा है। बाजार मूल्य के अनुसार प्रभावित परिवारों को 20 लाख से बढ़ा कर 40 लाख प्रति एकड़ मुआवजा मिलना चाहिए, ताकि वे अपने भविष्य को सुरक्षित कर सकें। ?वर्तमान नीति के अनुसार केवल 2016 तक विस्थापित हुए परिवारों को ही विस्थापन मिल रहा है। इस कटऑफ तिथि को समाप्त कर सभी पात्र परिवारों को पुनर्वास योजना का लाभ दिया जाना चाहिए। विस्थापन के कारण लोगों की आजीविका छिन जाती है, जिससे उनका जीवन संकट में आ जाता है।

यादव धर्मशाला में होली मिलन समारोह मना, होलियाना मूड में दिखे विधायक, कहा

प्रेम और सौहार्द्र के साथ नशामुक्त मनाएं होली

नवीनमेल संवाददाता। बरही बुधवार को धनबाद रोड स्थित यादव धर्मशाला में यदुवंशी समाज का होली मिलन समारोह संपन्न हुआ. जिसमें बतौर मुख्यातिथि स्थानीय विधायक मनोज कुमार यादव शामिल हुए. जिनका यदुवंशी समाज ने गुलाल लगाकर जोरदार स्वागत किया. इस अवसर पर यदुवंशी समाज की कीर्तन मंडली ने पारंपरिक होली गीत से पूरे वातावरण को होलीमय बना दिया. मुख्यातिथि विधायक श्री यादव भी होलियाना मुड में फगुआ के गीत गाकर लोगों को झूमने के लिए मजबूर कर दिया. देर संध्या तक फगुआ व्यंजन के बीच गुलाल उड़ते रहे और ढोल मंजीरे बजते रहे. इस अवसर पर जिप सदस्य किसुन यादव भी फगुआ तान छेड़कर लोगों का खूब मनोरंजन किया. इस दौरान बुजुर्गो ने गुलाल लगाकर विधायक सहित सबों को आशीर्वाद दिया तो छोटे लोगों ने चरणस्पर्श कर आशीष लिया. विधायक ने भी उपस्थित लोगों से प्रेम व सौहार्द के साथ नशामुक्त होली मनाने की अपील करते हुए होली की शुभकामनाएं दी. कार्यक्रम में स्थानीय गणमान्य व्यक्तियों के साथ बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे. कार्यक्रम में अशोक यादव, युगल यादव, मनोहर यादव, कृष्णा यादव, विनोद यादव, बालेश्वर यादव, राजू यादव, विनोद यादव, अशोक यादव, राजकुमार यादव, सुभाष यादव, महादेव यादव, किशोर यादव, हरि यादव, शिवनन्दन यादव, प्रभु यादव समेत सैकड़ों यादव समाज के लोग मौजूद रहे.

गिद्दी कोयलांचल में बिकने को आया राजस्थानी मिट्टी से बने बर्तन, लोगों ने किया खूब पसंद

गिद्दी। गिद्दी कोयलांचल में इन दिनों राजस्थानी मिट्टी से बने बर्तन बिकने के लिए आया हुआ है। विक्रेता गिद्दी, रेलीगढ़ा, गिद्दी सी, वाशरी कॉलोनी में गाड़ी में घूम-घूम कर बेच रहे हैं। इस क्रम में गुरुवार को राजस्थान के मिट्टी का बर्तन गिद्दी चौक में बिक रहा था। जिसे लोग खूब पसंद कर रहे थे। जिसमें मिट्टी का तावा, मिट्टी का बोतल, मिट्टी का कड़ाई, मिट्टी का हॉट पॉट, मिट्टी का खूबसूरत कप के साथ दही जमाने का वर्तन मौजूद है। मिट्टी का तावा 50 रुपए, हॉट पॉट 250 रुपए से 450 रुपए, मिट्टी का बोतल 150 से 200 रुपए तक में सामान मिल रहा है। तावा, हॉट- पॉट आदि वर्तन हैंडल लगा हुआ है। वर्तन बेचने वाले छोटू ने बताया सावधानी से उपयोग करने और रखने पर वर्तन टिकाऊ हैं। इस में स्वाद भी अच्छा आता है। गर्मी में मिट्टी के बोतल में पानी ठंडा रहता है। छोटू ने बताया वह सभी लोग वर्तन घूम-घूम कर बेचते हैं। मौके पर माजूद भाकपा माले हजारीबाग जिला सचिव पच्चू राणा ने कहा इनकी कारीगरी को बढ़ावा मिलनी चाहिए।

विस में गैर मजरूवा जमीन के मामले पर चर्चा स्वागत योग्य कदम : पूर्व सांसद

- भूमि बैंक को रद्द करते हुए अभियान चलाकर गैर मजरूवा जमीन की रसीद काटने का काम शुरू किया जाए

नवीन मेल संवाददाता। हजारीबाग झारखंड सरकार ने वर्तमान सत्र में उद्योगों में जरूरत से ज्यादा जमीन अधिग्रहण मामले में उद्योगों में जरूरत से ज्यादा भूमि अधिग्रहण करने की घोषणा की है । जिन उद्योगों में उपयोग से अधिक अधिग्रहण हुआ है और उपयोग नहीं हुआ है उसके लिए झारखंड सरकार एक आयोग का गठन करेगी। इसके लिए मैं झारखंड के मुख्यमंत्री सहित सभी लोगों का आभार व्यक्त करता हूं। देर से ही सही इस ज्वलंत मुद्दे को संज्ञान में लिया गया है ,मैं अपील करता हूं कि सरकार जल्द से जल्द आयोग का गठन करें उक्त बातें एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर पूर्व सांसद सह झारखंड राज्य विस्थापित संघर्ष मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष भुवनेश्वर प्रसाद मेहता ने कही। उन्होंने कहा कि झारखंड सरकार के राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री दीपक बिरुवा ने विधानसभा में चर्चा के दौरान कहा है, कि पूर्व की भाजपा सरकार के द्वारा 21 लाख हेक्टेयर जमीन को भूमि बैंक में डालने के कारण आदिवासी दलित एवं किसान जिनके नाम से गैर मजरुआ जमीन की बंदोबस्ती है जिन पर घर और खेत आबाद है। उनका 2016 तक रसीद कटा हुआ भी है। लेकिन भूमि बैंक में डालने के कारण उनका रसीद कटना बंद हो गया है साथ ही साथ अधिग्रहण होने पर उन्हें न ही मुआवजा का भुगतान हो रहा है, और ना ही अन्य सुविधाएं मिल पा रही है। ऐसे में लाखों ऐसे लोग हैं जिनके पास एक इंच रैयती जमीन नहीं है वैसे लोग सड़क पर आ जाएंगे। राजस्व मंत्री ने इस संबंध में घोषणा किया है कि ऐसी जमीनों को प्रतिबंध मुक्त किया जाएगा और जल्द ही रशीद काटी जाएगी। इसको लेकर पूर्व सांसद ने आभार व्यक्त करते हुए कहा है कि यह एक स्वागत योग्य कदम है मैं झारखंड सरकार से मांग करता हूं कि भूमि बैंक को रद्द करते हुए अभियान चलाकर गैर मजरुवा जमीन की रसीद काटने का काम शुरू किया जाए। ताकि गरीब लोगों को इससे राहत मिल सके और वे लोग सही से अपने जीवन को गुजार सकें। भूमि बैंक के मामले को सही रूप से लागू किया जाए ताकि इन किसानों की जीन का रसीद कट सके और गरीब अपने जमीन पर काबिज हो सके।

झारखंड में हो केशकला बोर्ड का गठन और मिले स्थायी दुकान

रामगढ़। समाज में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाला नाई समाज अपने अस्तित्व को बचाए रखने के लिए संघर्ष कर रहा है। अब इस वर्ग को भी समाज और सरकार से मदद की दरकार है। साथ ही केशकला बोर्ड नहीं बनने से इनका सामाजिक विकास भी सही ढंग से नहीं हो रहा है। कोरोना काल के बाद सैलून संचालकों की संख्या बढ़ी है, परंतु काम कम होता गया है। लोग बाल कटवाने तो आते हैं, लेकिन दाढ़ी या तो अपने ट्रिमर से बनवा लेते हैं, या फिर नहीं बनवाते हैं। सप्ताह में महज तीन से चार दिन ही काम उपलब्ध होता है। इससे नाई समाज की आर्थिक समस्या बढ़ गई है। बैंक भी मदद नहीं करता। नाई समाज के लोग चाहते हैं कि उन्हें सैलून के लिए स्थायी जगह मिले। प्रशिक्षण की भी व्यवस्था हो और सरकारी योजनाओं का लाभ मिले जिले में नाई समाज की आबादी लगभग डेढ़ लाख से अधिक है। वहीं, लगभग एक हजार से अधिक सैलून की दुकान हैं।

होमगार्ड जवानों ने विधायक भूषण बाड़ा से मिलकर जताया आभार

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। गृह रक्षा वाहिनी लोक सेवक संघ जिला ईकाई का एक प्रतिनिधिमंडल गुरुवार को विधायक भूषण बाड़ा से मुलाकात की। मौके पर संघ के लोगों ने विधायक को फुल माला पहनाते हुए एवं बुके देकर विधानसभा सत्र में गृह रक्षकों की समस्याओं को जोरदार तरीके से रखने के लिए आभार जताया। गृह रक्षा वाहिनी लोक सेवक संघ के सदस्यों ने कहा कि विधायक द्वारा राज्य के होमगार्ड जवानों को भी 365 दिन नियमित रूप से ड्यूटी देने, बिहार छत्तीसगढ़ उड़ीसा राज्य की तरह और बिहार राज्य की तर्ज पर भविष्य निधि योजना सेवानिवृति का लाभ दिलाने की मांग रखे हैं, जो सराहनीय है। संघ के लोगों ने विधायक से आगे भी संघ की समस्याओं के निदान हेतु सहयोग की अपील की। वहीं विधायक ने भी होमगार्ड जवानों की समस्याओं का समाधान कराने के लिए हर संभव सहयोग करने का आश्वासन दिया। आगे भी संघ की समस्याओं को दूर कराने के लिए पहल कराने की बात की। मौके पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष डेविड तिर्की, जिप सदस्य जोसिमा खाखा सहित कई कांग्रेसी नेता एवं होम गार्ड जवान उपस्थित थे।

सिमडेगा ओल्ड एज होम में आयोजित होली मिलन समारोह में शामिल हुए उपायुक्त बुजुर्गों के साथ मनाई होली

उपायुक्त ने ओल्ड एज होम में मनाई होली

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। उपायुक्त सिमडेगा अजय कुमार सिंह ने डिप्टीटोली स्थित ओल्ड एज होम में आयोजित होली मिलन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि के रूप शामिल हुए। इस अवसर पर उपायुक्त ने आश्रम में निवास करने वाले वृद्धजनों से उनका हाल-चाल जाना। इस दौरान बुजुर्गों ने बताया कि उन सभी को वहां रहने में किसी प्रकार की कोई दिक्कत नहीं हो रही है। इसके पश्चात् उपायुक्त ने केक काटकर होली मिलन समारोह शुभारंभ किया। तथा उपायुक्त ने सभी कर्मीयों को अबीर गुलाल लगाया। वहीं उपायुक्त ने वृद्ध जनों को कपड़े, मिठाई, फल और अबीर गुलाल भेंट देकर होली की शुभकामनाएं दी। साथ ही उपायुक्त ने आश्रम के अध्यक्ष को होली के दिन विशेष पकवान बनवाकर वृद्धजनों को खिलाने की बात कहीं। इसके अलावा उपायुक्त ने किचन एवं शौचालय का निरीक्षण कर जायज लिया। किचन में हैजिंग को ध्यान में रखते हुए सफाई व्यवस्था को बेहतर रखने की बात कहीं। इसके अलावा उपायुक्त ने की आवश्यक दिशा निर्देश दिये। मौके पर प्रखंड विकास पदाधिकारी सदर समीर रेनियर खालखो, आश्रम के अध्यक्ष, सचिव सहित अन्य कर्मी गण उपस्थित थे।

फ्लैग मार्च निकालकर शांतिपूर्ण माहौल में होली का त्यौहार मनाने की अपील

केरसई। सद्भाव पूर्ण वातावरण और शांतिपूर्ण माहौल में होली का त्यौहार मनाने की अपील करते हुए पुलिस प्रशासन के द्वारा फ्लैग मार्च निकाला गया। केरसई थाना प्रभारी रामनाथ राम सहायक थाना प्रभारी टिंकू कुमार वर्मा जितेंद्र टुडू एवं अवधेश प्रसाद आदि के नेतृत्व में फ्लैग मार्च निकाला गया। केरसई साहु चौक से शुरू होकर फ्लैग मार्च केरसई चौक, इंद्रा चौक ,भंडार टोली भ्रमण करते हुए वापस थाना परिसर पहुंची। मौके पर थाना प्रभारी ने अफवाहों पर ध्यान नहीं देने, सोशल मीडिया में आपत्तिजनक पोस्ट नहीं करने की बात कही,साथ ही कहा कि बिना लड़ाई झगड़े के शांतिपूर्ण वातावरण में त्यौहार मनाए।सब इंस्पेक्टर टिंकू वर्मा ने कहा कि नशे में हुड़दंग करने वालों पर पुलिस शक्ति से करवाई करेगी उन्होंने कहा कि कुछ भी गलत होते हुए देखने पर उसकी सूचना थाना में करनी है।

फूलों की होली के साथ हुआ होली मिलन समारोह का आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा । जूनियर कैम्ब्रिज स्कूल में होली मिलन समारोह हर्षोल्लास और सौहार्द के वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के निदेशक शीतल प्रसाद, प्राचार्य, विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्षा मनोरमा एक्का, उपाध्यक्ष आईभी लकड़ा सहित शिक्षकगण, अभिभावक और छात्र-छात्राएं शामिल हुए। रंगों के इस उत्सव में उमंग, उल्लास और सांस्कृतिक छटा का अनूठा संगम देखने को मिला।कार्यक्रम की शुरुआत मंगलमय स्वागत गीत से हुई, जिससे समस्त विद्यालय प्रांगण में एक पवित्र और उल्लासमय माहौल बन गया। इसके पश्चात विद्यालय के प्राचार्या प्रभा केरकेट्टा ने सभी को संबोधित करते हुए होली के सांस्कृतिक एवं सामाजिक महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि होली केवल रंगों का त्यौहार नहीं, बल्कि यह आपसी प्रेम, सद्भाव और भाईचारे का प्रतीक है।संगीत और नृत्य से गूंजा प्रांगण

इसके बाद छात्र-छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। लोकगीतों पर आधारित समूह गायन और नृत्य ने समारोह को और भी जीवंत बना दिया। बच्चों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया और पूरा विद्यालय परिसर तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा।विशेष आकर्षण का केंद्र रही 'फूलों की होली', जिसमें छात्रों, शिक्षकों और अतिथियों ने एक-दूसरे पर फूल बरसाकर होली की खुशियां साझा कीं। विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष ने छात्रों को होली की शुभकामनाएं दीं और इस पर्व को प्रेम और सौहार्द के साथ मनाने का संदेश दिया।कार्यक्रम के समापन पर सभी ने बुराइयों को त्यागने और अच्छाइयों को अपनाने का संकल्प लिया।

होली को लेकर बानो प्रखण्ड मुख्यालय में फ़्लैग मार्च निकाली गई, शांति के दिए संदेश

बानो। बानो थाना की पुलिस के द्वारा होली पर्व को लेकर प्रखण्ड मुख्यालय में फ़्लैग मार्च निकाली गई।फ्लैग मार्च बानो थाना परिसर से निकलकर बिरसा मुंडा चौक,डाकबंगला,बाजार टांड़,बड़ाईक बस्ती,रेलवे स्टेशन रोड होते हुए वापस थाना परिसर पहुँची।बानो थाना प्रभारी विकास कुमार ने होली पर्व के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने की लोगों से अपील की उन्होंने कहा की होली का पर्व आपसी प्रेम और भाईचारा का पर्व है।हंसी-खुशी शांतिपूर्ण वातावरण में होली का पर्व मनाएं। बीमार व वृद्ध व्यक्ति साथ ही जबरन किसी को भी रंग न लगाएं।

सकीम अंसारी के प्रयास से गांव में लगा नया ट्रांसफार्मर

नवीन मेल संवाददाता

कुरडेग । प्रखण्ड क्षेत्र के गोबरलेछा गाँव में बिगत कई दिनो से ट्रांसफार्मर खराब थी विभाग को सुचना देने के वावजूद भी कोई कार्रवाई नही की जा रही थी लोग अंधेरे में रहने को विवश थे साथ ही बच्चों की पढ़ाई वाधित हो रही थी जिसके बाद ग्रामीणों ने इसके सुचना समाज सेवी कुरडेग निवासी सकीम अंसारी को दी । सकीम अंसारी ने विभाग से सम्पर्क कर दो दिनो के अन्दर ट्रांसफार्मर उपलब्ध करा दिया । लोगों ने धन्यवाद देत हुए आभार प्रकट किया कहा कि सकीम के प्रयास से दो दिन के अन्दर गाँव जगमग हो गया ।मौके पर उन्होंने कहा कि लोगों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर दूर करने का प्रयास किया जा रहा है ताकि क्षेत्र में जो भी समस्या है वह समाप्त हो सके।

होली से पूर्व नवा टोली सरना स्थल में हुई सुख समृद्धि की कामना के साथ विशेष पूजा

नवीन मेल संवाददाता

कोलेबिरा। प्रखंड क्षेत्र के नवा टोली ग्राम में सरहुल सरना स्थल पर गुरूवार को कस्टु पाहन के द्वारा मां सरना और खुंट पाठ देवता की विधिवत पूजा अर्चना कर गांव के सुख समृद्धि की कामना की गई।होली से पहले सरना स्थल में खास तरह की पूजा की जाती है।यह पूजा कोलेबिरा प्रखंड के खास नवाटोली गांव में सरहुल सरना स्थल पर गांव के पाहन के द्वारा किया जाता है। कस्टू पाहन के द्वारा होली पर्व से पहले विधिवत मां सरना और खूंट पाट देवता का खास पूजा-अर्चना कर गांव की सुख-समृद्धि का कामना किया जाता है।इस पूजा के खास मौके पर भाजपा कोलेबिरा मंडल अध्यक्ष अशोक इंदवार ने जानकारी देते हुए बताया कि नवाटोली पंचायत के खास नवाटोली ग्राम में प्रतिवर्ष होली के पूर्व गांव के सुख समृद्धि की कामना के लिए सरहुल सरना स्थल पर गांव के ही पाहन के द्वारा विधिवत रूप से मन सारण का पूजा-अर्चना किया जाता है।

नवा टोली मौजा के विभिन्न घरों में सरहुल फुल दवाई फूल एवं महुआ फूल प्रसाद के रूप में पाहनों के द्वारा दिया जाता है। यह परंपरा सदियों से चली आ रही है इसकी शुरुआत हमारे पुरखों ने की थी जिसे हम प्रतिवर्ष मनाते आ रहे हैं और भविष्य में भी मनाते रहेंगे। मां सारण की पूजा अर्चना कर हम कामना करते हैं कि हमारे गांव घर के सभी माता-बहनें,अभिभावक स्वरूप बूढ़े बुजुर्ग हमारे युवा साथी गण सभी कोई सदैव खुश रहें खूब तरक्की करें और आगे चलकर हमारे राज्य और देश का नाम रोशन करें। पूर्वजों से चलती आवेश परंपरा को आगे भी निभाना हमारा दायित्व है।

बानो के मरानी में अखंड हरि कीर्तन संपन्न

बानो। प्रखंड क्षेत्र के हुरदा मरानी शिव मंदिर में आयोजित एक दिवसीय 24 घंटे का अखण्ड हरि कीर्तन नगर भ्रमण,पूर्णाहूति व भण्डारा के सा साथ सम्पन्न है गया यजमान की भूमिका में राम नरेश साहू सह पत्नि व पुरोहित की भूमिका ददन मिश्रा ने निभाई।हरि कीर्तन में हुरदा, गिरदा,गेनमेर,परबा, सालेगुटु, केवेटांग, रायकेरा, मरानी, जोजोबाड़ी के कीर्तन मण्डलियों ने भाग लिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में नन्दलाल साहू, ओनादी हजाम मनोज हजाम, खिरोधर हजाम, सीता चन्द सिह,रामचन्द्र साहू रमेश साहू, तेजु साहू, सरस्वती देवी, मालती देवी, विनिता देवी सुनीता देवी के अलावा अन्य लोगों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

कोलेबिरा प्रखंड कार्यालय परिसर में होली मिलन समारोह का हुआ आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

कोलेबिरा। प्रखंड कार्यालय परिसर में प्रखंड प्रमुख दुतामी हेमरोम की अध्यक्षता में होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। होली मिलन समारोह में प्रखंड सह अंचल कार्यालय के कर्मी गण,प्रखंड के सभी पंचायत के मुखिया,जनप्रतिनिधि गण, रोजगार सेवक,पंचायत समिति सदस्य,मीडिया कर्मी गण तथा अन्य ग्रामीणों ने भाग लिया।सभी ने एक दूसरे को रंग गुलाल लगाकर होली की बधाई एवं शुभकामनाएं दी।प्रखंड प्रमुख दुतामी हेमरोम ने सबों को संबोधित कर कहा की होली आपसी प्रेम एवं सद्भावना का त्यौहार है सभी कोई मिलजुल कर होली खेले।यह प्रेम रंग गुलाल का त्यौहार है खुशियों का त्यौहार है।हम सब शांति पूर्ण वातावरण में होली पर्व मनाएं।मौके पर प्रखंड विकास पदाधिकारी वीरेंद्र किंडो ने भी सबको होली पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा की सभी कोई आपसी प्रेम एवं सद्भावना के साथ रंगों का त्योहार मनाएं।उन्होंने होली में सभी से एक दूसरे के गिले शिकवे भूल कर खुशी मनाने की बात कही।कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने फगुआ गीतों में जमकर ठुमका लगाए।

सभी ने एक दूसरे को होली पर्व की शुभकामनाएं दी मौके पर उप प्रमुख सुनीता देवी,अंचल अधिकारी अनुप कच्छप,थाना प्रभारी शशिशंकर सिंह,स्वास्थ्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉक्टर केके शर्मा, बीपीओ संजीता कुमारी, पीएचडी जेई कुंदन कुमार, जेई अजय महतो,दीपक बड़ाइक,प्रखंड सांसद प्रतिनिधि सुनिल खड़िया, विधायक प्रतिनिधि श्यामलाल प्रसाद,सुलभ नेल्सन डुंगडुंग, मुखिया अंजना लकड़ा,अनिता जड़िया, महिमा लकड़ा, जिरेन डांग, जिरेन मड़की,अंकिता केरकेट्टा, उषा देवी, ज्योति देवी, पंचायत समिति सदस्य फुल केरिया डांग, ज्योति कश्यप,विनोद कुमार डब्ल्यू, मनोज कुमार,उपेंद्र बैठा,विनोद नायक,अंचल निरीक्षक भोला महतो, मिथिलेश शर्मा,गौरव कुमार, किशन कश्यप,रश्मि कुमारी, रोजगार सेवक करिश्मा बड़ाइक, उमा वर्मा, विनय कुमार सिंह,सभी पंचायत समिति सदस्य, रोजगार सेवक एवं अन्य लोग उपस्थित थे।

मजदूर नेता ने किया मजदूरों से मुलाकात

ठेठईटांगर। गुरुवार को झारखंड मजदूर यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष राजेश कुमार सिंह ने कोनमेंजरा सोनार टोली में बन रहे इंग्लिश मीडियम स्कूल निर्माण कार्य का निरीक्षण किया जहां पर उन्होंने मजदूरों से बात की इस दौरान मजदूरों ने बताया कि मजदूरों को कम मजदूरी दिया जा रहा है रेजा को 250 एवं कुली को 300 के दर से मजदूरी दिया जा रहा है। जबकि झारखंड सरकार का मजदूरी रेट 446 है। मजदूरों ने बताया ठेकेदार का नाम निर्मल बड़ा है जो समटोली में भी सिस्टर भवन निर्माण में भी वहां भी कम मजदूरी दिया है। श्री सिंह ने कहा कि जिला के उपायुक्त एवं श्रम अधीक्षक लिखित शिकायत दिया जाएगा ताकि भविष्य में सिमडेगा जिला में कहीं भी सरकारी काम या प्राइवेट काम मजदूरों को मजदूरी सही दर मिले। उन्होंने कहा अगर कार्रवाई नहीं हुआ तो ठेकेदार के खिलाफ धरना प्रदर्शन किया जाएगा। मौके पर आनंद, नौशादअंसारी, मुल्तजीर अंसारी आदि उपस्थित थे।

महिलाओं ने की होलिका पूजा, बाजारों में दिखा होली का रंग

सिमडेगा। होलिका दहन से पूर्व गुरुवार की सुबह महिलाओं ने होलिका पूजन किया। मौके पर महिलाएं होलिका दहन के लिए बने स्थल की परिक्रमा की और घर में बनाए गोबर के बड़कुले गोईठा आदि को चढ़ाया। कई महिलाओं ने होलिका पूजन का व्रत भी रखा था। रामजानकी मंदिर, नीचे बाजार में पुजन को ले भीड़ भाड़ देखी गई। बानो में भी श्रद्धालुओं ने होलिका पूजन किया। मौके पर होलिका दहन स्थल पर डांडा स्थापित किया गया है। भक्त प्रहलाद का प्रतीक स्थापना की गई है। महिलाओ ने दहन स्थल की परिक्रमा करते हुए डांडा के चारों और गोबर से बने बिटकुले डाला। गुरुवार की मध्य रात्रि 10:37 बजे के बाद होलिका दहन किया गया। इधर होली त्योहार को लेकर बाजारों में रौनक दिखी। होली को ले कपडो की दुकानो में भीड़ दिखी। इसके अलावे मिठाई और रंग अबीर की खरीदारी भी शुरु हो गई है। रंग अबीर खरीदने के लिए बच्चो में ज्यादा उत्साह देखा गया। बच्चें अपने अभिभावकों के साथ रंग अबीर, पिचकारी आदि की खरीदारी करते देखे गए।

कोलेबिरा प्रखंड कार्यालय सभागार में हुई पंचायत समिति सदस्यों की मासिक बैठक

कोलेबिरा। प्रखंड सभागार कार्यालय में प्रखंड विकास पदाधिकारी वीरेंद्र किंडो की अध्यक्षता में पंचायत समिति की बैठक हुई। बैठक में प्रखंड के सभी पंचायत के पंचायत समिति सदस्य एवं प्रखंड के सभी विभाग के प्रभारी उपस्थित थे।बैठक में सभी विभाग के कार्यों की विभाग वार समीक्षा की गई।प्रखंड विकास पदाधिकारी ने पंचायत के सभी पंचायत समिति सदस्य एवं मुखियाओं को पंचायत में संचालित सभी योजनाओं को जल्द से जल्द पूरा करने का निर्देश दिया।योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाने का निर्देश दिया गया साथ ही लंबित योजनाओं को यथाशीघ्र पूरा करने का भी निर्देश दिया गया।मौके पर प्रखंड प्रमुख दुतामी हेमरोम,उप प्रमुख सुनीता देवी,चिकित्सा प्रभारी डॉक्टर के के शर्मा,थाना प्रभारी शशिशंकर सिंह,अंचल अधिकारी अनूप कच्छप, सांसद प्रतिनिधि सुनील खड़िया,विधायक प्रतिनिधि श्यामलाल प्रसाद,सुलभ नेल्सन डुंगडुंग बीपीओ संजीता कुमारी सभ्य मुखिया गण,प्रखंड के लचरागढ़ पंचायत समिति सदस्य फुलकेरिया डांग एवं अन्य उपस्थित थे।

लचरागढ़ श्याम मित्र मंडल के तत्वाधान में श्याम महोत्सव का हुआ आयोजन

कोलेबिरा। प्रखंड के लचरागढ़ स्थित धर्मशाला में श्याम मित्र मंडल के तत्वाधान में भव्य श्याम महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में हारे के सहारे बाबा खाटू श्याम का भव्य दरबार सजाया गया। यजमान के रूप में रिक्की अग्रवाल और धर्मपत्नी प्रियांशी अग्रवाल ने भूमिका निभाई।बाबा की अलख ज्योत जलाई गई।लचरागढ़ मारवाड़ी महिला समिति द्वारा छप्पन भोग लगाया गया।श्याम मित्र मंडल के तत्वधान में श्याम भजन कीर्तन किया गया।सभी श्याम प्रेमियों को कार्यक्रम में पट्टा ओढ़ाकर सम्मनित किया गया।मौके पर कानपुर से आए कलाकार सुरजीत अलबेला,रेणु कोयल, काजल परदेशी ने भजन गाजर भक्तों में समा बांधा उनके द्वारा एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति दी गई। बाबा श्याम के दरबार में उड़ीसा,छत्तीसगढ़,मनोहरपुर सहित अन्य क्षेत्र के भक्तजन श्याम प्रेमी बाबा के दरबार में हाजिरी लगाने के लिए पहुंचे।

कोलेबिरा बानो व लचरागढ़ में होलिका दहन कार्यक्रम का हुआ आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

कोलेबिरा। कोलेबिरा बानो व लचरागढ़ में होलिका लहन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कोलेबिरा तथा बानो प्रखंड के विभिन्न गांवो मे होलिका दहन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।पुरोहित व पहान ने पुजा अर्चना किया।लचरागढ धर्मशाला के समीप होलिका दहन किया गया।विधि विधान से पुजा अर्चना किया गया। महिलाओ ने पुजा किया तथा प्रसाद का वितरण किया गया।मारवाड़ी समाज में होलिका दहन का है विशेष महत्व रंगों का त्योहार होली प्रेम तथा भाईचारा का संदेश देता है। यही कारण है कि हर समुदाय के लोग अलग-अलग ढंग से इस होली के त्योहार को मनाते हैं। मारवाड़ी समाज में होलिका दहन का एक विशेष महत्त्व है। समाज के लोगों द्वारा पूरे विधि विधान के साथ होलिका दहन की परंपरा को पूरा किया जाता है। मारवाड़ी समाज के प्रत्येक घर में महिलाएं द्वारा उत्साह के साथ गोबर की बड़कुला व होलिका तैयार कर किया जाता है। और फिर होलिका दहन वाले दिन पूरे विधि विधान के साथ महिलाएं होलिका दहन स्थल में गोबर के बने बड़कुले आदि चढ़कर पूजा अर्चना की जाती है। महिलाएं होलिका स्थल की परिक्रमा करते हुए कच्चे धागे भी बांधती है। होलिका दहन के बाद समाज के लोग होलिका में चना, जौ, गेहूं आदि को सेंककर प्रसाद के रूप में ग्रहण करते है।

नवविवाहित महिला करती है विशेष पूजा

मारवाड़ी समाज में होलिका दहन नवविवाहित महिलाओं के लिए काफी खास माना जाता है। होलिका की परिक्रमा कर नवविवाहिता सुखमय जीवन की कामना करती हैं। समाज की महिलाओं ने बताया कि होलिका दहन के बाद गणगोर उत्सव का आयोजन होगा। महिलाएं माता गंगोर की पूजा के लिए होलिका की राख अपने घर लाती है। और उसे पूजा घर में रखती है। लचरागढ़ के विनय अग्रवाल और रिक्की अग्रवाल ने कहा कि मारवाड़ी समाज में होली तथा होलिका दहन का विशेष महत्व है और यही कारण है कि काफी दिन पहले से ही होलिका दहन की तैयारी घरों में प्रारंभ हो जाती है। कार्यकर्म को सफल बनाने में संजय अग्रवाल, राजेश अग्रवाल,मनोज सेठिया, रामावतार अग्रवाल, रिक्की अग्रवाल, प्रभात सेठिया, विनय अग्रवाल अंकित अग्रवाल, तरुण अग्रवाल, कन्हैया अग्रवाल, सुभाष, अजय साव, अजय अग्रवाल,नितिन लुनिया,राहुल अग्रवाल, संजय पंडा के अलावा काफी संख्या में महिलाएं अन्य लोग उपस्थित थे।

कुरडेग पुलिस ने निकाला फ्लैग मार्च,शांति और भाईचारे से होली मनाने की अपील

कुरडेग। थाना प्रभारी नवीन कुमार एवं एसआई धनंजय कुमार के संयुक्त नेतृत्व में कुरडेग थाना के सभी पुलिस अधिकारी एवं कर्मियों ने होली पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहाद्र्पूर्ण वातावरण में मनाने को लेकर फ्लैग मार्च निकाला । फ्लैग मार्च थाना परिषर से निकलकर बस स्टैण्ड , झिरकामुण्डा, कदमटोली , प्रकाला , घाघमुण्डा जाकर वापस थाना लौट गई । इस संबंध में थाना प्रभारी नवीन कुमार ने बताया कि कुछ लोग पर्व के दौरान शराब पीकर चौक चौराहों पर हो हल्ला करने वालो बाइक चालक द्वारा ट्रीपल लोडिंग, अत्यधिक तीव्र गति से वाहन चलाने वालों , सोशल मिडीया पर गलत मैसेज भेजने वालो पर पुलिस की पैनी नजर रहेगी वहीं संबंधित मामले में संलिप्त पाये जाने पर विधि सम्मत कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी । थाना प्रभारी ने कहा कि पर्व को लेकर पुलिस सजग है किसी भी अप्रिय घटना होने पर तत्काल पुलिस को सुचना दें , तत्काल कारवाई की जाएगी । वहीं फ्लैग मार्च के दौरान उन्होंने लोगों से शांति व्यवस्था बनाए रखने , अफवाहो से बचने , संदिग्ध लोगों के बारे में सुचना देने की अपील की । फ्लैग मार्च में मुख्य रूप से एस आइ धनंजय कुमार , ए एस आइ शंकर सिंह के अलावे थाने के सभी पुलिस कर्मी मौजूद रहे ।

सक्सेस पॉइंट लचरागढ़ में हर्षोल्लास से आयोजित हुआ होली मिलन समारोह

कोलेबिरा। प्रखंड के लचरागढ़ स्थित द्विवेदी कॉम्प्लेक्स स्थित सक्सेस पॉइंट कंप्यूटर प्रशिक्षण संस्थान में होली मिलन समारोह सभी छात्र-छात्राओं,संस्थान के शिक्षकों एवम स्थानीय मीडिया बंधुओं की उपस्थिति में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।संस्थान के सभी छात्र-छात्राओं ने एक दूसरे को अबीर गुलाल लगाकर एवम होली गीतों पर नृत्य करते हुए रंगोत्सव बनाया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आगन्तुक अतिथियों द्वारा सभी को रंगों के महापर्व होली की अग्रिम शुभकामनाएं दी गई और एक दूसरे को भाईचारे के साथ होली मनाने के लिए प्रेरित किया गया।

राजन कुमार ने 1 माह में 33 नुक्कड़ नाटक करके बनाया एक और रिकॉर्ड

नवीन मेल संवाददाता। धनबाद
नुक्कड़ नाटकों के मास्टर राजन कुमार ने झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक और नाबार्ड के सहयोग से बफ्टा के कलाकारों संग कर दिखाया अद्वितीय कार्य धनबाद : नुक्कड़ नाटकों के माहिर हीरो राजन कुमार पिछले एक महीने से झारखंड के दौरे पर हैं। इस कड़ी ने वह मंगलवार और बुधवार को धनबाद में थे।जहां उन्होंने अपनी टीम के साथ 2 दिनों में 6 नाटकों को प्रस्तुत किया।धनबाद के महुदा मोड़, हरिणा,कतरास बाजार, धैया,धनसार और सरायढेला में कार्यक्रम किए। गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर राजन कुमार ने लगभग 30 दिनों में 33 लघु नाटक करके एक और रिकॉर्ड अपने नाम दर्ज कर लिया है। एचआरके (हीरो राजन कुमार) के नेतृत्व में बफ्टा के कई कलाकारों ने नुक्कड़ नाटको के माध्यम से झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक की योजनाओं का जागरूकता अभियान चलाया। बफ्टा मुम्बई के कलाकारों द्वारा नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किए गए। झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक की योजनाओं को अमली जामा पहनाने के लिए नाबार्ड के सहयोग से नुक्कड़ नाटक के माध्यम से यह बेमिसाल और लाजवाब कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। इस कार्यक्रम के द्वारा जेआरजी बैंक में खाता खोलने पर भी जोर दिया गया। सधी हुई पटकथा और मंझे हुए कलाकारों द्वारा 33 नुक्कड़ नाटक झारखंड के अलग - अलग ग्रामीण क्षेत्रों में करवाया गया। झारखंड राज्य के ग्रामीण आदिवासी बाहुल्य आम जनों को देखते हुए बफ्टा मुंबई से आए कलाकारो के मुखिया हीरो राजन कुमार ने बहुत ही सहजता से भगवान बिरसा मुंडा की धरती पर नुक्कड़ नाटक के माध्यम से पोशाक, मेकअप, साथ ही जोहार, जय झारखंड के नारों के साथ आम लोगों को बैंक की योजनाओं के बारे में जानकारी दी।

होली पर्व को लेकर पुलिस अधीक्षक ने किया फ्लैग मार्च

रामगढ़। पुलिस अधीक्षक रामगढ़ द्वारा रामगढ़ जिला के रजरप्पा थाना अंतर्गत चितरपुर में एवं रामगढ़ जिला के अन्य सभी थाना/ओपी में संबंधित अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, पुलिस निरीक्षक के नेतृत्व में होली पर्व को लेकर फ्लैग मार्च किया गया। मौके पर पुलिस अधीक्षक ने आम जनता से शांतिपूर्ण ढंग से हिली पर्व मनाने एवं विधि व्यवस्था बनाए रखने का अपील कई।

16 मार्च की सुबह 6 बजे तक कार्यरत रहेगा जिला नियंत्रण कक्ष

धनबाद । होली को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण व हर्षोल्लास के साथ संपन्न कराने के लिए उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी माधवी मिश्रा, वरीय पुलिस अधीक्षक हृदीप पी जनार्दनन तथा अपर जिला दंडाधिकारी (विधि व्यवस्था) पीयूष सिन्हा ने संयुक्त आदेश जारी कर जिले को कतरास, धनबाद, चिरकुंडा, तोपचांची, झरिया, गोविंदपुर एवं टुंडी जोन में बांटा है। सभी जोन में जोनल दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी तथा सभी थाना व ओपी में पुलिस पदाधिकारी के साथ दंडाधिकारी मौजूद रहेंगे। साथ ही सभी थाना क्षेत्र में पुलिस का मोटरसाइकिल दस्ता लगातार भ्रमणशील रहेगा। होली के अवसर पर 13 मार्च को दोपहर 2 बजे से 16 मार्च की सुबह 6 बजे तक जिला नियंत्रण कक्ष कार्यरत रहेगा। अनुमंडल पदाधिकारी राजेश कुमार जिला नियंत्रण कक्ष के संपूर्ण प्रभार में रहेंगे। जबकि डीएसपी सीसीआर सुमित कुमार पुलिस पदाधिकारी के वरीय प्रभार में रहेंगे। जिला नियंत्रण कक्ष का दूरभाष संख्या 0326 - 2311217, 0326 - 2311807 एवं 112 है। होली के अवसर पर मादक पदार्थ एवं शराब की अवैध बिक्री करने वालों पर कार्रवाई करने के लिए सभी उत्पाद निरीक्षक तथा अवर उत्पाद निरीक्षक कंट्रोल रूम में मौजूद रहेंगे।

न्यूज | बॉक्स

होली व रमजान को लेकर तिसरी पुलिस ने निकाला फ्लैग मार्च

तिसरी। तिसरी पुलिस ने होली पर्व को शांतिपूर्वक मनाने के लिए गुरुवार को तिसरी चौक, चंदौरी, पलमरुआ, गुमगी समेत विभिन्न क्षेत्रों में फ्लैग मार्च निकालकर शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील की। इस दौरान पुलिस इंस्पेक्टर पास्कल टोप्पो, थाना प्रभारी रंजय कुमार, एसआई नन्द राय, एएसआई संजय टुडू सहित दर्जनों पुलिस जवान और चौकीदार शामिल रहे। पुलिस इंस्पेक्टर पास्कल टोप्पो ने कहा कि जिस तरह हमलोगों को होली है उसी तरह से रामजान पाक माह भी चल रहा है। इस दौरान हम सभी को आपसी सद्भाव के साथ पर्व मनाना है। हर कोई एक दूसरे के धर्मों का ख्याल रखना है। होली शांति व सौहार्द्र का प्रतीक है। इसमें हमलोग मिलजुल कर मनाते हैं और एक दूसरे को होली पर्व की शुभकामनाएं देते हैं। थाना प्रभारी ने लोगों से सौहार्दपूर्ण माहौल में त्योहार मनाने की अपील की और अफवाहों से बचने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखी जा रही है और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

फ्लैग मार्च निकाल, होली शांतिपूर्ण तरीके से मनाने की अपील की

नवीन मेल संवाददाता। गांडेय,गिरिडीह
होली पर्व को शांति पूर्ण तरीके से मनाने को लेकर गांडेय थाना की पुलिस ने गुरुवार शाम को थाना प्रभारी आनंद प्रकाश सिंह के नेतृत्व पुलिस पदाधिकारी व जवानों ने गांडेय थाना परिसर से महुदामोड गांडेय मुख्य बाजार होते हुए ब्लॉक गेट तक फ्लैग मार्च किया। इस दौरान सभी लोगों से शांति पूर्ण तरीके से होली मनाने की अपील की। फ्लैग मार्च में साथ में चल रहे अंचल निरीक्षक कमाल खान ने गांडेय वासियों को होली की शुभकामनाएं दी और कहा कि होली का त्यौहार शांति पूर्ण वातावरण व सौहार्दपूर्ण तरीके से मनाएं। किसी भी तरह की समस्या होने पर प्रशासन को सूचना दें। प्रशासन हर समय आपलोगों की सेवा के लिए तैयार है। रमजान व होली में वैसे लोगों को पुलिस प्रशासन पैनी नजर रखे हुई जो उदंडता व उपद्रव मचान की सोच रहे हो। वैसे लोगों से तो प्रशासन अच्छी तसह हिसाब लेगी। मौके पर प्रमुख राजकुमार पाठक, एस आई संतोष सिंह दर्जनों पुलिस जवान मौजूद थे

महेंद्र बने केंद्रीय कार्यकारिणी सदस्य

धनबाद । टोटेमिक कुड़मी विकास मोर्चा का एकदिवसीय अधिवेशन धुर्वा रांची में सम्पन्न हुई। जिसकी अध्यक्षता जेएसी के पूर्व अध्यक्ष डॉ अनिल कुमार महतो ने किया। इस अधिवेशन में सर्वसम्मति से शीतल ओहदार को पुनः केन्द्रीय अध्यक्ष चुना गया। इस मौके पर समाज के शिक्षाविद रांची विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ० मुकुन्दचंद मेहता, पूर्व रजिस्ट्रार अमर कुमार चौधरी कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। अधिवेशन में केन्द्रीय कमिटी का पुनर्गठन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे डॉ० अनिल कुमार महतो ने अपने विचार रखते हुए पुनर्गठित सभी पदाधिकारियों को समाज के हित में काम करने की सलाह दी। डॉ० अमर कुमार चौधरी ने समाज के सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दी और कहा कि शीतल ओहदार की अगुवाई में हो रहें समाज के अधिकार के लिए लड़ाई लड़ी जा सकती है। केन्द्रीय अध्यक्ष चुने जाने के बाद श्री ओहदार ने अधिवेशन को संबोधित करते हुए कहा कि कुड़मी (महतो) जनजाति को अनुसूचित जनजाति की सूची में शामिल करने तक यह आंदोलन जारी रहेगा। मौके पर राजेंद्र महतो,ज्ञदानि सिंह महतो,सोना लाल महतो, दिनेश महतो,अमरू महतो , भुनेश्वर महतो, वकील महतो, अशोक महतो, हेमलाल महतो, मिथलेश महतो सहित सैकड़ों सदस्य शामिल हुए।

मिथिला सांस्कृतिक परिषद के होली मिलन में फगुआ गीतों की बौछार

बोकारो। इस्पातनगरी बोकारो में चौतरफा होलियाना माहौल है. मिथिला सांस्कृतिक परिषद की ओर से सेक्टर-4 स्थित मिथिला एकेडमी पब्लिक स्कूल में होली मिलन समारोह का आयोजन हुआ. समाहरोह में खूब अबीर-गुलाल उड़े. वहीं, पारंपरिक फगुआ गीतों की घंटों बौछार होती रही. ढोलक, झाल-मंजीरा और हारमोनियम के साथ परिषद की कीर्तन मंडली के कलाकारों ने फागुन-रस की ऐसी बौछार की कि सभी लोग उसमें सराबोर हो गए. कलाकारों ने फगुआ गीतों- बाबा हरिहरनाथ सोनपुर में खेले होलीङ्क, बिरज में होरी खेलत नंदलालङ्क मिथिला में राम खेलथी होरीङ्क, खेले मसाने में होरी दिगंबरङ्क जैसे गीतों की झड़ी लगा दी. इससे पहले सभी आगंतुकों का स्वागत अबीर, मिष्ठान्न, पकौड़ी और ठंडई से किया गया. परिषद के अध्यक्ष जय प्रकाश चौधरी ने सभी का स्वागत किया. उन्होंने मिथिला समाज के लोगों से एकजुट होकर आगे बढ़ने का आह्वान किया.

झारखंड के वैज्ञानिक की पंजाब में पीट-पीटकर हत्या

अभिषेक मूल रूप से धनबाद के रहने वाले थे

नवीन मेल संवाददाता। रांची
पंजाब के मोहाली स्थित सेक्टर-67 में पार्किंग विवाद को लेकर भारतीय विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान संस्थान (आईआईएसईआर) के वैज्ञानिक अभिषेक स्वर्णकार की पीट-पीट कर हत्या कर दी गई है। अभिषेक मूल रूप से धनबाद के रहने वाले थे। पुलिस ने इस मामले में आरोपी के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया है। मिली जानकारी के अनुसार अभिषेक स्वर्णकार घर के बाहर अपनी बाइक पार्क कर रहे थे। इसी दौरान उनका झगड़ा अपने पड़ोसी मोंटी और अन्य लोगों के साथ हो गया। पार्किंग की जगह को लेकर विवाद शुरू हुआ फिर गाली-गलौज, धक्का-मुक्की होने लगी। इसी बीच मोंटी ने अभिषेक को जमीन पर गिरा दिया और उसके पेट और छाती पर मुक्के से हमला करने लगा।अभिषेक अपने माता-पिता के साथ मोहाली में किराए के मकान में रहते थे और वो किडनी से संबंधित बीमारी से ग्रसित थे। स्वास्थ्य कारणों से वो विदेश से भारत आए थे। हाल ही में उनकी बहन ने उन्हे किडनी दान की थी और वो डायलिसिस पर थे। बताया जा रहा है कि झगड़ा के दौरान अभिषेक घटनास्थल पर ही अचेत हो गये और घबराकर मोंटी उसे प्राइवेट अस्पताल ले गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हाल ही में अभिषेक ने आईआईएसईआर नेशनल पोस्ट डॉक्टोरल फेलोशिप के तहत ज्वाइन किया था। इस संबंध में फेज-11 पुलिस थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई है। डॉ. अभिषेक के भाई स्वयं स्वर्ण ने बताया कि अक्तूबर 2020 में आईआईएसईआर में अभिषेक ने ज्वाइन किया था। वे मोहाली में माता-पिता के साथ किराये के फ्लैट में रह रहे थे। बताया कि कतरास(धनबाद) में उनके आवास पर अभी कोई नहीं रहता है।

सीजेएम कोर्ट कैंपस में होली मिलन आयोजित

धनबाद । कुमार एंड गुप्ता एसोसिएशन के तत्वाधान में सीजेएम कोर्ट कैंपस में बुधवार को होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया।कार्यक्रम का नेतृत्व सुबोध कुमार और राहुल कुमार के द्वारा किया गया।उपस्थित अधिवक्ताओं ने हर्षोल्लास के साथ धूमधाम से होली मनाया और एक दूसरे को रंग गुलाल लगाकर बधाई दी।मौके पर अधिवक्ता अजय नारायण,रंजन सिन्हा,सतीश प्रसाद,रंजीत महतो,मोहन महतो,अश्वनी शरण,संजय महतो,श्रीराम सिन्हा,सुरदीप सिन्हा,बबलू महतो,रवि प्रसाद, रंजीत ठाकुर,प्रवास घोष एवं अन्य लोग मौजूद रहें।

होली और रमजान को लेकर पुलिस प्रशासन ने निकाली फ्लैग मार्च

गावां गिरिडीह। होली और रमजान के दौरान में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में है। जिसे लेकर अंचलाधिकारी अविनाश रंजन, बीडीओ महेंद्र रविदास व थाना प्रभारी अविनाश कुमार सिंह के नेतृत्व में गुरुवार को फ्लैग मार्च निकली गई। इस दौरान फ्लैग मार्च थाना से निकलकर गावां बाजार, बिरने, मंझने बाजार, पिहरा बाजार, माल्डा बाजार, नगवां व खरसान सहित अन्य जगह का भ्रमण कर लोगों से आपसी सौहार्द के साथ पर्व मनाने की अपील की। वहीं जवानों ने स्थानीय लोगों से मुलाकात की और उनसे शांति बनाए रखने का आग्रह किया। पुलिस अधिकारियों ने लोगों से किसी भी प्रकार की अफवाहों से बचने और शांतिपूर्ण माहौल बनाए रखने की सलाह दी। मौके पर सभी पंचायत के मुखिया व पुलिस बल जवान मौजूद थे।

संथाल क्रिकेट चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का समापन

रंजीत 11 विजेता तो पंदनाटांड बनी उपविजेता

◆बाबूलाल के सुपुत्र सह समाजसेवी सनातन मरांडी ने कप व राशि देकर किया सम्मानित

नवीन मेल संवाददाता। तिसरी
प्रखंड मुख्यालय स्थित गांधी मैदान में चार दिनों से चल रहे संथाल क्रिकेट चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का गुरुवार को समापन हो गया है। इस दौरान प्रथम विजेता रंजीत 11 देवघर की टीम और उपविजेता पंदनाटांड पैंथर की टीम बनी वहीं तृतीय स्थान पर रॉयल क्लब तिसरी और चतुर्थ स्थान पर झारखण्ड टूप टाटा की टीम रही। विजेता टीम रंजीत 11 देवघर और उपविजेता पंदनाटांड पैंथर की टीम को पूर्व मुख्यमंत्री सह नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी के सुपुत्र सह समाजसेवी सनातन मरांडी ने कप और 50 हजार रुपय देकर सम्मानित किया। इसके अलावे रॉयल क्लब तिसरी और झारखण्ड टूप टाटा की टीम को भी सम्मानित किया गया। बता दें कि संथाल युवा क्लब तिसरी द्वारा आयोजित इस 4 दिवसीय नॉकआउट मुकाबले में कुल 16 टीमों ने हिस्सा लिया था। जिसमें लोकल टीमों के अलावे बंगाल के आसनसोल, बिहार के बाम्दाह, धनबाद, जमशेदपुर, देववघर, गोड्डा और रामगढ़ की टीमें भी शामिल थीं। वहीं प्रत्येक टीम से 8 संथाल और 3 गैर संथाल खिलाड़ियों ने भाग लिया। जिसका मुख्य अतिथि पूर्व मुख्यमंत्री सह नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी के पुत्र सनातन मरांडी द्वारा विधिवत फीता काटकर टूर्नामेंट का शुभारंभ किया था. कमिटी के अध्यक्ष राम किस्कू, कुंदन सिंह, रोहित सिंह आदि के द्वारा सारे मैच एमएमएम लाइव यूट्यूब चैनल पर दिखाने की व्यवस्था की गई थी।

सूरज महतो अपने सैंकड़ों समर्थकों के साथ झामुमो में शामिल

सूरज महतो एक युवा और कर्मठ नेता : मुख्यमंत्री

नवीन मेल संवाददाता। धनबाद/रांची
जनशक्ति दल के सुप्रीमो और बाघमारा के कर्मठ युवा नेता सूरज महतो बुधवार को अपने राजनीतिक सफर की नई शुरूआत करते हुए एक बार फिर से झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) में शामिल हुए।रांची स्थित झामुमो के प्रधान कार्यालय में महासचिव सह प्रवक्ता विनोद पांडेय की उपस्थिति में सूरज महतो ने अपने समर्थकों के साथ पार्टी में पुनः प्रवेश किया। इस अवसर पर श्री पांडेय ने सैंकड़ों समर्थकों को भी पार्टी में शामिल किया। सूरज महतो ने अपने विचार साझा करते हुए कहा, ₹मैं झारखंड मुक्ति मोर्चा का पुराना सिपाही हूं। मैंने झामुमो के सिंबल पर बाघमारा से विधानसभा चुनाव भी लड़ा था। बीच में रास्ता भटक गया था, लेकिन अब अपने घर को संवारने और मजबूत करने के लिए वापस लौटा हूं।₹ उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि अब वे अंतिम सांस तक झामुमो में रहकर दिशुम गुरु शिबू सोरेन और झारखंड के युवा दिलों की धड़कन मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के हाथों को मजबूती प्रदान करेंगे। 2025 के विधानसभा चुनाव में नकारात्मक परिणामों के बाद सूरज महतो ने कई अहम फैसले लिए थे। उनके त्वरित राजनीतिक निर्णयों से उनके करीबी भी हैरान थे,लेकिन बाघमारा के राजनीतिक गलियारों में लगातार यह चर्चा थी कि सूरज महतो कोई बड़ा कदम उठाने वाले हैं। अब झामुमो में शामिल होने की खबर ने उनके विरोधियों को सोचने पर मजबूर कर दिया है। श्री महतो के करीबियों का कहना है कि वह नए जोश और ऊर्जा के साथ अपने पुराने घर लौटे हैं, जिससे बाघमारा की राजनीति में हलचल होना तय है। इस मौके पर झामुमो के धनबाद धनबाद जिला संयोजक प्रमुख सह पूर्व जिलाध्यक्ष लखी सोरेन, पूर्व उपाध्यक्ष मुकेश सिंह, हरीश सिंह, मो इम्तियाज अहमद नजमी, मिराज खान, उमेश राम समेत कई वरिष्ठ नेताओं ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया और उनके राजनीतिक भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात बनी बदलाव की वजह

बाघमारा की राजनीति में एक बड़ा मोड़ तब आया जब युवा नेता सूरज महतो ने झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) में फिर से वापसी की। पिछले कुछ हफ्तों से उनके झामुमो में शामिल होने की अटकलें तेज थीं, जो अब सच साबित हो गईं।

बीते सप्ताह सूरज महतो की झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात हुई थी। इस दौरान मुख्यमंत्री ने न केवल उनका गर्मजोशी से स्वागत किया, बल्कि उन्हें उज्जवल भविष्य का आशीर्वाद भी दिया। मुख्यमंत्री सोरेन ने कहा, ₹सूरज महतो एक युवा और कर्मठ नेता हैं।

भरकट्टा में पूर्व विधायक ने कृष्णा वस्त्रालय का फीता काटकर किया उद्घाटन

बिरनी। बिरनी प्रखंड के भरकट्टा में गुरुवार को पानी टंकी के सामने कृष्णा वस्त्रालय नामक कपड़े की दुकान का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर पूर्व विधायक विनोद कुमार सिंह ने फीता काटकर वस्त्रालय का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय लोग और जनप्रतिनिधि शामिल हुए। दुकान के संचालक विजय वर्मा ने बताया कि उनके प्रतिष्ठान में साड़ी, लहंगा, सूट, शेरवानी, कुर्ता-पायजामा, जींस और टी-शर्ट सहित विभिन्न प्रकार के कपड़े उचित मूल्य पर उपलब्ध होंगे। उन्होंने कहा कि ग्राहकों को किफायती और उच्च गुणवत्ता वाले परिधानों की सुविधा देने के लिए यह दुकान खोली गई है। इस अवसर पर पूर्व विधायक विनोद कुमार सिंह ने कहा कि ऐसे व्यावसायिक प्रतिष्ठान क्षेत्र की आर्थिक प्रगति में सहायक होते हैं और लोगों को रोजगार के अवसर भी प्रदान करते हैं। उन्होंने स्थानीय व्यापार को बढ़ावा देने पर जोर दिया।

पंचायत के हर बच्चे को स्कूल भेजने का मुखिया लें संकल्प : डीडीसी

सरकार बच्चों को शिक्षित करने के लिए सारी सुविधाएं दे रही है पर आठवीं के बाद गांव की बच्चियां स्कूल नहीं जाती है

नवीन मेल संवाददाता। धनबाद
पंचायत के हर बच्चे को स्कूल भेजने का हर मुखिया संकल्प लें। इसमें सक्रिय रूप से अपनी भूमिका निभाएं। मनुष्य के विकास और सफलता में शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका है। यह बातें उप विकास आयुक्त सादात अनवर ने बुधवार को न्यू टाउन हॉल में झारखंड शिक्षा परियोजना धनबाद द्वारा आयोजित जिला स्तरीय मुखिया सम्मेलन में कही। उन्होंने कहा कि बच्चों को शुरू से अच्छी शिक्षा मिलनी चाहिए। इसके लिए मुखिया एवं जनप्रतिनिधियों की सहभागिता आवश्यक है। मुखिया को हर महीने विद्यालयों का भ्रमण करना चाहिए। वहां जो भी कमी है उसे दूर करनी चाहिए। ड्रॉप आउट बच्चों को विद्यालय में वापस लाने के लिए उनके माता-पिता से मिलकर पहल करनी चाहिए। पंचायत के बच्चे शिक्षित होंगे तो पंचायत भी आगे बढ़ेगी। सरकार बच्चों को शिक्षित करने के लिए सारी सुविधाएं दे रही है। उन्होंने कहा कि आठवीं के बाद गांव की बच्चियां स्कूल नहीं जाती है। कार्यक्रम में जिला शिक्षा पदाधिकारी अभिषेक झा ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में जनप्रतिनिधियों की सहभागिता महत्वपूर्ण है। इससे शिक्षा का विकास संभव है। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधीक्षक आयुष कुमार ने नव साक्षरता कार्यक्रम, जन चेतना केंद्र सहित अन्य बिंदुओं पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए विभिन्न पंचायत के मुखिया को मोमेंटो, प्रशस्ति पत्र एवं शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ उप विकास आयुक्त, जिला परिषद अध्यक्ष सहित अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलित करके किया। कार्यक्रम में जिला समाज कल्याण पदाधिकारी अनीता कुजूर, जिला पंचायती राज पदाधिकारी मुकेश कुमार बाउरी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी सुनील कुमार सिंह के अलावा कलियासोल, गोविंदपुर, निरसा, एगारकुंड, बाघमारा, पूर्वी टुंडी, धनबाद एवं टुंडी के प्रखंड विकास पदाधिकारी, प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी सहित विभिन्न पंचायत के मुखिया मौजूद थे।

शांति व सौहार्द्र के लिए पुलिस प्रशासन ने निकाला फ्लैग मार्च

नवीन मेल संवाददाता। बिरनी
बिरनी पुलिस ने गुरुवार को लेवरा, माखमरगो, पलौंजिया बाजार, कुबरी मोड़, झरखी, जुठाहआम, खुरजीओ, द्वारपहरी, पेशम, शाखाबारा भरकट्टा बाजार समेत विभिन्न क्षेत्रों में फ्लैग मार्च निकालकर शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील की। थाना प्रभारी आकाश भारद्वाज के नेतृत्व में हुए इस मार्च में भरकट्टा ओपी प्रभारी अमन कुमार, एएसआई शंभू सिंह, जितेंद्र कुमार सहित दर्जनों पुलिस जवान और चौकीदार शामिल रहे। थाना प्रभारी ने लोगों से सौहार्दपूर्ण माहौल में त्योहार मनाने की अपील की और अफवाहों से बचने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखी जा रही है, और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें। जो पर्व में हुड़दंग माचाने का प्रयास करता है तो आपलोग पुलिस प्रशासन को शीघ्र सूचना दें, फिर पुलिस प्रशासन उनसे अच्छी तरह स्वागत करेगी। पुलिस वैसे लोगों पर पैनी निगाहें रख रही है।

लघु उद्योग भारती का पारिवारिक होली मिलन समारोह का हुआ समापन

झारखंडी संस्कृति होली के रंग में रंगी : मुकुंद नायक

नवीन मेल संवाददाता। रामगढ़
अपनी माय, माटी , भाषा और संस्कृति पर गर्व करते हुए उसकी रक्षा करते रहना है तभी देशज संस्कृति अक्षुण रहेगी और झारखंड का सम्मान बढ़ेगा। लघु उद्योग भारती द्वारा 13 मार्च को आयोजित पारिवारिक होली मिलन समारोह में उपस्थित जनों को संबोधित करते अपने गीतों से लोगों को झूमाते हुआ पद्मश्री मुकुंद नायक ने कही।
उन्होंने खेल सखी मधुबना में के गीत पर संस्कृति के रंग में रंग जाने की बात कही। समारोह को लघु उद्योग भारती के प्रांतीय महामंत्री विजय मेवाड़, होली के रंग में पूरा देश रंग जाता है। उन्होंने कहा हम अपने पर्व त्योहारों का सम्मान करके हीं अपनी संस्कृति का नवोत्थान कर सकते हैं । लघु उद्योग भारती की रामगढ़ जिला इकाई द्वारा होटल शिवम् इन्न के सभागार में आयोजित यह समारोह, धूम धाम से नृत्य और गीत के साथ शानदार संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पद्मश्री मुकुंद नायक तथा विशिष्ट अतिथि पद्मश्री महावीर नायक ने दीप प्रज्ज्वलित कर मां भारती और भगवान विश्वकर्मा की तस्वीर पर माल्यार्पण कर समारोह का शुभारंभ किया।मौके पर पद्मश्री मुकुंद नायक के टीम में शामिल कलाकारों ने ढोल नगाड़ों, बांसुरी तथा अन्य स्वदेशी वाद्य यंत्रों से नागपुरी गीतों का खूब शमां बांधा। द्वय पद्मश्री के गीत और कलाकारों के वाद्य यंत्रों पर महिला, पुरुष ,बच्चे और तरुणों ने खूब ठुमके लगायें । इस अवसर पर एक दूसरे को अबीर का तिलक लगा जमकर फूल- पंखुड़ियों से होली खेली। राष्ट्रीय स्तर पर तीरंदाजी में सिल्वर मेडल विजेता वर्मा सहित उनके पिता संजय वर्मा और उनकी माँ को अंग वस्त्र से सम्मानित किया गया। लघु उद्योग भारती के प्रांतीय महामंत्री विजय मेवाड़, प्रांतीय उपाध्यक्ष प्रवीण झा, शाखा अध्यक्ष अनिल गोयल, सचिव अखिलेश सिंह, सचिन अग्रवाल, सुरेश अग्रवाल ने समारोह को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की।

सुप्रभात

विचार प्रवाह

जो सदा मुझसे युक्त हैं, और प्रेमपूर्वक मेरी आराधना करते हैं, उन्हें मैं वह मेधा (बुद्धियोग) प्रदान करता हूँ, जिसके द्वारा वे मुझे पूर्ण रूप से प्राप्त करते हैं। - **भगवान् श्रीकृष्ण, "श्रीमद्भगवद् गीता" में**

संपादकीय

रंगोत्सव का वैज्ञानिक पक्ष

होली वसंतोत्सव है। विविध रंगों में बरसाना की लठमार होली की बात ही कुछ और है। राधा-कृष्ण को भी इस पर्व से जोड़ दिया गया है ताकि सांसारिक प्राणियों को उनका सुख मिलता रहे। वहीं, खान-पान के नजरिए से मालपुआ इस पर्व का सुप्रसिद्ध पकवान है, जिसको पकाने के तौर तरीके क्षेत्र के हिसाब से बदल जाते हैं। ठंडई इस दिन का प्रचलित पेय है जो भांग से बनती है। इसमें मेवा और दूध भी डाले जाते हैं। इन सबको अतिथियों को भी परोसा जाता है। सवाल है कि होली का त्योहार फाल्गुन मास की पूर्णिमा तिथि को ही क्यों मनाया जाता है? दूसरा सवाल है कि होली जलाने का क्या कोई वैज्ञानिक कारण भी है या सिर्फ धार्मिक मान्यता ही है? धार्मिकता की बात करें तो पौराणिक कथा के अनुसार, असुरराज हिरण्यकशिपु का पुत्र प्रह्लाद भगवद्भक्त था अर्थात भगवान विष्णु का अनन्य भक्त, जिसकी भक्ति सुरभि से पूरा साम्राज्य सुवाषित हो रहा था। शायद इसलिए असुरराज हिरण्यकशिपु निज पुत्र प्रह्लाद को भगवान श्रीहरि की पूजा करने से मना किया करता था। किन्तु जब भक्तराज प्रह्लाद अपने पिता की बात नहीं माने तो उसने यानी हिरण्यकशिपु ने उन्हें यानी प्रह्लाद को मारने के नानाविध उपाय किए, लेकिन असफल रहा। कभी प्रह्लाद को पहाड़ पर ले जाकर गहरी खाई में गिराया तो कभी अस्त्र-शस्त्र से उसे मारने का प्रयास किया गया, किन्तु हिरण्यकशिपु के सभी प्रयास विफल रहे। इससे चिंतित हिरण्यकशिपु की बहन होलिका ने कहा- "भैया! मैं एक पल में इसे जलाकर मार सकती हूँ। मैं इसे गोद में लेकर जलती चिता में बैठ जाऊँगी और यह जलकर मर जायेगा। क्योंकि मुझे वरदान है कि मैं जलती अग्नि में प्रवेश कर जाऊँ तो भी नहीं जलूँगी।" किन्तु होलिका यह भूल गई थी कि यह वरदान उसे अकेली रहने पर की अवधि के लिए मिला था न कि किसी को साथ लेकर प्रविष्ट होने के लिए। इसलिए वह खुशी-खुशी चिता तैयार करवाकर प्रह्लाद को लेकर बैठ गई। चिता में उसके ही कहने पर राक्षसों ने आग लगाई। उधर प्रह्लाद आँखें बंद किए हरि के नाम का स्मरण करने में लीन थे। आग लगते ही होलिका जलकर भस्म हो गयी और प्रभु कृपा से प्रह्लाद का बाल भी बाँका न हुआ। मान्यता है कि यह घटना बिहार के पूर्णिया जिले में पूर्णिमा के समीप ही घटित हुई थी, इसलिए तब से पूर्णिमा के दिन ही उस राक्षसी होलिका को जलाने की प्रक्रिया पूरे देश में हर वर्ष मनाई जाती है। इस प्रकार भारत में आश्विन मास में रावण दहन और फाल्गुन माह में होलिका दहन के द्वारा बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश जनमानस को दिया जाता है। इससे एक सप्ताह पहले और एक सप्ताह बाद तक होली मिलन समारोह मनाया जाता है, ताकि राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक और सांस्कृतिक समरसता बनी रहे। क्या गरीब क्या बहुत अमीर सभी इस पर्व को उल्लास पूर्वक मनाते हैं। अब तो यह विधान भारतीयों के साथ पूरी दुनिया में पहुंच गया है। वहीं, जल रही होलिका में लोग खेतों से जौ, चने गेहूँ, आलू आदि नई फसलों की बालियाँ या फली तोड़कर भूनते हैं। यह भूनने की क्रिया करने का अर्थ है कि सर्वप्रथम हम अपने देवताओं को अन्न की आहुतियाँ प्रदान करते हैं। पहले आहुतियाँ अग्नि में ही दी जाती हैं। उसके बाद प्रसाद स्वरूप अन्न घर ले जाते हैं अर्थात् उसके बाद गेहूँ, जौ आदि फसलों की कटाई शुरू होती है।

सवाल है कि होली का त्योहार फाल्गुन मास की पूर्णिमा तिथि को ही क्यों मनाया जाता है?

होलिका दहन में अपने अहंकारों की तिलांजलि दें

होलिका दहन केवल एक पौराणिक कथा से जुड़ा पर्व नहीं है, बल्कि यह हमें गहरे जीवन मूल्यों और शिक्षाओं को आत्मसात करने का अवसर भी प्रदान करता है। यह त्योहार हमें बुराई पर अच्छाई की जीत, सत्य की शक्ति, और अहंकार के विनाश का संदेश देता है। यदि हम इस पर्व के वास्तविक अर्थ को समझें और इसे अपने जीवन में लागू करें, तो न केवल व्यक्तिगत स्तर पर बल्कि सामाजिक स्तर पर भी सकारात्मक परिवर्तन ला सकते हैं। होलिका दहन की कथा जैसा कि हम जानते हैं या बूढ़े बुजुर्गों से सुने हैं। प्रह्लाद, हिरण्यकशिपु और होलिका से जुड़ी है। हिरण्यकशिपु अपने घमंड और अहंकार के कारण स्वयं को भगवान मानने लगा था और चाहता था कि हर कोई उसकी पूजा करे। लेकिन उसका पुत्र प्रह्लाद भगवान विष्णु का परम भक्त था। हिरण्यकशिपु ने कई बार प्रह्लाद को मारने का प्रयास किया, लेकिन हर बार वह असफल रहा। अंत में, उसने अपनी बहन होलिका को यह कार्य सौंपा। होलिका को यह वरदान था कि वह आग में नहीं जलेगी, इसलिए वह प्रह्लाद को गोद में लेकर अग्नि में बैठ गई। लेकिन भगवान की कृपा से प्रह्लाद सुरक्षित रहा और होलिका स्वयं जलकर भस्म हो गई। यह कथा हमें सिखाती है कि अहंकार, अन्याय और अत्याचार का अंत निश्चित है। हिरण्यकशिपु की तरह जो भी अपने घमंड में दूसरों पर अत्याचार करता है, उसका नाश तय है। आज का समाज भी अहंकार की आग में जल रहा है। व्यक्ति के भीतर धन, पद, शक्ति और प्रसिद्धि का घमंड इतना बढ़ गया है कि वह सही और गलत का भेद करना भूल जाता है। यही अहंकार रिश्तों में दरार डालता है, मनुष्य को स्वार्थी बनाता है, और उसे नैतिकता से दूर कर देता है। युवा पीढ़ी विशेष रूप से इस मानसिकता से ग्रसित होती जा रही है। सोशल मीडिया पर लाइक्स और फॉलोअर्स की होड़, दूसरों से आगे बढ़ने की लालसा, और बिना मेहनत के सफलता पाने की चाहत – यह सब अहंकार को बढ़ावा दे रहा है। यह वही मानसिकता है जिसने हिरण्यकशिपु को नष्ट किया था। होलिका दहन हमें अवसर देता है कि हम अपने भीतर झांकें और आत्ममंथन करें। जिस प्रकार होलिका जलकर नष्ट हो गई, उसी प्रकार हमें अपने भीतर की नकारात्मक प्रवृत्तियों—अहंकार, क्रोध, ईर्ष्या, लोभ और असत्य—का दहन करना चाहिए। जब हम इन नकारात्मक गुणों को जलाकर राख कर देंगे, तभी हम एक सच्चे और अच्छे इंसान बन सकते हैं। हमें अपनी युवा पीढ़ी को यह सिखाना होगा कि होली केवल रंग खेलने और मौज-मस्ती करने का त्योहार नहीं है, बल्कि यह आत्मशुद्धि और आत्मसाक्षात्कार का पर्व भी है। होलिका दहन का सही अर्थ समझकर यदि युवा अपने अंदर के नकारात्मक विचारों को त्याग दें, तो वे एक स्वच्छ मानसिकता के साथ समाज में वापस लौट सकते हैं और एक अच्छे समाज का निर्माण कर सकते हैं। जब हम अपने अहंकार, द्वेष और नकारात्मक विचारों का त्याग करेंगे, तभी एक बेहतर समाज बना सकेंगे। हमें दूसरों की मदद करने, सद्भावना रखने और मिल-जुलकर रहने की आदत डालनी चाहिए। अगर हम सही मायनों में होलिका दहन के संदेश को आत्मसात कर लें, तो यह त्योहार केवल एक परंपरा नहीं रहेगा, बल्कि एक क्रांतिकारी परिवर्तन का माध्यम बन जाएगा। होलिका दहन केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि आत्ममंथन और सुधार का प्रतीक है। यह हमें सिखाता है कि अहंकार, अन्याय और बुराई कितनी भी शक्तिशाली क्यों न हो, अंततः उनका विनाश निश्चित है। इस होली, आइए हम सभी अपने भीतर के अहंकार, नकारात्मकता और बुरी आदतों का दहन करें और एक अच्छे, स्वस्थ भविष्य और खुशहाल समाज के निर्माण में योगदान दें।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

आज की **बात**

डॉ दीपक प्रसाद
रंगकर्मी, निर्देशक
सहायक आचार्य

धूल भरी सड़कें और टूटे हुए सपने

शिवपुर के छोटे से गाँव में जीवन हमेशा सादगी और संघर्ष की एक मधुर धुन रहा है। यहाँ, सूरज गेहूं के सुनहरे खेतों को चूमता है, और हल्की हवा गाँव के कुएं के पास खेलते बच्चों की हंसी को लेकर आती है। लेकिन इस अद्भुत दृश्य के बीच खड़े हैं मास्टर विनय, एक समर्पित शिक्षक, जिनका जीवन सरल नहीं था। सालों से, उन्होंने अपने छात्रों में ज्ञान की रौशनी बिखेरी, उनके सपनों को संजोया। लेकिन जैसे-जैसे मौसम बदला, शिक्षा विभाग की मनमानी और नौकरशाही ने उनके समर्पण पर भारी पड़ना शुरू कर दिया। हर बार जब उन्होंने ट्रांसफर की अर्जी लिखी, वह फाइलों के गर्त में खो जाती, जैसे व्यस्त बाजार में एक भूला हुआ बच्चा। यह विडंबना भरी बात थी; वह सिस्टम, जो शिक्षा को ऊपर उठाने का वादा करता था, वह असल में शिक्कों के कल्याण से ज्यादा कागजी कार्यवाही में उलझा था। एक भाग्यशाली सुबह, एक पत्र आया जिसने विनय के जीवन के संतुलन को चूर-चूर कर दिया। उस लिफाफे पर शिक्षा विभाग का निशान था, जो झूठी आशा की एक चमक की तरह था। उनका दिल तेजी से धड़कने लगा जब उन्होंने उसे खोला, और उसमें शहर में ट्रांसफर की घोषणा थी-एक ऐसा स्थान, जो धूल, कंक्रीट, और तेज गति से भरा हुआ था, जो उनके शांत गाँव के साथ कड़ा विरोधाभास था। विनय का दिल टूट गया जब उन्होंने शहर की सड़कों की कल्पना की, जहाँ उनके छात्रों की हंसी की जगह कारों की हार्नेस और फाइलों की खड़खड़ाहट ले लेगी। उनकी पत्नी, सुषमा देवी, हमेशा उनके लिए ताकत का स्तंभ रही थी, लेकिन इस खबर ने उसे विश्वास और निराशा के बीच झूलने पर मजबूर कर दिया। उसकी आँखों में भरी आँसू हजारों अनकही डर की पीड़ा को दर्शाते थे: क्या वह सच में चले जाएंगे? उनके बच्चों के लिए एक बेहतर भविष्य बनाने के सपनों का क्या होगा? जब उन्होंने सुषमा के आँसू भरे चेहरे की ओर देखा, तो उन्हें एहसास हुआ कि इस ट्रांसफर की असली कीमत उनकी नौकरी की हानि से कहीं अधिक थी; यह एक परिवार, एक समुदाय, और एक शिक्षक की अटूट प्रतिबद्धता का टूटना था। उनके जाने का दिन भारी दिल के साथ आया। विनय अपनी पुरानी साइकिल पर चढ़े, जिसका जंग लगा ढांचा उनके अनकहे दुख के बोझ की तरह कराह रहा था। नए स्कूल का रास्ता असहनीय लंबा लग रहा था, हर पैडल उन्हें याद दिला रहा था कि वे क्या छोड़ने जा रहे हैं। बच्चे उनका इंतजार कर रहे थे, उनकी मासूम आँखें उम्मीद और अनिश्चितता से चमक रही थीं। उनके छोटे हाथों में रंगीन चित्र थे, जो उन्होंने अपने प्रिय शिक्षक के लिए बनाए थे, एक ऐसे भविष्य की चित्रण जो उन्हें शामिल करता था। लेकिन खुशी की बजाय, विनय के दिल में एक दर्द महसूस हुआ।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

देश की **बात**

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा उरतृप्त

होली और जुम्मे की नमाज पर होगी सौहार्द की परीक्षा

होली का पर्व रंगों, उल्लास और आपसी भाईचारे का प्रतीक है। यह केवल एक त्योहार नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति का एक अभिन्न अंग है, जो अनेकता में एकता को दर्शाता है। हालांकि पिछले कुछ सालों में यह भी देखने में आया है कि होली हो या दिवाली, ईद या बकरीद, त्यौहार अपने आयोजन से पूर्व एक ख़ास सियासी रंग में रंग जाते हैं। उदाहरण के लिए हाल ही में बिहार के दरभंगा जिले की मेयर अंजुम आरा का एक बयान सामने आया, जिसमें उन्होंने आग्रह किया कि जुम्मे की नमाज़ के मद्देनजर होली को दो घंटे के लिए रोका जाए। इसके जवाब में बीजेपी विधायक मुरारी मोहन झा ने स्पष्ट कर दिया कि होली नहीं रुकेगी और मुस्लिम समाज अपने स्तर पर नमाज़ के समय को समायोजित कर ले। उधर विधायक करनैल सिंह ने भी अपील की कि जुम्मे की नमाज़ घर पर पढ़ी जाए।सोचने की जरुरत नहीं है कि आखिर शासन-प्रशासन को ऐसी बयानबाजी क्यों करनी पड़ रही है? यूं तो इस मुद्दे को देखने के कई तरीके हो सकते हैं लेकिन एक जायज तरीका यह भी है कि प्रशासन और समाज दोनों, ऐसे मौकों पर संयम और समझदारी से काम ले। इसमें कोई दो राय नहीं कि किसी एक धर्म के अनुयायियों को दूसरे धर्म के आयोजनों में बाधा डालने का अधिकार नहीं है, लेकिन एक सच यह भी है कि हर किसी को दूसरे की आस्था का सम्मान करना ही चाहिए। होली थोड़ी देर पहले या बाद में खेली जा सकती है, तो नमाज़ भी विशेष परिस्थितियों में कुछ समय आगे-पीछे की जा सकती है। संभल के सीओ अनुज चौधरी का यह कहना कि "अगर रंग लगने से किसी का धर्म भ्रष्ट होता है तो वे घर से न निकलें", मेरी नजर में यह एक प्रशासनिक अधिकारी का जिम्मेदारी भरा बयान नहीं है। प्रशासन का काम समाज को तोड़ने की जगह जोड़ने का होता है। हालांकि उपरोक्त बयान समाज को जोड़ने की कोशिश करते तो नजर नहीं आते। भारत की खूबसूरती इसी में है कि यहाँ हर धर्म, हर जाति और हर विचारधारा के लोग मिल-जुलकर रहते हैं। हालांकि इस खूबसूरती में अब साल-दर-साल सौहार्द के नाम पर दाग चिपकते जा रहे हैं। जरूरत इस बात की है कि हम होली और नमाज़ के इस संयोग को टकराव की तरह न देखें, बल्कि सौहार्द के अवसर के रूप में अपनाएं। समाज के दोनों पक्षों को चाहिए कि वे एक-दूसरे की भावनाओं का सम्मान करें और ऐसा कोई कार्य न करें जिससे अशांति फैले। प्रशासन को भी ऐसी अपीलें करनी चाहिए जो मेल-जोल को बढ़ाएं, न कि विभाजन का कारण बनें। इस बार होली पर हम सभी यह प्रण लें कि कोई भी रंग आपसी प्रेम और भाईचारे से ऊपर नहीं होगा, और कोई भी इबादत इंसानियत से बड़ी नहीं होगी।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

आपकी **बात**

डॉ अतुल मलिकराम
राजनीतिक रणनीतिकार

फेसबुक वॉल से

एक्स से

आज का दोहा

पिचकारी को भा गया, रंगों का वह राग।
दोनों मिल कर गायेंगे, फिर होली पर फाग।।
सोमदत्त शर्मा, गाजियाबाद (उ.प्र.)

रचना भेजिए

समाचारों के संबंध में शिकायत या इस पेज के लिए आर्टिकल कृप्या भेजें artical.rnmail@gmail.com
कॉल/व्हाट्सएप 8292553444

संपादक

बदलते जमाने की रंग बदलती होली

आज हम जो होली मनाते हैं, वह पहले की होली से काफ़ी अलग है। पहले, यह त्यौहार लोगों के बीच अपार ख़ुशी और एकता लेकर आता था। उस समय प्यार की सच्ची भावना होती थी और दुश्मनी कहीं नहीं दिखती थी। परिवार और दोस्त मिलकर रंगों और हंसी-मजाक के साथ जश्न मनाते थे। जैसे-जैसे समय बदला है, रिश्तों की गर्माहट फीकी पड़ती नज़र आती है। आजकल होली की बधाई अक्सर मोबाइल या इंटरनेट के जरिए भेजे गए हैप्पी होली के साथ शुरू और ख़त्म होती है। पहले जैसा उत्साह और जश्न का माहौल अब नहीं रहा। पहले बच्चे हर मोहल्ले में होली के लिए समूह बनाकर होली का दान इकट्ठा करते थे और खुशी-खुशी किसी पर भी रंग फेंकते थे। यहाँ तक कि जब उन्हें चिढ़ाया या डांटा जाता था, तो वे हंसते थे। अब ऐसा लगता है कि लोग मौज-मस्ती करने के बजाय बहस करने में ज़्यादा रुचि रखते हैं।

होली एक ऐसा त्यौहार है जिसे हर पृष्ठभूमि के लोग मनाते हैं, जिसमें दुश्मनी भुलाकर गले मिलते हैं। फिर भी, एकता और प्यार का यह त्यौहार बदल रहा है। फाल्गुन की खुशियाँ अब दूर की यादों की तरह लगती हैं। होली के रंग, कुछ सालों में फीके पड़ गए हैं। बड़े-बुजुर्ग इस बात पर अफ़सोस जताते हैं कि अब हंसी-मजाक, उत्साह और वह जीवंत भावना नहीं रही जो कभी इस उत्सव की पहचान हुआ करती थी। पानी की बौछारों की आवाज़ और होली की जीवंतता ने कुछ ही घंटों के उत्सव के बाद एक शांत ले ली है। आओ राधे खेलें फाग, होली आई के हर्षोल्लास और उत्सव के इर्द-गिर्द होने वाली मस्ती-मजाक की आवाज़ें समय के साथ दबती जा रही हैं।

फाल्गुन आते ही होली का उत्साह हवा में घुलने लगा। मंदिरों में फाग की ध्वनि गूंजने लगी और हर तरफ़ होली के लोकगीत सुनाई देने लगे। शाम होते ही ढप-चंग के साथ पारंपरिक नृत्यों ने होली के रंग चारों ओर बिखेर दिए। लोग ख़ुशी से एक-दूसरे पर पानी की छींटे मारते रहे और कोई कड़वाहट नहीं थी, बस ख़ुशी थी। होली की तैयारियाँ वसंत पंचमी से ही शुरू हो जाती थीं और समुदाय के आंगन और मंदिर चंग की थाप से जीवंत हो उठते थे। रात में चंग की थाप के साथ नृत्य ने सभी को अपनी ओर आकर्षित कर लिया। दूर से फाल्गुन गीत और रसिया गाने वाले लोग नृत्य में शामिल होकर तारों की छांव में होली का आनंद मनाते थे। हालांकि, जैसे-जैसे समय बदला है, रिश्तों की गर्माहट फीकी पड़ती नज़र आती है। आजकल होली की बधाई अक्सर मोबाइल या इंटरनेट के जरिए भेजे गए हैप्पी होली के साथ शुरू और ख़त्म होती है। पहले जैसा उत्साह और जश्न का माहौल अब नहीं रहा। पहले बच्चे हर मोहल्ले में होली के लिए समूह बनाकर होली का दान इकट्ठा करते थे और खुशी-खुशी किसी पर भी रंग फेंकते थे। यहाँ तक कि जब उन्हें चिढ़ाया या डांटा जाता था, तो वे हंसते थे। अब ऐसा लगता है कि लोग मौज-मस्ती करने के बजाय बहस करने में ज़्यादा रुचि रखते हैं।

पहले के समय में पड़ोसियों की बहू-बेटियों को परिवार की तरह माना जाता था। घर स्वादिष्ट व्यंजनों की ख़ुशबू से भर जाते थे और मेहमानों का खुले दिल से स्वागत किया जाता था। आज, समारोह ज्यादातर अपने घर तक ही सीमित रह गए हैं और समुदाय की भावना कम होती जा रही है। फ़ोन पर एक साधारण होली मबारक ने पहले के दिल से जुड़े रिश्तों की जगह ले ली है, जिससे रिश्ते कम मधुर लगने लगे हैं। इस बदलाव के कारण परिवार अपनी बहू-बेटियों को दोस्तों या रिश्तेदारों से मिलने देने में हिचकिचाते हैं। पहले लड़कियाँ होली के दौरान ख़ुशी और हंसी-मजाक करती हुई खुली हवा में घूमती थीं, लेकिन अब अगर कोई लड़की किसी रिश्तेदार के घर ज़्यादा देर तक रुकती है, तो उसके परिवार में चिंता पैदा हो जाती है। होली का त्यौहार खुशियों का मौसम हुआ करता था, जिसकी शुरुआत होली के पौधे लगाने से होती थी। छोटी-छोटी लड़कियाँ गाय के गोबर से वलुडिया बनाती थीं, खूबसूरत मालाएँ बनाती थीं, जिन पर आभूषण, नारियल, पायल और बिछिया होती थीं। दुख की बात है कि ये परंपराएँ अब ख़त्म हो गई हैं। पहले घर पर ही टेसू और पलाश के फूलों को पीसकर रंग बनाया जाता था और महिलाएँ होली के गीत गाती थीं। होली के दिन सभी लोग चंग की ताल पर नाचते हुए जश्न मनाते थे। बसंत पंचमी से ही फाग की धुनें गूंजने लगती थीं, लेकिन अब होली के गीत कुछ ही जगह सुनाई देते हैं। परंपरागत रूप से, विभिन्न समुदायों के लोग ढोलक और चंग की थाप के साथ होली खेलने के लिए एकत्रित होते थे। अब वह जीवंत भावना कहाँ चली गई है?

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

अलग **बात**

प्रियंका सौरभ

स्वामी, पारिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा.लि. के लिए प्रकाशक एंव मुद्रक हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा 502, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बागान, हरमू रोड, रांची से प्रकाशित एवं एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड), नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित। रजिस्ट्रेशन नंः BIHHIN/1999/155, प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, कार्यकारी संपादक : सुनील सिंह 'बादल'*, समाचार संपादक : त्रिभुवन कुमार सिन्हा, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नंबर : 06562-796018, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बागान हरमू रोड, रांची-834001, फोन नंबर : 0651-3553943, ई-मेल : news.rnmail@gmail.com, article.rnmail@gmail.com
(*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)

मध्य प्रदेश में सड़क हादसा

टैंकर से टकराए वाहन सात की मौत

भोपाल (आईएएनएस)। मध्य प्रदेश के धार जिले के बदनावर-उज्जैन फोरलेन पर बुधवार देर रात एक सड़क हादसा हो गया। इस हादसे में करीब सात लोगों की मौत हो गई और तीन गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने छह लोगों की मौत की पुष्टि की है, जबकि कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक, गंभीर रूप से घायल एक व्यक्ति की हालत नाजुक बनी हुई है। बदनावर पुलिस थाना प्रभारी अमित कुशवाह ने आईएएनएस से फोन पर बात करते हुए बताया कि टैंकर गलत दिशा में जा रहा था। उसने पहले एक पिकअप वाहन को टक्कर मारी और फिर उसके पीछे आ रही कार को भी टक्कर मार दी। टैंकर उज्जैन की ओर जा रहा था, जबकि बाकी वाहन विपरीत दिशा से आ रहे थे। अधिकारी ने बताया कि यह घटना रात करीब 11 बजे हुई। उन्होंने बताया कि चार लोग मौके पर ही मारे गए, जबकि बाकी लोग गंभीर रूप से घायल हो गए और उन्हें बदनावर सिविल अस्पताल भेजा गया। मृतकों की संख्या स्पष्ट नहीं हो पाई क्योंकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल है और कहा जा रहा है कि उसकी मौत हो गई, लेकिन इसकी पुष्टि नहीं हो पाई है। अधिकारी ने बताया कि घायलों को अस्पताल भेजा गया और तीनों की हालत गंभीर है। हालांकि, उन्होंने और जानकारी देने से मना कर दिया, क्योंकि पुलिस टीम वाहनों से घायलों को निकालने और अस्पताल पहुंचाने में लगी थी। अन्य पुलिस सूत्रों ने बताया कि कार और पिकअप के मलबे में फंसे दो लोगों को बाद में क्रेन की मदद से निकाला गया। उन्होंने यह भी बताया कि टैंकर चालक दुर्घटना के बाद मौके से फरार हो गया और पुलिस ने उसकी तलाश शुरू कर दी है। मृतक सीतामऊ थाना क्षेत्र के मंदसौर के निवासी थे। वे इंदौर से उज्जैन होते हुए मंदसौर लौट रहे थे। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहनों और मृतकों के शवों को बदनावर सिविल अस्पताल भेजा। सुबह उनका पोस्टमार्टम किया जाएगा।

दुर्घटना इतनी भयावह थी कि पिकअप टैंकर के नीचे फंस गई, जिससे पुलिस के लिए तुरंत पहचान करना मुश्किल हो गया। इसलिए पीड़ितों की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। पुलिस के अनुसार, पिकअप में सवार एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरे को अस्पताल भेजा गया। वहीं, कार में सवार चार में से तीन लोगों की मौके पर मौत हो गई और एक घायल व्यक्ति को अस्पताल में भर्ती कराया गया। पीड़ितों की पहचान और फरार टैंकर चालक का पता लगाने के लिए पुलिस जांच कर रही है।

चार लोग की मौत मौके पर ही हो गयी

देश में सभी को अपना त्योहार मनाने की पूरी छूट : मनोज तिवारी

नई दिल्ली(आईएएनएस)। भाजपा सांसद मनोज तिवारी के नई दिल्ली स्थित आवास पर गुरुवार को होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में भाजपा के कई नेता शामिल हुए। मनोज तिवारी ने पारंपरिक होली गीत गाकर समां बांधा। भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि यह होली दिल्ली के लिए वाकई खास है। लंबे समय के बाद दिल्ली भारतीय जनता पार्टी की जीत की होली मना रही है। हम सभी इस पल को बड़े उत्साह के साथ मना रहे हैं। मैं सभी देशवासियों को होली की बधाई देता हूं। मेरा यही मानना है कि सबको मिलजुल कर रहना चाहिए। होली हर्षोल्लास और भाईचारे का पर्व है। भाजपा सांसद ने होली-जुमा विवाद पर कहा, "जो लोग इस तरह का विवाद पैदा करना चाहते हैं, उनका विवादों से ही प्रेम है। मैं उन्हें बताना चाहूंगा कि होली सालभर में एक बार आती है और अगर कोई इस पर्व को दूसरी बातों से डिस्टर्ब करने की कोशिश करे तो उन्हें इस तरह की सोच से बाज आना चाहिए। देश में सभी को अपना पर्व और त्योहार मनाने की पूरी छूट है। सभी को एक साथ मिलजुल कर रहना चाहिए और जो होली वाले हैं, वे ये पर्व धूमधाम के साथ मनाएं और जुमे वाले लोग, इसे अपने तरीके से मनाएं।" मनोज तिवारी ने आम आदमी पार्टी पर भी निशाना साधा।

एयरपोर्ट के विस्तारीकण से यात्रियों को आधुनिक सुविधाएं मिल सकेंगी :मुख्यमंत्री

- मुख्यमंत्री ने जेपी अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा के निर्माणाधीन टर्मिनल तथा बिहटा में बनाये जानेवाले अन्तर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट का किया स्थल निरीक्षण

एजेंसी

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जयप्रकाश नारायण अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा के निर्माणाधीन टर्मिनल का आज निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि हमलोग निर्माण कार्य का लगातार निरीक्षण करते रहे हैं। बचे हुये कार्यों को तेजी से पूर्ण करें ताकि यहां यात्रियों को और सुविधा मिल सके। यात्रियों की संख्या में लगातार वृद्धि को देखते हुये इस एयरपोर्ट का विस्तारीकण किया जा रहा है, जिसमें यात्रियों को आधुनिक सुविधायें मिल सकेगी। इस एयरपोर्ट से अधिक से अधिक उड़ानें संचालित होने से बड़ी संख्या में यात्री हवाई यातायात का लाभ उठा सकेंगे। इसके पश्चात् मुख्यमंत्री ने बिहटा में बनाये जानेवाले अन्तर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट का स्थल निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को निर्माण कार्य के संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुये बताया कि यह अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा आधुनिक सुविधाओं से लैश होगी। हवाई यातायात को बेहतर बनाने के लिये यहां आधुनिकतम व्यवस्थायें की जायेगी। यहां 10 ऐयरो स्टेशन होंगे। मुख्यमंत्री ने निर्माणाधीन खगौल बिहटा ऐलिवेटेड सड़क का भी निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि हमलोग चाहते हैं कि जल्द से जल्द बिहटा एयरपोर्ट का निर्माण हो ताकि लोगों को हवाई यात्रा में और सहूलियत हो। जयप्रकाश नारायण अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा, पटना और बिहटा एयरपोर्ट से इंटरनेशनल फ्लाइट की शुरूआत होगी, जिसका लाभ बिहार के लोगों को मिलेगा। विभिन्न जगहों के लोगों को कहीं भी विमान से आने-जाने में सहूलियत होगी। जयप्रकाश नारायण अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा से बिहटा एयरपोर्ट तक कम से कम समय में पहुंचने के लिये खगौल बिहटा ऐलिवेटेड सड़क का निर्माण कराया जा रहा है। बिहटा एयरपोर्ट के निर्माण से और कनेक्टिविटी बढ़ेगी तथा पटना एयरपोर्ट पर पड़नेवाला भार भी कम होगा। साथ ही रोजगार और कारोबार के अवसर भी बढ़ेंगे। उल्लेखनीय है कि बिहार कैबिनेट ने हवाई संपर्क और क्षेत्रीय विकास को सुदृढ़ करने के लिए कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी दी है।

रंग लगाने से मना करने पर युवक की हत्या

जयपुर। राजस्थान के दौसा जिले में तीन लोगों ने रंग लगाने से मना करने पर 25 वर्षीय युवक की कथित तौर पर गला घोंटकर हत्या कर दी। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, आरोपी अशोक, बबलू और कालूराम स्थानीय पुस्तकालय में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हंसराज को रंग लगाने पहुंचे। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) दिनेश अग्रवाल ने बताया कि जब हंसराज ने रंग लगवाने से मना कर दिया तो तीनों ने पहले उसकी लात-घूंसों और बेल्ट से पिटाई की और बाद में गला घोंटकर हत्या कर दी। घटना से गुस्साए परिवार के सदस्यों और ग्रामीणों ने बाद में हंसराज के शव के साथ प्रदर्शन किया और इलाके में राष्ट्रीय राजमार्ग को अवरुद्ध कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने हंसराज के परिवार को 50 लाख रुपये का मुआवजा देने, परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी और तीनों आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की।

इस्लामिक सेंटर ऑफ इंडिया ने जुमे की नमाज का समय बदला

लखनऊ (आईएएनएस)। मौलाना राशिद फिरंगी महली ने जुमे की नमाज की टाइमिंग को आगे बढ़ाने की बात कही है। उन्होंने कहा कि 14 मार्च (शुक्रवार) को होली का त्योहार और जुमे की नमाज है, तो हमने जुमे की नमाज का समय आगे बढ़ाया है। मौलाना राशिद फिरंगी महली ने कहा, "जैसा कि आप लोगों को मालूम है कि 14 मार्च को होली का त्योहार है और उसी दिन रमजान का दूसरा जुमा भी है। इस्लामिक सेंटर ऑफ इंडिया ने एडवाइजरी जारी करके नमाज की टाइमिंग को आगे बढ़ाया है। इसके साथ ही हमारे हिंदू भाइयों ने कई जगहों पर होली की बरात की टाइमिंग में बदलाव किए हैं।" उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि यह दिन दोनों समुदाय अपने-अपने मजहब के मुताबिक पर्व मनाएंगे। इसमें कोई कन्फ्यूजन नहीं है। साथ ही हमें अफवाहों पर ध्यान नहीं देना है। हमें शांतिपूर्वक त्योहार मनाना है, ताकि शांति का संदेश अंतरराष्ट्रीय स्तर तक जाए। इससे पहले उन्होंने कहा था कि इस्लामिक सेंटर ऑफ इंडिया ने सभी मस्जिद कमेटियों से अपील की है कि 14 मार्च को जुमे की नमाज का समय एक घंटा बढ़ा दिया जाए। इससे नमाजियों को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होगी और हिंदू भाई-बहनों के त्योहार में भी कोई समस्या नहीं आएगी।

आज का राशिफल

मेष : किसी से कहासुनी न हो यह ध्यान रहे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होंगी। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-5-8-9

वृष : अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। परिवारजनों के सहयोग व समन्वय से काम बनाना आसान रहेगा। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। शुभांक-5-6-7

मिथुन : परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। शुभांक-1-2-5

कर्क : स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। शुभांक-1-8-9

सिंह : लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-5-6-8

कन्या : स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। शुभांक-6-8-9

तुला : प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्ध का योग है। सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-4-5-6

वृश्चिक : स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। शुभांक-5-6-9

धनु : शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। शुभांक-6-7-8

मकर : लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। शुभांक-5-6-8

कुंभ : माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-1-6-7

मीन : प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होंगी। स्वविवेक से कार्य करें। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-3-5-7

रोज वैली चिटफंड घोटाले की जब्त जमीन पर अतिक्रमण, ईडी ने दी सख्त चेतावनी

एजेंसी। कोलकाता

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पश्चिम बंगाल सरकार को एक आधिकारिक पत्र भेजकर रोज वैली ग्रुप की जब्त की गई जमीन पर हो रहे अतिक्रमण को लेकर सख्त चेतावनी दी है। यह वही जमीन है, जिसे चिटफंड घोटाले में जब्त किया गया था और अब इसके जरिए निवेशकों का पैसा लौटाने की प्रक्रिया चल रही है।

ईडी ने इस मामले में राज्य सरकार से तुरंत कार्रवाई करने और जब्त संपत्तियों को अतिक्रमण से मुक्त कराने की मांग की है। इस पत्र पर सिर्फ ईडी ही नहीं, बल्कि संपत्ति निपटान समिति (एसेट डिस्पोजल कमेटी) के भी हस्ताक्षर हैं, जिसे निवेशकों को पैसे लौटाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

सूत्रों के अनुसार, केवल पश्चिम बंगाल ही नहीं, बल्कि ओडिशा, बिहार, त्रिपुरा और झारखंड समेत कई अन्य राज्यों में भी रोज वैली ग्रुप की जब्त जमीन पर अतिक्रमण की शिकायतें मिली हैं।

उत्तर दक्षिण की राजनीति में मुरुगन ने सीमाएं लांघीं

उत्तर भारत में एक महिला पांच दस पुरुषों से विवाह कर सकती है : मुरूगन

दिल्ली। एजेंसी

उत्तर-दक्षिण विभाजन गुरुवार को और गहरा गया जब तमिलनाडु के वरिष्ठ मंत्री दुरई मुरुगन ने आरोप लगाया कि उत्तर भारत की संस्कृति में कई पति-पत्नी रखना शामिल है और चेतावनी दी कि तमिलों का अपमान करने वालों की जीभ काट दी जाएगी। यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब प्रस्तावित परिसीमन अभ्यास ने भाषा युद्ध के बीच तमिलनाडु और केंद्र के बीच बढ़ती दुश्मनी को और बढ़ा दिया है। एक सार्वजनिक सभा को संबोधित करते हुए, अपनी बेबाक टिप्पणियों के लिए प्रसिद्ध मुरुगन ने कहा कि तमिल रीति-रिवाजों के विपरीत, उत्तर भारतीय परंपराएं बहुविवाह और बहुशासन को बढ़ावा देती हैं। महाभारत से तुलना करते हुए मंत्री ने आरोप लगाया कि उत्तर भारतीय संस्कृति में एक महिला को पांच या दस पुरुषों से शादी करने की अनुमति है। इस टिप्पणी को महाभारत में द्रौपदी के पांच पांडवों से विवाह के संदर्भ के रूप में देखा जा रहा है। मुरुगन ने कहा कि हमारी संस्कृति में एक पुरुष एक महिला से विवाह करता है। लेकिन उत्तर भारत में एक महिला पांच या दस पुरुषों से विवाह कर सकती है। साथ ही, पांच पुरुष एक महिला से विवाह कर सकते हैं। यह उनकी संस्कृति है। अगर एक चला गया तो दूसरा आ जाएगा।

होली को लेकर संभल में हाई अलर्ट पर प्रशासन

भारी संख्या में सुरक्षाबल की तैनाती

संभल(आईएएनएस)। होली और रमजान के जुमे की नमाज एक दिन पड़ने के कारण उत्तर प्रदेश प्रशासन अलर्ट है। संवेदनशील जिलों में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है। संभल में भी प्रशासन हाई अलर्ट पर है। डीएम राजेंद्र पैंसिया और एसपी कृष्ण बिश्नोई ने गुरुवार को समाचार एजेंसी आईएएनएस से खास बात की। होली को लेकर सुरक्षा व्यवस्था के बारे में डीएम राजेंद्र पैंसिया ने कहा, "संभल में सब कुछ सामान्य है। दोनों पक्षों की ओर से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हुए हैं। आज 1,212 स्थानों पर होलिका दहन होना है। इसके अलावा, 16 स्थानों पर मेले हैं और कई जगहों पर जुलूस तथा शोभा यात्राएं निकाली जानी हैं। हमारी टीम ने सभी स्थानों का भ्रमण कर लिया है। ग्रामवार, थानावार और जनपद स्तर पर शांति समिति की बैठक सभी के साथ संपन्न हुई है। सभी ने विश्वास दिलाया है कि इस बार पर्व मनाने में सभी सहयोग देंगे।"

होली के दिन संभल में मस्जिदों को ढंकने वाली खबर पर डीएम ने कहा, "इस पर मैं सभी का कन्फ्यूजन दूर करना चाहता हूं। हमने मस्जिदों को ढंकवाया नहीं है, बल्कि सभी को कहा था कि सामान्य और सौहार्द्रपूर्ण रूप से जैसे पहले होली मनती आई है, वैसे ही अभी भी मनानी चाहिए। लेकिन नौ मस्जिदों ने अपनी दीवारों को ढंका है। नगर पालिका, पुलिस और प्रशासन की तरफ से किसी मस्जिद को नहीं ढंकवाया गया है। त्योहार के दिन पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई है।" एसपी कृष्ण बिश्नोई ने बताया, "पूरे संभल जनपद में 1,212 जगहों पर होलिका दहन होना है। होली के दिन 64 जुलूस निकलने हैं। सभी चीजों के लिए पूरी तैयारी कर ली गई है। जहां-जहां होलिका दहन होगा, वहां पर नोडल अधिकारी जाएंगे।

बिहार में होली को लेकर चौकस रहेगी सुरक्षा व्यवस्था

पटना। बिहार में होली मनाने को लेकर हुई बयानबाजियों के बीच इस रंगोत्सव को लेकर सुरक्षा की चौकस व्यवस्था की गई है। हुड़दंगियों और शांति व्यवस्था भंग करने वालों पर विशेष नजर रखी जा रही है। पटना में करीब 600 स्थानों पर दंडाधिकारियों और करीब पांच हजार जवानों को तैनात किया गया है। जुम्मे और होली को देखते हुए प्रशासन अलर्ट पर है। बिहार में होली 14 और 15 मार्च को मनाई जाएगी। पुलिस महानिदेशक विनय कुमार ने प्रदेशवासियों से आपसी सौहार्द बनाए रखने की अपील की है।

वोटर मामले पर अभिषेक बनर्जी की बैठक

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी 15 मार्च को एक वर्चुअल बैठक करने जा रहे हैं, जिसमें फर्जी मतदाताओं की पहचान के मुद्दे पर चर्चा होगी। इस बैठक में केवल कोर कमेटी के सदस्य ही नहीं, बल्कि सांसद, विधायक, जिलाध्यक्ष, नगर निगम के चेयरमैन और अन्य शीर्ष पदाधिकारी भी शामिल होंगे।

छह मार्च को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा गठित कमेटी की पहली बैठक तृणमूल भवन में हुई थी, जिसमें फर्जी मतदाताओं की पहचान को लेकर रणनीति बनाई गई थी। इसके बाद तय हुआ कि अगली बैठक 15 मार्च को होगी। शुरुआत में यह बैठक 16 मार्च के लिए तय की गई थी, लेकिन बाद में इसे फिर से 15 मार्च को करने की घोषणा की गई।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सबसे पहले विधानसभा में इस मुद्दे को उठाया था। इसके बाद नेताजी इंडोर स्टेडियम में तृणमूल की एक बड़ी सभा में भी उन्होंने इस पर भाजपा पर हमला बोला था। उन्होंने आरोप लगाया था कि भाजपा चुनाव आयोग की मदद से फर्जी वोटर तैयार कर 2026 के विधानसभा चुनाव में जीत हासिल करने की कोशिश कर रही है।

पुलिस ने अवैध रूप से रह रहे 24 बांग्लादेशी नागरिकों को हिरासत में लिया

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने एक सप्ताह तक चले अभियान में दक्षिण और दक्षिण-पूर्वी दिल्ली से दो नाबालिगों समेत 24 अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों को हिरासत में लिया। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि दक्षिण दिल्ली से 13 बांग्लादेशी नागरिकों को हिरासत में लिया गया जबकि दक्षिण-पूर्वी दिल्ली से दो नाबालिगों समेत 11 अवैध प्रवासियों को हिरासत में लिया गया। उन्होंने बताया कि अभियान छह मार्च को शुरू हुआ था। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा राजधानी की कानून-व्यवस्था की स्थिति पर समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करने के निर्देश के कुछ दिनों बाद यह कार्रवाई की गई। संयुक्त पुलिस आयुक्त एस के जैन ने बताया कि हिरासत में लिए गए लोगों के पास बांग्लादेश सरकार द्वारा जारी राष्ट्रीय पहचान पत्र पाए गए। उन्होंने बताया कि भारत में प्रवेश करने के बाद अवैध प्रवासियों ने कथित तौर पर स्थानीय संपर्कों का इस्तेमाल करके धोखाधड़ी से भारतीय पहचान दस्तावेज हासिल किए। जैन ने बताया, "जाली दस्तावेजों को अब रद्द करने के लिए संबंधित अधिकारियों को भेजा जा रहा है।" अधिकारी ने बताया कि भारतीय पहचान पत्र हासिल करने में उनकी मदद करने वाले स्थानीय संपर्कों के खिलाफ भी कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि हिरासत में लिए गए लोगों को विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय के माध्यम से निर्वासित करने की प्रक्रिया जारी है।

प्राचीन साहित्य में होली का है व्यापक विवरण

भारत में प्राचीन काल के संस्कृत साहित्य में होली के अनेक रूपों का विस्तृत वर्णन है। श्रीमद्भागवत महापुराण में रसों के समूह रास का जिक्र है। अन्य रचनाओं में 'रंग' नाम के उत्सव का वर्णन है, जिनमें हर्ष की 'प्रियदर्शिका' व 'रत्नावली' तथा कालिदास की 'कुमारसंभवम' तथा 'मालविकाग्निमित्रम' शामिल हैं। कालिदास रचित 'ऋतुसंहार' में एक पूरा सर्ग ही 'वसंतोत्सव' को समर्पित है। भारवि, माघ और अन्य कई संस्कृत कवियों ने वसंत की खूब चर्चा की है। चंद बरदाई द्वारा रचित हिंदी के पहले महाकाव्य 'पृथ्वीराज रासो' में होली का वर्णन है। भक्तिकाल और रीतिकाल के हिंदी साहित्य में होली और फाल्गुन माह का विशिष्ट महत्व रहा है।

आदिकालीन कवि विद्यापति से लेकर भक्तिकालीन सूरदास, रहीम, रसखान, पद्माकर, जायसी, मीराबाई, कबीर और रीतिकालीन बिहारी, केशव, घनानंद आदि कवियों को यह विषय बहुत ही प्रिय रहा है। महाकवि सूरदास ने वसंत एवं होली पर 78 पद लिखे हैं। पद्माकर ने भी होली विषय पर प्रचुर रचनाएं की हैं। इस विषय के माध्यम से कवियों ने सगुण साकार भक्तिमय प्रेम और निर्गुण निराकार भक्तिमय प्रेम का निष्पादन किया है। सूफी संत हजरत निजामुद्दीन औलिया, अमीर खुसरो और बहादुर शाह जफर जैसे मुस्लिम संप्रदाय का पालन करने वाले कवियों ने भी होली पर सुंदर रचनाएं लिखी हैं, जो आज भी जन सामान्य में लोकप्रिय हैं।

भारत में विभिन्न क्षेत्रों में इस नाम से जानी जाती है होली

- झारखंड में यह त्यौहार होली, फगुआ के नाम से जाना जाता है। जनजातीय समाज भी होली को हर्षोल्लास के साथ मनाता है।
- उत्तर प्रदेश यह पर्व होली, लट्ठमार होली, फगुआ, फाग नाम से जाना जाता है।
- बिहार में होली, फगुआ, फाग आदि नाम है।
- हरियाणा, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान आदि क्षेत्रों में होली को धुलैंडी के रूप में मनाया जाता है।
- महाराष्ट्र में चैत्र कृष्ण पक्ष पंचमी को रंग पंचमी के रूप में होली मनाने का रिवाज है। लेकिन, मुंबई में होली (चैत्र कृष्ण पक्ष प्रतिपदा) के दिन ही हंगामेदार होली मनाई जाती है।
- गोवा में होली को 'शिमगा' के नाम से जाना जाता है। यह गोवा की स्थानीय कोंकणी भाषा का शब्द है। होलिका दहन को 'शिमगा जात्रा' कहा जाता है।
- गुजरात में होली को गोविंदा होली के नाम से भी जाना जाता है।
- पंजाब में होली को होला मोहल्ला कहते हैं।
- बंगाल और ओडिशा में होली को 'बसंत उत्सव' और 'डोल पूर्णिमा' के नाम से जाना जाता है।
- तमिलनाडु में होली को कामदेव के बलिदान के रूप में मनाते हैं। होली को कमान पंडिगई, कामाविलास और कामा-दाहानाम आदि बोलते हैं।
- आंध्र प्रदेश, तेलंगना और कर्नाटक में होली को 'कामना हब्बा' के नाम से जाना जाता है।
- केरल में होली को 'मंजुल कुली' बोलते हैं।
- मणिपुर में धुलेंडी वाले दिन को लोग 'पिचकारी' कहते हैं।
- असम में होली को 'फगवाह' या 'देओल' के नाम से जाना जाता हैं।
- उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में होली को संगीत समारोह के रूप में मनाया जाता है। इसमें बैठकी होली, खड़ी होली और महिला होली आदि शामिल हैं।

उदयपुर की राजसी होली

उदयपुर में राजसी अंदाज से होली मनाई जाती है। उदयपुर में शाही तरीके से होलिका जलाकर होली का जश्न शुरू होता है। होली पर सिटी पैलेस में शाही निवास से मानेक चौक तक जुलूस निकाला जाता है। इसमें सजे-धजे घोड़े, हाथी, और ऊंट शामिल होते हैं। जुलूस के साथ गीत-संगीत भी बजता रहता है। विदेशी पर्यटक सुबह चौक पर गुलाल लेकर होली खेलने के लिए एकत्रित होते हैं।

पंजाब का होला मोहल्ला

आनंदपुर साहिब की होली 'होला मोहल्ला' भी काफी प्रसिद्ध है। यह अन्य जगहों की होली से कुछ अलग है। इस अवसर पर तलवारों से करतब, मार्शल आर्ट्स, कुश्ती जैसे खेलों का प्रदर्शन किया जाता है।

विदेशी पर्यटक भी भाग लेते हैं वाराणसी की होली में

वाराणसी (बनारस) में होली दो दिन तक मनाई जाती है। बनारस में सुबह से ही होली खेलनी शुरू हो जाती है व शाम होने से पहले तक होली चलती रहती है। यहां के गंगा घाट पर मनाई जाने वाली होली में सिर्फ भारतीय ही नहीं, बल्कि विदेशी पर्यटक भी हिस्सा लेते हैं। दश्वाशमेध, अस्सी, तुलसी घाट आदि पर विशेष रौनक रहती है।

यहां की होली खास है

बरसाना की लट्ठमार होली

मथुरा-वृंदावन में खेली जाने वाली फूलों की होली और बरसाना की लट्ठमार होली विश्व प्रसिद्ध है। इसमें पुरुष महिलाओं पर रंग डालते हैं और महिलाएं उन्हें लाठियों तथा कपड़े के बनाए गए कोड़ों से मारती हैं, जिसे पुरुष एक ढाल से रोकते हैं। यहां की होली देखने के लिए विदेशी पर्यटक दूर-दूर से आते हैं। यहां होली की शुरुआत सात दिन पहले ही हो जाती है।

बलदेव में देवर-भाभी की होली

मथुरा के नजदीक स्थित गांव बलदेव में होली के अगले दिन हुरंगा का आयोजन किया जाता है। यहां भाभी-देवर की अद्भुत होली खेली जाती है। इसमें लोग बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेते हैं। होली खेलने के लिए हल्दी, केसर और पीले रंग का इस्तेमाल किया जाता है। ब्रज में मनाई जाने वाली होली की तरह हुरंगा भी काफी मशहूर है।

पुष्कर की कपड़ा फाड़ होली

पिछोला झील के किनारे बसे पुष्कर में होली का पर्व मनाने हजारों लोग आते हैं। मुख्य चौक पर एक बड़ी पार्टी होती है। यहां वराह घाट और ब्रह्म चौक पर मुख्य आयोजन किया होता है, जिसमें हजारों लोग शामिल होते हैं। डीजे पर जम कर डांस करते हैं। इसके अलावा, लोग एक-दूसरे को गुलाल लगाते हैं और एक-दूसरे के कपड़े फाड़ने की होड़ मची रहती है।

जीवन में उल्लास भरती 'होली'

विजय केसरी
(कथाकार / स्तंभकार)

होलीपर्व का नाम जेहनमें आते ही एक सुंदर-सी मुस्कान चेहरे पर उभर आती है और मन-मस्तिष्कमें खुशियां छा जाती हैं। भारत विविध संस्कृति वाला देश है। हमारे देशमें ऐसे कितने पर्व हैं, जो बड़े ही धूमधाम के साथ मनाएं जाते हैं, लेकिनहोलीकी बात ही कुछ निरालीहै।

होली मनुष्य के जीवन में उल्लास भर देती है। होलीमस्ती और आनंद से भरा एक त्यौहार है।इस पर्व में रंगों का बहुत ही महत्व है। लोग एक-दूसरे को रंग लगाकर आनंदित होते हैं। एक-दूसरे के साथ हंसी-मजाक और ठिठोली करते हैं। इसके साथ ही एक-दूसरे से बड़े आदर के साथ गले मिलते हैं। छोटे, बड़े का पैर छूकर आशीर्वाद भी लेते हैं। पति-पत्नी एक-दूसरे को रंग लगाकर स्वर्ग के समान आनंद का अनुभव करते हैं। पिता अपने पुत्र के माथे पर अबीर लगा कर लंबी उम्र का आशीर्वाद देते हैं। बहुएं अपनी सास के पैर पर अबीर लगाकर सदा सुहागिन होने का आशीर्वाद प्राप्त करती हैं।

होलीपर्व घर के माहौल को बिल्कुल ही खुशनुमा बना देता है। जीवन में चाहे कितनी परेशानियां क्यों न हो, होलीउन तमाम परेशानियों को कम से कम एक-दो दिनों के लिए पीछे कर देती है। होलीमतलब है, एक आनंद का पर्व। होलीएक-दूसरे से मिलने का अवसर प्रदान करती है। हममें से कुछ लोगरोजी-रोजगार के लिए अन्य प्रदेशों में चले जाते हैं। कुछ लोग तो विदेश भी चले जाते हैं। लेकिन, सबकी तमन्ना होती है किहोलीमें अपने गांव-घर की ओर लौटें। इनमें कई लोगों की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। लेकिन, कई लोग अपने गांव-घर नहीं लौट पाते हैं। जोहोलीपर्व पर घर लौट पाते हैं, अपनों से मिलकरहोलीखेलते हैं । वे साथ मिलकर खाते हैं। अपनों को गुलाल लगाते हैं। उनके इस आनंद की अनुभूति को शब्दों में बयान नहीं किया जा सकता है। होलीपर्व अपने-पराये का भेद मिटा देती है। आप खुद से अनुभव कर सकते हैं। जबहोलीपर आपके कोई रिश्तेदार पिछले कई वर्षों से साथ नहीं होलीमना पाए हैं, अगरहोलीमें वे आपके साथ होते हैं, तब दोनों जनकितना आनंदित होते हैं। होलीपर्व के संबंध में कई तरह की बातें प्रचलित है। यह पर्व संपूर्ण भारतमें बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया जाता है। विदेशों में भी जहां भारतीय मूल के लोग जहां जहां बसे हैं, वे सभी बड़े ही धूमधाम के साथहोलीपर मनाते हैं। होलीपर्व की शुरुआत भारतवर्षमें कब से शुरू हुई, कहना बड़ा मुश्किल है। यह एक शोध का विषय है। होलीपर्व से जुड़ी कई किस्से-कहानियां भगवान कृष्ण-माता राधा से प्रचलित है।

राधा-कृष्ण कीहोलीविश्व भरमें प्रसिद्ध है। द्वापर युगमें राधा-कृष्ण कीहोलीसे जुड़े गीत आज भी मथुरा वृंदावन सहित देश के विभिन्न राज्यों में गाए जाते हैं। राधा-कृष्ण कीहोलीआज भी लोगों के बीच मशहूर है। राधा-कृष्ण एक-दूसरे को गुलाल लगाते थे। एक-दूसरे के साथ अठखेलियां करते थे। राधा-कृष्ण के साथ पूरे मथुरा-वृंदावन के लोगएक रंगमें रंग जाया करते थे। यह मथुरा वृंदावन के निवासियों का राधा-कृष्ण के प्रति अटूट प्रेम का रंग था। आज भी मथुरा-वृंदावन कीहोलीसबसे नामीहोलीहै। फूल से बने रंगों से होलीखेलने की परंपरा यहीं से शुरू हुईथी। आज भी मथुरामें लोग फूलों कीहोलीखेलते नजर आते हैं। मथुरामें काफी संख्यामें विदेशी पर्यटक भी आकर मथुरा कीहोलीशामिल होते हैं और संग-संगहोलीखेलते हैं। देशमें मुंबई महानगरी कीहोलीभी बहुत मशहूर है। फिल्म इंडस्ट्री के नायक-नायिकाएं और अन्य कलाकार एक जगह जमा होकर शानदार तरीके से होलीखेलते नजर आते हैं। इस तरह देश के विभिन्न प्रदेशों में होलीबनाने का रिवाज है। होलीमनाने के तरीके अलग-अलग होते जरूर हैं, लेकिन सबमें एक दूसरे को रंग लगाने की परंपरा होती है।

त्रेता युगमें भीहोलीखेलने की परंपरा रही थी। अर्थात, भारतमें होलीखेलने की परंपरा हजारों साल पुरानी है, जो आज भी अनवरत जारी है। होलीके एक दिन पूर्व अगजा जलाने की परंपरा हमारे देशमें प्रचलितत है । लोग चौक-चौराहे पर लकड़िया एक जगह एकत्रित करते हैं। स्त्रियां उसमें गोबर से बने ऊपले को रखती हैं। संध्यामें घरमें बने पकवान को एकत्रित लकड़ियों पर चढ़ाते हैं। लकड़ियों के बीचहोलिका की प्रतिमा को रखते हैं। होलिका के गोद में भक्त प्रह्लाद लेटे हुए रहते हैं। एकत्रित लकड़ियों की विधि-विधान से पूजा की जाती है। तत्पश्चातहोलिका दहन किया जाता है। होलिका दहन से पूर्व भक्त प्रह्लाद की प्रतिमा हटा दी जाती है। इस पूजा विधान के प्रति लोगों की यह आस्था है कि होलिका असत्य की प्रतीक है। भक्त प्रह्लाद सत्य के प्रतीक हैं। इसलिए असत्य की प्रतीकहोलिका अग्निमें जल कर समाप्त हो जाती है। सत्य के प्रतीक भक्त प्रह्लाद भगवान श्री के चरणों में समर्पित हो जाते हैं। लोगों की यह भी कामना होती है कि बीता वर्ष अच्छा या खराब जैसा रहा, बीत गया। अब उसे याद करने की जरूरत नहीं। आने वाला कल मंगलमय हो। अगजा से निकलती अग्नि को लोग बड़े ही श्रद्धा के साथ प्रणाम करते हैं। लोग यह कामना करते हैं कि सबके घरमें सुख, समृद्धि और शांति की स्थापना हो। लोग प्रज्वलित अग्नि से थोड़ा अग्नि अपने घर ले जाकर चूल्हामें स्थापित करते हैं। इस प्रथा के पीछे लोगों में यह आस्था है कि इस अग्नि से बने भोजन खाकर घर के सभी लोग रोग मुक्त हों और स्वस्थ रहें। शहर और गांवों में आज भी यह परंपरा है। अगजामें लोग ऋतु के नए फल भी समर्पित करते हैं। इस समय तक चना और गेहूं की कटाई हो जातीहै। इसलिए अधिसंख्य लोग गेहूं और चना अगजामें समर्पित करते हैं। लोग रात भर अगजा के समीप जागकर गीत-भजन गाते, नाचते नजर आते हैं। होलीपर्व हम सबों को सांप्रदायिक सौहार्द्र की भी सीख देता नजर आता है। लोगहोलीपर्व पर जात-पात, छोटे-बड़े के भेद को भूलकर एक-दूसरे के घरों में जाते हैं। भारत जैसे विशाल देशमें जहां विभिन्न धर्म, पंथ, विचार के लोग रहते हैं, यहां होलीपर्व की प्रासंगिकता बहुत ही बढ़ जाती है। होलीपर्व पर कई जगहों परहोलीमिलन समारोह का आयोजन किया जाता है। ऐसे देखा जाए तो फाल्गुन मास पड़ते हीहोलीमिलन समारोह का आयोजन विभिन्न जगहों में होने शुरू हो जाते हैं। होलीमिलन समारोहमें समाज के सभी धर्म और विचारों के लोग सम्मिलित होते हैं। समारोहमें लोग अपने-अपने उद्बोधन से समाज को एक करने की सीख देते हैं।

होलीपर कई जगहों पर बड़े ही व्यापक स्तर पर काव्य गोष्ठियों आयोजित की जाती हैं। इसमें देश के बड़े-बड़े कवियों को आमंत्रित किया जाता है। इस अवसर पर कविगणहोलीपर एक से एक कविताएं प्रस्तुत करते है। लोग मंत्रमुग्ध होकर इन गोष्ठियों में कविताओं का आनंद लेते हैं। कईजगहों पर महामूर्ख सम्मेलन का भी आयोजन किया जाता है, जिसमें समाज के किसी एक विद्वत जन को महामूर्ख की उपाधि दी जाती है। इसके पीछे उद्देश्ययह कि मूर्ख भी समाज के मजबूत आधार स्तंभ हैं। उन्हें भी नजरअंदाज करना उचित नहीं। उन्हें भी समाज के मुख्यधारामें लाने की जरूरत है। अगर समाज के ज्ञानवान और श्रेष्ठ लोगों को यह घमंड हो गया है कि वे बहुत बड़े ज्ञानी हो गए हैं, तो यह महामूर्ख सम्मेलन उन्हें महामूर्ख अलंकार से अलंकृत कर उनके अहम को तोड़ने की भी सीख प्रदान करता है।

होली पर्व के पीछे छिपा है सूक्ष्म आध्यात्मिक रहस्य : ब्रह्मकुमारी निर्मला

भारत त्यौहारों की भूमि है, जिसमें होली का एक विशेष महत्व है। होली का त्यौहार हम सभी बड़ी खुशी के साथ मनाते हैं, होलिका दहन करते हैं, एक दूसरे को बड़े प्यार से रंग लगाते हैं। ये त्यौहार ऐसे ही नहीं मनाते हैं, बल्कि इसके पीछे आध्यात्मिक महीन रहस्य छिपे हुए हैं। ये उद्गार होली पर प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के स्थानीय सेवा केंद्र चौधरी बगान, हरमू रोड में राजयोगिनी ब्रह्मकुमारी निर्मला ने व्यक्त किए। उन्होंने कहा, वास्तव में हमारे सभी त्यौहार हमारी जीवन यात्रा से जुड़े हुए हैं। ये हमारे ही दिव्य परिवर्तन की यादगार हैं। भारत में 33 करोड़ देवी-देवताओं का गायन है और सभी त्योहार किसी न किसी रूप में देवी-देवताओं से संबंधित है। हम यह भी जानते हैं कि एक समय था, जब भारत सोने की चिड़िया हुआ करता था। इसे हम स्वर्ग सतयुग कहते हैं और इसी युग में इसी धरा पर 33 करोड़ देवी देवताएं थे। क्या हम जानते हैं, वे अभी कहां हैं। सृष्टि चक्र का नियम ही है युग परिवर्तन। सतयुग, त्रेता, द्वापर

सभी त्यौहार हमारे ही दिव्य परिवर्तन की यादगार हैं

और कलियुग से गुजरते हुए हम आत्माएं अपनी दिव्यता से दूर होते गए और देवता साधारण मनुष्य बन गए। पवित्रता, शांति, प्रेम, सुख, समृद्धि के हम अधिकारी हुआ करते थे, परंतु पांच विकारों काम, क्रोध, लोभ, मोह, अहंकार में गिरने से शोकवाटिका अर्थात कलियुग दुखों की दुनिया, नर्क में आ गए। लेकिन, अति के बाद अंत और घोर रात्रि के बाद नया सबेरा सुनिश्चित है। उन्होंने कहा इस घोर कलियुग के बाद सतयुग लाना किसी भी साधारण अत्मा का काम नहीं है और इसीलिए ऐसे समय में कल्प के अंत में निराकार परमात्मा शिव स्वयं इस धरा पर अवतरित होते हैं सतयुग की स्थापना के लिए। परमात्म आवरण समय से लेकर सतयुग की शुरुआत के समय को संगमयुग कहते हैं। हमारे सभी त्यौहार वर्तमान समय की यादगार हैं, जब हम परमात्मा से सीधा संबंध जोड़कर अपने जीवन को सुखमय बनाते हैं और सृष्टि पर स्वर्ग निर्माण में अपना योगदान देकर फिर से स्वर्ग के मालिक बनते हैं। होली अर्थात पवित्रता। विकारों पर जीत पाने से ही सतयुग की स्थापना होती है। संस्कार परिवर्तन से विश्व परिवर्तन संभव है। परमात्मा हमें हमारे ओरिजनल संस्कारों की याद दिलाते हैं, जिसमें पवित्रता मुख्य हैं। पवित्रता सुख शांति की जननी है, सर्व प्राप्तियों की चाबी है। पवित्रता का यथार्थ अर्थ सिर्फ ब्रह्मचर्य नहीं, बल्कि मन-कर्म-वचन संपूर्ण रूप से शुद्ध बनना है। जब हमें परमात्म दिव्य संदेश मिलता है और हम अपने जीवन में प्रैक्टिकल में पवित्रता की धारणा कर फिर से हमारे दैवी गुणों को इमर्ज करते हैं, तब इस धरा पर सतयुग आता है। होली का त्योहार पवित्रता की इसी धारणा का यादगार है। वास्तव में परमात्मा का धरती पर अवतरित होना और हिरण्यकश्यप (विकारों का प्रतीक) का वध कर प्रह्लाद (पवित्रता का प्रतीक) की रक्षा करना ही वह महाघटना है, जिसकी याद में यह त्यौहार मनाया जाता है। कल्प के अंतिम युग कलियुग और कलियुग के भी अंतिम चरण में धर्म की अति ग्लानि हो जाती है और हिरण्यकश्यप जैसे लोगों का ही बहुमत हो जाता है। राज्य कारोबार भी उनके हाथों में ही आ जाता है। वे लोग परमात्मा से बेमुख होकर उनकी मत के विपरीत आचरण करते हुए मनमानी करते हैं। परमात्मा के मार्ग पर चलने वालों पर अत्याचार होते हैं, कलंक लगते हैं, उन्हें सहयोग नहीं मिलता है। ये अल्पमत में होते हैं।

प्रह्लाद ऐसे ही लोगों का प्रतिनिधित्व करता है। प्रह्लाद का अर्थ है, वह पहला व्यक्ति जिसको माध्यम बनाकर परमात्मा पिता सबको अह्लादित करते हैं। इस कर्तव्य की पूर्ति के लिए परमात्मा पिता गुप्त रूप में धरती पर अवतरित होते हैं। होलिका रूपी विकारों की अग्नि से बचाने के लिए योग अर्थात ईश्वरीय स्मृति रूपी चादर (कवच) देते हैं। ईश्वरीय याद के बल से विकारों की अग्नि शीतल हो जाती है। ईश्वर से प्रेम करने वालों की जीत हो जाती है और उनसे बेमुख करने वाली भावना का नाश हो जाता है। इसी की याद में पहले दिन होलिका जलाई जाती है और अगले दिन एक-दो से गले मिलकर एक-दो को रंग लगाकर स्नेह मिलन किया जाता है।

होली के रंग, हास्य व्यंग्य के संग

प्रेमी की होली

प्रेमी ने अपने राज की बात इस प्रकार खोली,
अब कैसे मनाऊं होली,
जब वह और किसी की हो... ली।

नरेश बंका

लाल - पीला
वे तुरंत में लाल - पीला हो जाते हैं,
अपना जन्मदिन होली बताते हैं।

चुनावी रंग
चुनाव में रंग भी कमाल कर गए,
जनता ने उनको 'हरा' दिया,
और वे 'लाल' हो गए।

सोशल मीडिया वाली होली
रिल, स्टोरी फेसबुक, मस्ती धमाल का मौसम,
फिर लेकर आई होली या कमाल का मौसम,
हो आपको भी मुबारक,
इस सोशल मीडिया वाली होली का मौसम।

होली में मिलावटी मिठाई की बिक्री रोकने के लिए दुकानों में छापेमारी

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। होली पर्व के आते ही जिला प्रशासन एक्शन मोड में आ गयी है। एक ओर बाजार के विभिन्न मिठाई की दुकानों, होली में मिलावटी मिठाइयों की बिक्री रोकने के लिए मिष्ठान प्रतिष्ठानों में भी जांच की जा रही है। गुरूवार को उपायुक्त उत्कर्ष गुप्त के निर्देश पर होली पर्व को ध्यान में रखते हुए नगर पंचायत क्षेत्र के विभिन्न मिष्ठान दुकानों में नगर पंचायत की टीम पहुंची। उन्होंने जांच के लिए मिठाइयों का सैंपल लिया। सैंपल को लेबोरेट्री में जांच के लिए भेजा जायेगा। नगर पंचायत की टीम ने थाना चौक के माही स्वीट्स, पवन होटल, बस स्टैंड के उपहार स्वीट्स व दीपक स्वीट्स इत्यादि मिठाइयों की प्रतिष्ठानों में जाकर मिठाइयों की जांच की। टीम में नगर प्रबंधक राज कुमार वर्मा, स्ट्रीट लाइट इंस्पेक्टर अजीत कुमार व सेनेटरी सुपरवाइजर अशफाक अंसारी आदि शामिल थे।

अवैध रूप से पटाखा बेच रहे दुकानों में छापेमारी

बिना लाइसेंस के पटाखा बेचने वालों पर होगी कार्रवाई : एसडीओ

- लाखों का पटाखा जब्त

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। पिछले दिनों गढ़वा में अवैध रूप से पटाखा बेच रहे दुकानों में आग लग जाने की घटना से सबक लेते हुए लातेहार जिला प्रशासन भी अलर्ट मोड में है। उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता के निर्देश पर शहर में अवैध से पटाखा बेच रहे दुकानों में छापेमारी की गई। गुरूवार को अनुमंडल पदाधिकारी अजय कुमार रजक व अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अरविंद कुमार के नेतृत्व में एओई बालिका विद्यालय के सामने पटाखा बेच रहे कई दुकानों में छापेमारी की गयी। एसडीओ अजय कुमार रजक ने बताया कि बिना लाइसेंस का पटाखा बेचने वाले दुकानों में छापेमारी की गयी। उन्होंने बताया कि सूचना मिली थी कि बिना लाइसेंस के दुकानों में अवैध रूप से पटाखा बेचा जा रहा है। सूचना के आलोक में यह प्रशासनिक कार्रवाई की गयी है। उन्होंने कहा कि पिछले दिनों गढ़वा में अवैध रूप से पटाखा बेच रहे दुकान में आग लग जाने के कारण एक बड़ी घटना घट थी। इस कारण लातेहार में भी एहतियात के तौर पर यह कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि जिन्हें भी पटाखें बेचना है वह सक्षम पदाधिकारी से लाइसेंस ले। उसके बाद शहर में पटाखा बेंचे। उन्होंने बताया कि इस छापेमारी में विभिन्न प्रतिष्ठानों से एक ट्रक पटाखा जब्त किया गया है। उन्होंने कहा कि इसके बाद भी बिना लाइसेंस का पटाखा बेचने पर कानूनी कार्रवाई की जायेगी। मौके पर अंचलाधिकारी अरविंद देवाशीष टोप्पो समेत अन्य अधिकारी मौजूद थे।

होलिका दहन के साथ रंगोत्सव की मस्ती में डूबा शहर

नवीन मेल संवाददाता

चतरा। फाग के गीत और अबीर के बीच होलिका दहन गुरुवार देर रात शहर से लेकर गांव तक सैंकड़ों स्थानों पर किया गया। सर्वार्थ सिद्धि और अमृत योग में रात्रि लगभग 10 बजे से होलिका दहन की शुरूआत हुई। फाल्गुन मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा पर जिलेवासियों ने होलिका दहन कर रंगोत्सव का धमाल मचाया। होलिका जलते ही पूरा गांव व शहर मस्ती के रंगों में डूब गया। होली खेले रघुवीरा... और होली आई रे कन्हाई रंग बरसे... गीतों ने वातावरण को होलिमय बना दिया। होलिका दहन के साथ रंग और अबीर लोगों ने एक दूसरे को लगाकर शुभकामनाएं दी। रंगो के त्योहार होली में अब चंद घंटे ही बचे हैं। ऐसे में होली की मस्ती लोगों के सिर चढ़कर बोलने लगी है। बता दें कि इस बार होलीका दहन गुरुवार देर रात होगा व होली का पर्व शनिवार को मनाया जाएगा। त्योहार को लेकर शहर व ग्रामीण क्षेत्र के बाजारों में रंग, अबीर, गुलाल व रंग बिरंगी पिचकारी की स्थाई व अस्थाई रुप से सजे दुकानों में खरीदारों की भीड़ उमड़ रही है। होली को ले जगह-जगह पर बजाए जा रहे होली के गीत व फगुनाहट की बयार ने लोगों की उमंगो को और गाढ़ा कर दिया है। सभी सरकारी विभाग व शिक्षण संस्थान भी बंद हो चुके है। गुरुवार को विभिन्न स्थानों पर होली मिलन समारोह का आयोजन कर लोगों ने एक दूसरे को अबीर-गुलाल लगाने के साथ मिठाई खिलाकर होली की बधाई दी। मौके पर ढोलक मंजीरे की ताल पर लोग जमकर झूमे।

डाली व बेगमपुरा के ग्रामीणों के आवागमन की समस्या के समाधान का मार्ग प्रशस्त

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। पलामू संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत विभिन्न स्थानों पर एलएचएस-आरयूबी के निर्माण कराने को लेकर सांसद की पहल का सकारात्मक परिणाम सामने आया है। इस संबंध में जानकारी देते हुए सांसद प्रतिनिधि महेंद्र प्रसाद सिंह ने बताया कि इनमें इस प्रखंड क्षेत्र के डाली और बेगमपुरा भी शामिल हैं। वहां के ग्रामीणों की मांग के आधार पर सांसद विष्णु दयाल राम ने रेलवे बोर्ड के चेयरमैन से अनुरोध किया था। इसमें उन्होंने उन्हें बताया था कि विभिन्न स्थानों पर मानव रहित रेलवे क्रॉसिंग को बंद कर दिए जाने से एक ही गांव दो-भागों में विभक्त हो गये हैं। इससे वहां के निवासियों को आवागमन में अनेंको प्रकार की कठिनाईयों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में वस्तु स्थिति से अवगत कराते हुए सांसद ने कहा था कि उक्त स्थानों पर लो हाइट सबवे (एलएचएस) /रोड अंडरब्रिज (आरयूबी) बनाने से ग्रामीणों को कठिनाईयों से निजात मिल सकेगी। सांसद प्रतिनिधि ने बताया कि उक्त संबंध में सांसद ने रेलवे बोर्ड के चेयरमैन सतीश कुमार को 28 नवंबर 2024 को पत्र लिखकर एलएचएस/आरयूबी का निर्माण करने का अनुरोध किया था। उक्त पत्र के ही आलोक में चेयरमैन के कार्यालय से 27 फरवरी 2025 को जारी पत्र प्राप्त हुआ है। जिसमें विभिन्न स्थानों की जांच कर अद्यतन स्थिति से अवगत कराया गया है। जिसमें बताया गया है कि मोहम्मदगंज-कोसियारा सेक्शन में डाली गांव के पास किमी 352/35 और बेगमपुरा-मोहम्मदगंज सेक्शन पर किमी 350/9-11 पर एलसी संख्या 53 के स्थान पर भी आरयूबी के निर्माण की मांग की गई थी। इस संबंध में पत्र में बताया गया है कि उक्त स्थान पर आरयूबी के निर्माण की व्यवहार्यता की जांच की गई है। लेकिन तकनीकी रूप से यह संभव नहीं पाया गया है। क्योंकि यह राज्य राजमार्ग के लिए फीडर रोड है। और पूरे साल भारी वाहनों की आवाजाही होती है। हालांकि, यहां पर आरओबी (रोड ओवरब्रिज) के निर्माण के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने का काम शुरू कर दिया गया है। बताया जाता है कि डाली के ग्रामीणों ने कोसियारा रेलवे स्टेशन पर इसके लिए लंबे समय तक धरना दिया था। जबकि बेगमपुरा के ग्रामीणों ने विस चुनाव में वोट नहीं डालने का फैसला लिया था।

देवरी मस्जिद में तरावीह की नमाज संपन्न, मांगी अमन चैन की दुआ

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। अनुमंडल क्षेत्र के देवरी कला पंचायत के देवरी गांव में स्थित मस्जिद में तरावीह की नमाज संपन्न हुआ। तरावीह की नमाज हाफिज मोहम्मद शबीर ने पढ़ाई। इस दौरान कई रोजेदारों ने नमाज अदा करने सुनने का पुण्य कमाया। तरावीह संपन्न होने के बाद सामूहिक रूप से लोगों ने देश दुनिया में अमन चैन की दुआ मांगी। इसके बाद कमेटी के लोगों ने हाफिज मोहम्मद शबीर को सम्मानित किया। मौके पर मस्जिद के इमाम मो. कलाम अंसारी ने कहा कि रमजान के चांद नजर आने के दिन से तरावीह की नमाज शुरू हो जाती है, इस विशेष नमाज कि काफी अहमियत है। मौके पर कमेटी के संरक्षक शकील अहमद ने कहा कि तमाम महीनों में रमजान का महीना सबसे अफजल है। अंत में मिलाद शरीफ व दरूद ओ सलाम पढ़ा गया। मौके पर कमेटी के अध्यक्ष जनाब निजाम खान, सचिव जनाब तनवीर आलम, उर्फ बब्लू, वकील अहमद,अफरोज खान, आरजू खान, सैयद अफान मीर, सैयद कामरान मीर, मोहसिन खलीफा, इमरान खान, कामरान मीर, असलम खान, सरफराज खान, मुस्तफा खान, शमशेर खान, मजहरुल इस्लाम, शेख इरफान, शेख मोहसिन, वाजिद खान, साजिद खान, समेत काफी संख्या में लोग मौजूद थे।

महिला ने कीटनाशक खाया

गढ़वा। मझिआंव थानांतर्गत टड़हे गांव निवासी रामविचार बैठा की पत्नी 50 वर्षीया शारदा देवी कीटनाशक खाकर आत्महत्या करने का प्रयास की। उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के संबंध में परिजनों ने बताया कि किसी बात को लेकर पुत्र से विवाद हुआ था। उसी बात से आक्रोशित होकर महिला ने कीटनाशक खा ली।

ग्रामीण बैंक में होली मिलन समारोह का आयोजन

चिनियां। रंगों का पर्व होली को लेकर पूरे क्षेत्र में हर्षोल्लास का माहौल है। इस कड़ी में चिनियां ग्रामीण बैंक में भी होली मिलन समारोह धूमधाम से मनाया गया। बैंक के मैनेजर विवेक कुमार, कैशियर अकाश कुमार व चिनियां ग्रामीण बैंक के सभी सीएसपी संचालकों ने मिलकर आपसी सौहार्द और भाईचारे का संदेश दिया। समारोह के दौरान बैंक कर्मियों और सीएसपी संचालकों ने एक-दूसरे को रंग-गुलाल लगाकर शुभकामनाएं दी।

एक्सप्रेस ट्रेनों का ठहराव को लेकर डीआरएम को सौंपा ज्ञापन

नवीन मेल संवाददाता

उंटारी रोड। रेलवे के तीसरी लाइन शुरू कराने को लेकर निरीक्षण करने पहुंचे रेलवे के वरीय पदाधिकारी ने सिगसिगी रेलवे स्टेशन से लेकर उंटारी रोड रेलवे स्टेशन तक निरीक्षण किया। इस दौरान करकट्टा रेलवे स्टेशन पर जोगा पंचायत मुखिया कमला देवी, करकट्टा पंचायत मुखिया कमला देवी,बीस सूत्री अध्यक्ष अशोक सिंह, सामाजिक कार्यकर्ता भरदुल पासवान, रामाकृष्ण पाल के नेतृत्व में सैकड़ों ग्रामीणों के उपस्थिति में डीआरएम के नाम ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन के माध्यम से करकट्टा रेलवे स्टेशन पर एक्सप्रेस ट्रेनों का ठहराव, रेलवे स्टेशन के पश्चिम गेट संख्या 69 के पास फ्लाईओवर निर्माण कराने को लेकर मांग की गई है। मुखिया कमला देवी ने बताया की करकट्टा रेलवे स्टेशन पर एक्सप्रेस का ठहराव होने से यहां के दो दर्जनों गांवों सहित गढ़वा जिले के कुछ हिस्से के यात्रियों के लिए सहूलियत होगी। वही सामाजिक कार्यकर्ता भरदुल पासवान ने बताया कि गेट संख्या -69 से लगभग 40 गांवों का पैदल व वाहन के द्वारा 24 घंटों आवागमन जारी रहता है। लंबे समय गेट बंद होने से लोगों को काफी परेशानी होती है।

ब्राह्मण महासभा ने किया होली मिलन समारोह का आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

नीलांबर पीतांबरपुर। अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा का होली मिलन समारोह गुरुवार को हावर्ड पब्लिक स्कूल जगतपुरा में मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा के केंद्रीय अध्यक्ष अजय कुमार तिवारी ने भगवान परशुराम की चित्र पर पुष्प अर्पित कर सांस्कृतिक कार्यक्रम का फीता काट कर उद्घाटन किया। समारोह में अबीर गुलाल लगाकर एक दूसरे को होली की बधाई दी गई। ब्राह्मण महासभा केंद्रीय अध्यक्ष अजय कुमार तिवारी ने कहा कि होली रंगों का त्यौहार है। भिन्न-भिन्न रंगों और गुलाल से होली खेली जाती है। सभी की भावना का सम्मान करते हुए अपने खुशी का इजहार करें, किसी की भी भावना को ठेस ना लगे इसका विशेष ध्यान रखें। महासभा के प्रखंड अध्यक्ष जयराम तिवारी ने कहा होली को वसंत महोत्सव, रंगों का त्योहार और प्रेम व भाईचारे का प्रतीक है। होली मिलन समारोह में व्यास अंकुर राय व उनकी टीम द्वारा होली का एक से बढ़कर एक गीत गाकर उपस्थित लोगों को झुमने पर मजबूर कर दिया। अध्यक्षता जयराम तिवारी ने की। संचालन संत कुमार तिवारी ने किया। मौके डॉ. कृष्णा कांत दुबे, सुरेन्द्र शुक्ला, जीतेंद्र तिवारी, दिनेश तिवारी, बसंत शुक्ला, अमरेश तिवारी, नवीन पांडेय, सुनील तिवारी, राघो तिवारी भागीदारी की।

दौलिया स्कूल में मनाया गया होली मिलन समारोह

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। प्रखंड अंतर्गत राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय बेदौलिया में होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। होली मिलन समारोह के मुख्य अतिथि संकुल साधन सेवी रामकिशन भगत ने विद्यालय परिवार को शुभकामनाएं देते हुए जीवन रंगीन व खुशहाली से बीते इसकी कामना करते हुए बच्चों को बेहतर भविष्य की कामना की। इस मिलन समारोह का संचालन विद्यालय के प्रभारी जय प्रकाश शर्मा ने किया। विद्यालय के प्रभारी श्री शर्मा ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि हर साल की भांति इस वर्ष भी विद्यालय परिवार की ओर से होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया है, इसमें विद्यालयी बच्चों के अलावे रसोईया, अध्यक्ष व विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्य गण उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है और आगे भी बेहतर एवं उन्नति के राह पर हमारा विद्यालय अग्रसर है, इसके लिए विद्यालय परिवार को तहे दिल से धन्यवाद दिया। इस मौके पर विद्यालय के बच्चों ने एक दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर रंगों का त्योहार होली की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। शिक्षक भी एक दूसरे को गुलाल लगाकर जीवन रंगीन एवं खुशहाली से बीते इसकी कामना करते हुए विद्यालय परिवार को शुभकामनाएं दी। तत्पश्चात एक से बढ़कर एक होली गीत बच्चों के द्वारा प्रस्तुत किया गया एवं अबीर उड़ाते हुए एक दूसरे को शुभकामनाएं दी। होली खेले रघुवीरा के गानों पर बच्चों ने खूब आनंदित हुए और उमंग में घंटों तक झुमते रहे। होली मिलन समारोह के रंग में सराबोर होने के बाद गरमा-गरम शुद्ध शाकाहारी व्यंजन की व्यवस्था विद्यालय परिवार की ओर से की गई थी। जिसमें पूड़ी-सब्जी एवं जलेबी शामिल था का भी विद्यालय परिवार के साथ ही साथ बच्चों ने सुस्वादिस्ट भोजन का लुत्फ उठाया। तत्पश्चात होली मिलन समारोह की समाप्ति की घोषणा की गई। इस अवसर पर मुख्य रूप से विद्यालय के प्रभारी जयप्रकाश शर्मा, रोशन, प्रियांशु, राहुल, दिव्या, जूही के अलावे सैकड़ों बच्चे शामिल हुए।

होली व रमजान में रसोईया को नहीं मिला मानदेय, फीकी पड़ी घरों की रौनक

धुरकी। होली और रमजान में भी स्कूलों में एमडीएम बनाने वाली रसोइया को मानदेय नहीं मिला। उससे उनमें निराशा है। प्रखंड के खाला विद्यालय में बच्चों का भोजन बनाने वाली रसोइया समसुल बीवी, आसमा बीवी के अलावा प्रभा देवी, लालती देवी व शीला देवी ने बताया कि वह प्रतिदिन बच्चों को भोजन बनाकर खिला रही हैं। उसके एवज में दो हजार रुपए महीना उन्हें दिया जाता है। हर महीने उन्हें मानदेय नहीं मिल रहा है। 8-10 महीना में दो माह की राशि मिलती है। उसे गंभीर आर्थिक संकट से गुजर रही हैं। उन्होंने कहा कि सरकार एक तरफ घर बैठे महिलाओं को मंईयां सम्मान योजना के तहत दो हजार पांच सौ रुपए दे रही है, जबकि उन लोगों को काम करने के बाद भी हर महीने पैसा नहीं दिया जा रहा है। रसोइया ने बताया कि होली और रमजान महीने के बाद भी उन पर सरकार का कोई ध्यान नहीं है।

स्कूल में होली मिलन समारोह का आयोजन

केतार। केतार बाजार स्थित आरके सिंह पब्लिक स्कूल में गुरुवार को होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के छात्र-छात्राओं और शिक्षकों ने एक दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दी। छात्र-छात्राओं ने शिक्षकों से आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर विद्यालय संचालिका ब्यूटी सिंह ने कहा कि होली का पर्व न केवल रंग और उल्लास का पर्व है, बल्कि समाजिक समरसता, प्रेम व भाईचारा और बुराई पर अच्छाई का जीत का प्रतीक है। शिक्षक-शिक्षिकाओं ने बच्चों को गुलाल लगाकर होली कि शुभकामनाएं दी।

होली पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम, शहर में फ्लैग मार्च

कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस तैनात, संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी नजर

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। होली पर्व को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी मणिभूषण प्रसाद और सदर सीओ अमरजीत सिंह के नेतृत्व में शहर थाना क्षेत्र में फ्लैग मार्च निकाला गया। इस फ्लैग मार्च का मुख्य उद्देश्य कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाना और नागरिकों में सुरक्षा की भावना पैदा करना था। प्रशासनिक अधिकारियों और पुलिस बल ने हॉस्पिटल चौक, कन्नी राम चौक, कसाई मोहल्ला, भटी मोहल्ला, गिरवर स्कूल, सादिक मंजिल चौक, बेलवाटिक चौक, स्टेशन चौक, चर्च रोड, कचहरी चौक और छह मुहान तक मार्च किया। फ्लैग मार्च का समापन शहर थाना में किया गया।

संदिग्ध गतिविधियों पर रहेगी सख्त नजर

अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी मणिभूषण प्रसाद ने कहा कि होली एक महत्वपूर्ण पर्व है और इसे शांतिपूर्ण माहौल में मनाना प्रशासन की प्राथमिकता है।
किसी भी अप्रिय घटना से निपटने के लिए शहर थाना में फायर ब्रिगेड और पुलिस बल तैनात किया गया है।
सदर सीओ ने नागरिकों से शांति बनाए रखने और संदिग्ध गतिविधियों की सूचना तुरंत पुलिस को देने की अपील की। प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया कि आगामी दिनों में सुरक्षा उपायों की लगातार समीक्षा की जाएगी।

'उत्पात मचाने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई'

शहर थाना प्रभारी देवव्रत पोद्दार ने कहा कि होली पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण बनाने के लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। शहर के विभिन्न चौक-चौराहों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात रहेगा और गश्ती दल लगातार निगरानी करेगा।
पूरे शहर में 115 जवान गश्त पर रहेंगे ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके। इसके अलावा, शुक्रवार और शनिवार को विशेष अभियान चलाकर शराब पीकर वाहन चलाने वालों की जांच ब्रेथ एनालाइजर से की जाएगी।
प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि कानून तोड़ने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी और किसी भी तरह की अशांति बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

अतिरिक्त पुलिस बल और मजिस्ट्रेट तैनात, गश्ती दल अलर्ट

मेदिनीनगर। होली के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए सदर थाना प्रशासन ने कड़ी सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की है। थाना प्रभारी उत्तम कुमार राय के नेतृत्व में सदर क्षेत्र में फ्लैग मार्च निकाला गया, जिसका मुख्य उद्देश्य लोगों में सुरक्षा की भावना पैदा करना और कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाना था। फ्लैग मार्च बड़कागांव, जोड़, खनवां, कौड़ियां सहित अन्य गांवों के चौक-चौराहों से गुजरते हुए सदर थाना पर समाप्त हुआ। थाना प्रभारी उत्तम कुमार राय ने बताया कि थाना क्षेत्र में आठ प्रमुख चौक-चौराहों पर आठ मजिस्ट्रेट, अतिरिक्त पुलिस पदाधिकारी और पुलिस बल तैनात किए गए हैं। इसके साथ ही गश्ती दल लगातार क्षेत्र में निगरानी कर रहा है, ताकि किसी भी तरह की अप्रिय घटना को रोका जा सके।

पेज एक के शेष

चैंपियन राष्ट्रीय महिला...

इस मौके पर हॉकी इंडिया के महासचिव सह हॉकी झारखंड के अध्यक्ष भोलानाथ सिंह , विजय शंकर सिंह, रजनीस कुमार, असुंता लकड़ा, असरित लकड़ा, जयंत केरकेट्टा, विधनाथ सिंह, प्रशांत मुखर्जी, रणधीर कुमार, पुष्प प्रधान,सहित एकलव्य हॉकी सेंटर,बरियातू हॉकी सेंटर के हॉकी खिलाड़ी उपस्थित थे। सीनियर झारखंड महिला हॉकी टीम को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने जीत की बधाई दी है और होली बाद विजेता टीम के सभी सदस्यो को विशेष कार्यक्रम आयोजित कर सम्मान करने की बात कही ह। जिसकी जानकारी उन्होंने हॉकी झारखंड के अध्यक्ष भोलानाथ सिंह से बताया।

सीबीएसई ने दी...

जो होली के कारण निर्धारित तिथि पर परीक्षा नहीं दे पाएंगे। बोर्ड ने गुरुवार को एक प्रेस रिलीज जारी कर बताया कि 15 मार्च को हिंदी की परीक्षा तय समय पर आयोजित होगी, लेकिन जिन छात्रों को इस दिन परीक्षा में उपस्थित होने में असुविधा होगी, वे उस दिन परीक्षा में उपस्थित नहीं होने का निर्णय ले सकते हैं। सीबीएसई के फैसले के अनुसार, 15 मार्च को परीक्षा में शामिल नहीं होने वाले छात्रों को दूसरा मौका दिया जाएगा और वे उस विशेष परीक्षा में शामिल हो सकेंगे, जो बोर्ड की नीति के तहत राष्ट्रीय या अंतरराष्ट्रीय स्तर के खेल आयोजनों में भाग लेने वाले छात्रों के लिए आयोजित की जाती है। सीबीएसई ने इस फैसले के जरिए छात्रों के कल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है।

दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा सड़क नेटवर्क आज भारत में : अमित शाह

भारत सरकार **500 बिस्तर** वाला अत्याधुनिक अस्पताल बनाने जा रही है।

राष्ट्रीय राजमार्ग में **60 प्रतिशत** बढ़ोतरी करने का काम मोदी सरकार ने किया है।

नई दिल्ली(हि.स.)। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा सड़क नेटवर्क, तीसरा सबसे बड़ा मेट्रो रेल नेटवर्क और चौथा सबसे बड़ा रेल नेटवर्क आज भारत में है। उन्होंने कहा कि देश में आज 136 वंदेभारत ट्रेन चल रही है और 97 प्रतिशत ब्रॉडगेज नेटवर्क का इलेक्ट्रिफिकेशन पूरा हो चुका है। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से गुजरात के अहमदाबाद में 146 करोड़ रुपये की लागत वाले विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण व शिलान्यास करने के बाद संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज तीन परियोजनाओं का ई-लोकार्पण और ई-शिलान्यास हो रहा है। इनमें 60 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाला साणंद-चेखला-कडी रोड पर अहमदाबाद-विरमगाम रेलवे ट्रैक पर लगभग 1 किलोमीटर लंबे रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण शामिल है। शाह ने कहा कि इस ओवरब्रिज के बनने के बाद स्थानीय नागरिकों को आवागमन में बहुत सुविधा हो जाएगी। अमित शाह ने कहा कि आज नेशनल हाईवे संख्या 147 पर नर्मदा नहर पर 36.30 करोड़ रुपये की लागत से 4 लेन पुल का निर्माण और 45 करोड़ रुपये की लागत से सरखेज-गांधीनगर (एसजी) हाईवे छारोडी पर फ्लाई-ओवरब्रिज का भी भूमिपूजन हुआ। उन्होंने कहा कि ये सभी विकास कार्य गांधीनगर लोकसभा क्षेत्र के चार विधानसभा क्षेत्रों में विकास के नए आयाम सिद्ध करेंगे।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने गांधीनगर लोकसभा क्षेत्र में हजारों करोड़ रुपये की लागत से कई विकास कार्य पूरे किए हैं। इन्फ्रास्ट्रक्चर की दृष्टि से गुजरात आज पूरे भारत में पहले स्थान पर है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में न सिर्फ साणंद तालुका, कलोल विधानसभा क्षेत्र और गांधीनगर लोकसभा क्षेत्र में विकास कार्य हुए हैं बल्कि पूरे गुजरात में विकास हुआ है। शाह ने कहा कि इन इन्फ्रास्ट्रक्चर के कार्यों से क्षेत्रवासियों का जीवन अधिक सुगम होगा और कनेक्टिविटी आसान होगी, जिससे रोजगार, उद्योग व व्यापार को नई गति मिलेगी।

बांग्लादेश के आंतरिक मामलों में भारत का हस्तक्षेप अनुचित : आलम

ढाका। बांग्लादेश ने चुनाव, कानून-व्यवस्था और अल्पसंख्यक मुद्दों पर भारत की हालिया टिप्पणियों पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। बांग्लादेश का मानना है कि यह पूरी तरह से उसके आंतरिक मामले हैं, इसलिए इस पर भारत को दखल नहीं देना चाहिए। ढाका ट्रिब्यून अखबार के अनुसार विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मोहम्मद रफीक उल आलम ने शुक्रवार को यहां मीडिया ब्रीफिंग में एक सवाल के जवाब में यह टिप्पणी की। प्रवक्ता आलम ने कहा कि नई दिल्ली की इस तरह की टिप्पणियां अनुचित हैं। यह दूसरे देश के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप के समान है। बांग्लादेश आपसी सम्मान, विश्वास और समझ के आधार पर भारत के साथ मैत्रीपूर्ण और रचनात्मक संबंध बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रवक्ता ने कहा कि ढाका को उम्मीद है कि भारत सरकार के संबंधित अधिकारी ऐसी टिप्पणियों की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाएंगे।

रमजान के दौरान 18 घंटे तक बिजली गुल, सामान्य जनजीवन प्रभावित

एजेंसी

कराची। पाकिस्तान के कराची में 18 घंटे से अधिक समय से बिजली कटौती के कारण रमजान के पवित्र महीने के दौरान लोगों को काफी असुविधा का समाना करना पड़ा। स्थानीय मीडिया ने गुरुवार को यह जानकारी दी। पाकिस्तान के प्रमुख दैनिक 'द एक्सप्रेस ट्रिब्यून' की रिपोर्ट के अनुसार, नागरिकों ने कहा कि लंबे समय से बिजली कटौती और बढ़ते तापमान के कारण उन्हें रमजान के दौरान उपवास रखना, नमाज अदा करने और यहां तक कि अन्य दैनिक कार्य करने में भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। प्रभावित नागरिक मुख्य रूप से शहर के अधिकांश क्षेत्रों में गरीब और मध्यम वर्ग से हैं, जो बिजली कटौती के कारण सबसे खराब स्थिति का सामना कर रहे हैं, जिससे नागरिकों का जीवन दयनीय हो गया है।

पिछले महीने कराची में बिजली कटौती और पानी की कमी के खिलाफ बड़े पैमाने पर सार्वजनिक प्रदर्शन हुए। लोगों ने लंबे समय तक पानी और बिजली के बिना रहने के कारण विरोध प्रदर्शन किया।

प्रदर्शनकारियों ने टायरों में आग लगाई और सड़कों को अवरुद्ध कर दिया। उनका कहना था कि उनके क्षेत्र में लगातार चार दिनों से बिजली की आपूर्ति बाधित रही है।

भोजपुरी भाषा को आठवीं अनुसूची में शामिल कर बड़ा राजनीतिक दांव खेलने की तैयारी

सुनील बादल

नई दिल्ली । चर्चा है कि इस बार बिहार चुनाव में भोजपुरी पर बड़ा दांव खेला जाएगा जिससे पूर्वांचल के संग बिहार के आगामी चुनाव में इसका बड़ा लाभ मिल सकता है । पूर्वांचल की संपर्क भाषा भोजपुरी को अभी तक संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल नहीं किया गया है। हालांकि, भोजपुरी को इस सूची में शामिल करने की मांग लगातार उठती रही है। भोजपुरी के समर्थक मानते हैं कि यह दुनिया भर में 25 करोड़ लोगों द्वारा बोली जाती है। भोजपुरी को मॉरीशस और नेपाल में संवैधानिक मान्यता प्राप्त है। भोजपुरी बहुत पुरानी भाषा है और भोजपुरी को यूनेस्को ने लुप्तप्राय भाषा घोषित किया है। भोजपुरी भाषियों ने इसे विदेशों तक पहुंचा दिया है। देश के अनेक कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में भोजपुरी भाषा की पढ़ाई होती है। भोजपुरी को आठवीं अनुसूची में शामिल करने की मांग को लेकर कई बार प्रदर्शन किया गया है।

संसद के कई सत्रों में कई सांसदों ने इस मुद्दे को उठाया है। सरकार की ओर से अलग-अलग भाषाओं को आठवीं अनुसूची में शामिल करने की मांग को लेकर जांच कमेटी गठित की गई थी। अभी प्रधानमंत्री मोदी की मॉरीशस यात्रा की ब्रीफिंग विदेश मंत्रालय ने भोजपुरी में की थी क्योंकि बिहार यूपी मूल के गिरमिटिया मजदूरों ने कुछ अपभ्रंश जिसमें फ्रेंच के भी शब्द हैं न सिर्फ भोजपुरी को जीवित रखा है बल्कि भारतीय संस्कृति को भी बचा कर रखा है । आठवीं अनुसूची में शामिल किए जाने पर न सिर्फ लाखों लोगों को रोजगार मिलेगा बल्कि इस लोकभाषा को भाषा का सम्मान और संरक्षण भी मिलेगा ।

डोमिनिकन गणराज्य में समुद्र तट से लापता भारतीय छात्रा की तलाश तेज

वाशिंगटन(हि.स.)। अमेरिकी अधिकारियों ने मार्च के पहले हफ्ते से डोमिनिकन गणराज्य से लापता 20 वर्षीय भारतीय छात्रा सुदीक्षा कोनांकी की तलाश तेज कर दी है। जांच अधिकारियों ने पूछताछ के लिए एक व्यक्ति को चिह्नित किया है। इस व्यक्ति की उम्र 24 साल बताई गई है। सुदीक्षा अमेरिका की स्थायी निवासी हैं। उसे आखिरी बार डोमिनिकन गणराज्य के पुंटा काना शहर के रिउ रिपब्लिक रिसॉर्ट में छह मार्च को देखा गया था। सीएनएन की खबर के अनुसार सातवें दिन तक की जांच में साफ हुआ है कि पिट्सबर्ग विश्वविद्यालय की छात्रा सुदीक्षा अन्य लोगों के साथ रिउ रिपब्लिक होटल के समुद्र तट पर थी। तभी से वह गायब है। जांच दल में संयुक्त राज्य अमेरिका, डोमिनिकन गणराज्य और भारत के अधिकारी शामिल हैं। उसकी हवाई, समुद्री और जमीनी स्तर पर खोजबीन शुरू की गई है। कोनांकी का परिवार मूल रूप से वर्जीनिया के लाउडन काउंटी में रहता है।

होली के हुड़दंग में रंग, पानी ,कीचड़ आदि से अपने फ़ोन को कैसे बचाएं

ब्यूरो

नई दिल्ली। होली के हुड़दंग में , एक दूसरे पर दौड़ाकर रंग डालने ,जबरिया न छूटनेवाले रंग या कीचड़ आदि डालने , उड़ेलने के माहौल में कब, कहां , कैसे पानी , गुलाल , रंग ,कीचड़ आदि आपके ऊपर पड़ जाए, आपके सामने वाले जेब में रखे या हाथ में लिए या नीचे जेब में रखे फ़ोन में अंदर चला जाए , क्षतिग्रस्त हो जाए , कहा नहीं जा सकता ।यह होने पर आपको बहुत नुकसान हो सकता है। इसलिए होली की मस्ती में डूबने से पहले अपने फोन की सुरक्षा को पूरा इंतजाम कर लें। इसके लिए कई फ़ोन इंजीनियर से बात करने पर वे कहते हैं- यदि आप भांग खाकर या शराब पीकर हुड़दंगी होली खेलने जा रहे हैं , तो अच्छा होगा अपने साथ अपना फ़ोन ही नहीं ले जाएँ। लेकिन आज जो हालात है उसमें ज्यादातर लोगों के लिए अपनी पत्नी को घर छोड़ देना मंज़ूर है , फ़ोन छोड़ना नहीं ।और यदि फोन साथ ले जाने की इतनी ही मजबूरी है, और हुड़दंगी होली भी खेलनी है, तो अपने फोन के सभी खुले हिस्सों को एक टेप लगा कर ढंक दें। जैसे - माइक, चार्जिंग पोर्ट, हेडफोन जैक, स्पीकर को टेप लगाकर ढक दें। यदि आप होली के दौरान घर के आप-पास हैं तो ब्लूटूथ डिवाइस का प्रयोग कर सकते हैं। ज्यादातर ब्लूटूथ वाटरप्रूफ होते हैं और फोन बचा रहेगा। या सस्ता ईयरफोन भी ले सकते हैं और उसी से बात करें। यदि वह खराब भी होता है तो ज्यादा नुकसान नहीं होगा।

प्लास्टिक बैग- यदि आप किसी तरह कोई खर्च नहीं करना चाहते तो एक छोटा सा प्लास्टिक लें , उसमें होली से पहले अपने फोन को प्लास्टिक पाउच में रखकर उसे बचा सकते हैं।

लेमिनेशन- लेमिनेशन कराना भी एक विकल्प है। लेकिन इससे फोन की शक्ल थोड़ी खराब हो जाती है , लेकिन महंगे फोन को बचाने के लिए कुछ दिन यदि लेमिनेशन में ही रहे तो खराब होने से बच ही सकती है। लेमिनेशन कराने का खर्च भी कम होता है ।

सावधानी- यदि फोन में पानी चला जाए तो उसको ऑन करने की गलती ना करें। सिम कार्ड और बाकी चीजें हटा लें। बीच-बीच में फोन की पोजीशन भी बदलते रहें। ऐसा करने से आपके फोन के अंदर घुसा सारा पानी निकल जाएगा। हेयर ड्रायर से सुखाने की भी गलती न करें। फोन को चावल में रखने की गलती ना करें।

कहानी फिल्म जगत की

श्रीलीला को डेट कर रहे हैं कार्तिक आर्यन?

अभिनेता कार्तिक आर्यन की निजी जिंदगी सुर्खियों में है। बॉलीवुड गलियारों में उड़ रही अफवाहों के अनुसार, अभिनेता साउथ अभिनेत्री श्रीलीला को डेट कर रहे हैं। इन अफवाहों पर अभिनेता की मां और नोरा फतेही ने IIFA अवार्ड्स के दौरान लगभग मुहर लगा दी। बता दें, कार्तिक और श्रीलीला जल्द ही अनुराग बसु द्वारा निर्देशित एक अनिर्धारित फिल्म में भी स्क्रीन साझा करेंगे।

● नोरा फतेही ने कार्तिक की लव लाइफ का मजाक उड़ाया

नोरा फतेही ने हाल ही में आईफा अवार्ड्स में कार्तिक की लव लाइफ का मजाक उड़ाया। शो की मेजबानी कर रहे करण जौहर ने नोरा से पूछा कि क्या आप प्रथम श्रेणी के टिकट से लंदन जाएंगी? इस पर नोरा ने पूछा, 'क्या मैं आपके साथ जा रही हूं?' इस पर नोरा ने पूछा, "क्या मैं आपके साथ जा रही हूं?" हालांकि, केजेओ ने तब स्पष्ट किया कि वह कार्तिक आर्यन के बारे में बात कर रहे थे। करण ने फिर नोरा से पूछा कि क्या वह सिंगल हैं, उन्होंने कहा, 'आपने मुझे कल रात यह बताया।' इस पर प्रतिक्रिया देते हुए नोरा ने कार्तिक को चिढ़ाते हुए उन पर कटाक्ष किया, 'कोई है इस इंडस्ट्री में जिसको आपने डेट नहीं किया।'

एक्टर की मां ने की पुष्टि